राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

वर्ष : 05 अंक 23
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

लखनऊ
बुधवार, 21 नवम्बर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

कांग्रेस का एक भी नुमाइंदा जीतना नहीं चाहिये: नरेन्द्र मोदी

रीवा, (मप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोगों से कहा कि कांग्रेस के अहंकार को समाप्त करने के लिये जरूरी है कि कांग्रेस का एक भी नुमांइदा नहीं जीत पाए। मध्यप्रदेश में 28 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। रीवा में भाजपा के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''मैं आपसे आग्रह करने आया हूं कि कांग्रेस का एक भी नुमांइदा जीतना नहीं चाहिये। एक भी जीतना नहीं चाहिये। ये कांग्रेस का अंहकार . ..किसी की परवाह नहीं करना, अनाप शनाप हर किसी का अपमान करना.... ये जो उनका अहंकार है, उस अहंकार को चूर–चूर करने के लिये 28 नवंबर एक मौका है। ये 28 नवंबर अहंकार को चूर–चूर करने का एक मौका है।''।

मोदी ने जनता को याद दिलाया कि केन्द्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार होने से पिछले साढ़े चार साल में यहां तेजी से विकास हुआ है। जबकि इससे पहले शिवराज सरकार को केन्द्र की यूपीए सरकार से हर दिन अपने हकों के लिये लड़ाई लड़ना पड़ी। उन्होंने कहा कि 28 नवंबर को वोट डालने से पहले कांग्रेस के 55 साल और 15 साल के भाजपा शासन को पल भर के लिये याद कर लीजिये।

उन्होंने दिल्ली पर राज करने वाले शासकों की चार पीढ़ियों का शासन समाप्त होने को स्मरण करते हुए कहा, ''मुझे दिल्ली में लोग कहते हैं कि दिल्ली की एक विशेषता है। सतयुग देख लो, त्रेतायुग देख लो, मुगल सल्तनत देख लो, कहते हैं दिल्ली को एक ऐसा श्राप है कि किसी की कितनी ही सल्तनत बड़ी क्यों न हो, लेकिन चौथी पीढ़ी आने के बाद वह समाप्त हो जाती है। चौथी पीढ़ी के आगे किसी का कुछ बचता ही नहीं है। कांग्रेस का भी वही हाल हुआ है। वह अब चौथी पीढ़ी पर अटकी हुई है, अब बचने वाली नहीं है।'' । उन्होंने देश के 1.25 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताते हुए कहा, ''आपके पुरषार्थ और संकल्प से मैं जुड़ा हुआ हूं। आप 10 घंटे तो मैं 11, आप 14 घंटे तो मैं 15 घंटे काम करूंगा। परिवार का मुखिया जिस प्रकार परिवार की भलाई के लिये अपने आप को खपा देता है, मैं भी 1. 25 करोड़ देशवासियों के अपने परिवार की भलाई के लिये पल–पल, तिल–तिल अपने आप को खपाता रहा हूं और मैं उसमें कमी नहीं आने दूंगा। इस बात का आपको विश्वास दिलाता हूं।''

उन्होंने सवाल किया कि क्या 55 साल में कांग्रेस को सूरज नहीं दिखा। कांग्रेस के 55 साल के शासन काल में प्रदेश में केवल 30 मेगावाट ग्रीन एनर्जी का उत्पादन होता था जबकि भाजपा के 15 साल के शासन काल में 4000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादित होने लगी है।

मनमोहन सिंह को प्रदान किया गया इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सोमवार को इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया

गया। पूर्व प्रधान न्यायाधीश टी एस ठाकुर ने सिंह को यह पुरस्कार (2017 के लिए) प्रदान किया। यह पुरस्कार इंदिरा गांधी स्मृति न्यास द्वारा 'शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास' के लिए काम करने वाले व्यक्तियों, समूहों एवं संस्थाओं को दिया जाता है। इस मौके पर न्यास की प्रमुख और कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि सिंह ने देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा, ''मनमोहन सिंह जिन बुलंदियों पर पहुंचे उसकी बुनियाद इंदिरा गांधी के समय पड़ी थी।'' न्यायमूर्ति (सेवानिवत्ति) ठाकुर ने कहा कि मनमोहन सिंह की बड़ी खूबी यह है कि वह लोगों की सुनते हैं और यहां तक अपने विरोधियों की भी सुनते हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर मनमोहन सिंह न्यायाधीश होते तो मुझसे बेहतर न्यायाधीश होते।'' उन्होंने कहा कि सिंह को प्रधानमंत्री के तौर पर चयन एक बेहतरीन फैसला था और यह इस मायने में भी महत्वपूर्ण था कि उस समुदाय का व्यक्ति प्रधानमंत्री बना था जिसकी आबादी भारत में एक फीसदी है। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद सिंह ने कहा कि किसी भी समाज को सफल होने के लिए विविधता को अपनाना होगा। उन्होंने कहा, ''मौजूदा समय में दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं उनसे निपटने के लिए वैश्विक जिम्मेदारी की जरूरत है। सहयोग की जरूरत है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम इतिहास के उस मोड़ पर है जहां वैश्विक शासन के सभी संस्थाओं को मजबूत बनाने की सख्त जरूरत है ताकि बहुपक्षवाद को बढ़ावा दिया जा सके और उन वैश्विक चुनौतियों से निपटा जा सके जिसने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरा पैदा किया है। हमें अंतरराष्ट्रीयवाद की भावना को फिर से जीवित करने में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने दुनिया के कई हिस्सों में 'तुच्छ राष्ट्रवाद' के ताकतवर होने का उल्लेख करते हुए कहा, ''भविष्य उसी का होगा जो विविधता को संभाल सकेगा और उदार सोच रखेगा। ये भारत की खूबी रही है कि वह विविधता का जश्न मनाता आया है। भारत के संविधान निर्माताओं ने भी विविधता को महत्व दिया।''

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावः मतदान के दूसरे चरण के लिए तैयारी पूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हो रहे विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण

के लिए मतदान की तैयारी पूरी हो गई है। राज्य में मंगलवार को मतदाता विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, राज्य शासन के नौ मंत्रियों और नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव समेत 1079 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि राज्य के 19 जिलों की 72 विधानसभा सीटों के लिए मंगलवार को मतदान होगा। राज्य में दूसरे चरण के मतदान के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण में 1,53,85,983 मतदाता 1079 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इसमें 119 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। राज्य के रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 46 उम्मीदवार और बिंद्रानवागढ़ में सबसे कम छह उम्मीदवार हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के मतदान के लिए मतदान कर्मियों को रवाना किया जा रहा है। वहीं राज्य में शांतिपूर्ण मतदान के लिए अर्धसैनिक बलों और पुलिस के लगभग एक लाख जवानों को तैनात किया गया है। राज्य के गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, कबीरधाम, जशपुर और बलरामपुर जिले के कुछ हिस्से नक्सल प्रभावित हैं। इन जिलों में सुरक्षा बल के जवानों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के लिए 72 सीटों में सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के मतदान में मतदाता जिन 1079 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे, उनमें कसडोल सीट से विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल और रमन मंत्रिमंडल के नौ सदस्य ... रायपुर दक्षिण सीट से बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम से राजेश मूणत, भिलाई से प्रेम प्रकाश पांडेय, बैकुंठपुर से भैयालाल राजवाड़े, मुंगेली से पुन्नूलाल मोहिले, प्रतापपुर से रामसेवक पैकरा, बिलासपुर से अमर अग्रवाल, कुरूद से अजय चंद्राकर और नवागढ़ से दयालदास बघेल शामिल हैं। मतदाता अंबिकापुर से विधानसभा में विपक्ष के नेता टीएस सिंहदेव, पाटन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेश बघेल, सक्ति से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री चरणदास महंत, दुर्ग ग्रामीण से सांसद ताम्रध्वज साहू, मरवाही से पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी और कोटा से उनकी पत्नी रेणु जोगी के भाग्य का भी फैसला करेंगे। दूसरे चरण की 72 सीटों में से 17 सीट अनुसूचित जनजाति के लिए तथा नौ अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 72 सीटों में से 43 सीटों में जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस को 27 तथा बहुजन समाज पार्टी को एक सीट में जीत मिली थी। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीता था।

भाजपा का ऐलान, योगी सरकार में ही बनेगा अयोध्या में राम मंदिर

इंदौर। मध्यप्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के जारी घमासान के बीच भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि वह अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का संवैधानिक तरीके से निर्माण अवश्य करायेगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ष्हम अयोध्या में संवैधानिक तरीके से भव्य राममंदिर के निर्माण के प्रति कटिबद्ध हैं। अयोध्या में राममंदिर हम अवश्य बनवायेंगे।

क्या भाजपा की अगुवाई वाली नरेंद्र मोदी सरकार अयोध्या में राममंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए संसद में विधेयक पेश करेगी? इस सवाल पर पात्रा ने कहा, मैं बतौर भाजपा प्रवक्ता कोई टिप्पणी नहीं कर सकता कि इस विषय (राम मंदिर निर्माण) में संसद में कोई विधेयक आयेगा या नहीं। संसद में विधेयक पेश करना सांसदों के अधिकारक्षेत्र का मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन जैसी पार्टियां अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के खिलाफ हैं। पात्रा ने यह आरोप भी लगाया कि राममंदिर मामले में आगे बढ़ रही अदालती प्रक्रिया में भाजपा के विपक्षी दल बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पात्रा ने मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कि वह सूबे के विधानसभा चुनावों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महिलाओं के बारे में लगातार विवादास्पद बयानबाजी करते हुए ष्सेल्फ गोलष कर रहे हैं। इस बीच, पात्रा के ट्विटर हैंडल पर 13 नवम्बर को पोस्ट कमलनाथ के एक वीडियो को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। भाजपा प्रवक्ता का आरोप है कि इस वीडियो में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एक संप्रदाय के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता संतोष सिंह गौतम ने कहा कि पात्रा ने कमलनाथ के अप्रामाणिक वीडियो के बारे में टिप्पणी करते हुए ट्विटर पर लिखा है कि अभी टेम्परेरी जनेऊ पहन रखा है ...निपट लेंगे इनसे बाद में।

देश में आतंकवाद, नक्सलवाद एवं अराजकतावाद की जड़ है कांग्रेस: योगी

धार (मध्यप्रदेश)। देश में चल रहे सभी विवादों के लिए कांग्रेस

को जिम्मेदार ठहराते हुए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश के अंदर आतंकवाद, नक्सलवाद एवं अराजकतावाद जैसी जो भी समस्याएं है, उनकी जड़ कांग्रेस है। धार जिले की बदनावर विधानसभा सीट के वर्तमान भाजपा विधायक भंवर सिंह शेखावत के लिए चुनाव प्रचार करने आये योगी आदित्यनाथ ने बदनावर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''देश के अंदर जितने भी विवाद हैं उनकी जड़ कांग्रेस है। जितना भी देश के अंदर आतंकवाद है, नक्सलवाद है, अराजकता है इसकी जड़ कांग्रेस है।'' उन्होंने कहा, ''वर्ष 2003 (के विधानसभा चुनाव) में अगर मध्य प्रदेश की इस महान जनता ने कांग्रेस को उखाड़ने का निश्चय नहीं किया होता तो आज नक्सलवाद प्रदेश के इन सब क्षेत्रों में धावा बोल कर जनजीवन को बुरी तरह से तहस–नहस कर रहा होता।'' योगी ने कहा कि मैं यहां की जनता का अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने वर्ष 2003 में निर्णय लिया और विकास और सुशासन के लिए भाजपा को चुना। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस देश को जाति के आधार पर, क्षेत्र के आधार पर और भाषा के आधार पर तथा मजहब के आधार पर विभाजित करने का कार्य किया। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने विकास नहीं, बल्कि विकास की आड़ में आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज विकास देश के सभी भागों में होने लग गया है। पूर्वोत्तर राज्यों की बात करते हुए योगी ने कहा कि मोदी जी के विकास के मॉडल के चलते ही आज असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा में भाजपा की सरकारें हैं, जबकि मेघालय और नागालैंड में भाजपा समर्थित सरकार है और जब 11 दिसंबर को वर्तमान में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आएंगे तो पूर्वोत्तर के सातवें राज्यों मिजोरम में भी भाजपा की सरकार नजर आएगी। उन्होंने कहा कि जिन पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा के लिए कहा जाता था कि वहां कमल नहीं खिल सकता है, वहां अलगाववाद को समाप्त करके आज भाजपा का कमल न केवल खिल रहा है, बल्कि वहां के लोगों के चेहरे पर खुशहाली लाने का काम भी भाजपा की सरकार ने किया है।

भाजपा अ यक्ष शाह ने मैहर में प्रसिद्ध शारदा माता मंदिर में की पूजा अर्चना

सतना (मप्र)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने आज सुबह यहां जिला मुख्यालय से लगभग 36 किलोमीटर दूर प्रसिद्ध शक्तिपीठ मैहर में शारदा माता मंदिर में पूजा अर्चना की। शाह मध्यप्रदेश में 28 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के सिलसिले में दौरे पर हैं। शाह के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राकेश सिंह, सतना लोकसभा क्षेत्र के सांसद गणेश सिंह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। भाजपा अध्यक्ष ने कल रात को मैहर में रोड शो किया और उसके बाद वह रात्रि में इस पवित्र नगरी में ही ठहरे थे। आज सुबह चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत से पहले शाह ने मैहर में त्रिकुटा पर्वत स्थित शारदा माता मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वह नरसिंहपुर जिले में जनसभा को सम्बोधित करने के लिये रवाना हो गये। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर शाह पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में लगातार चुनावी सभाएं कर रहे हैं।

सीबीआई : प्रमुख के खिलाफ सीवीसी की जांच रिपोर्ट में कुछ 'बहुत प्रतिकूल' निष्कर्ष भी हैं

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि सीबीआई के निदेशक आलोक कुमार वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाले केन्द्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट में कुछ 'बहुत प्रतिकूल' नतीजे भी हैं और वह इन कुछ आरोपों की जांच के लिये अधिक समय चाहता है। साथ ही आयोग की रिपोर्ट में कुछ बहुत सराहनीय नतीजे भी हैं। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निष्कर्षों को कुल मिलाकर मिलाजुला बताते हुये न्यायालय ने इसे विस्तृत गोपनीय रिपोर्ट बताया और कहा कि इसकी एक प्रति संलग्नकों के साथ सीलबंद लिफाफे में आलोक वर्मा को दी जाये। न्यायालय ने कहा कि इस पर जवाब दाखिल करने के लिये इसे वही खोलेंगे और 19 नवंबर को अपराह्न एक बजे तक फिर से सीलबंद कर देंगे। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति के एम जोसफ की पीठ ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग की विस्तृत प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के नतीजों में कुछ 'अनुकूल', कुछ 'बहुत

अनुकूल नहीं' और कुछ 'बहुत ही प्रतिकूल' हैं। पीठ ने कहा, ''सीवीसी ने विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट को वर्गीकृत किया गया है और कुछ आरोपों के बारे में यह काफी अनुकूल है, कुछ आरोपों के बारे में उतनी अनुकूल नहीं है और कुछ आरोपों के बारे में बहुत ही प्रतिकूल है। सतर्कता आयोग की रिपोर्ट कहती है कि कुछ आरोपों की जांच की आवश्यकता है और इसके लिये उन्हें वक्त चाहिए।'' इसके साथ ही न्यायालय ने इस मामले को 20 नवंबर के लिये सूचीबद्ध कर दिया। शीर्ष अदालत आलोक वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से उन्हें उनके अधिकारों से वंचित करके अवकाश पर भेजने के सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली सीबीआई प्रमुख की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

आलोक वर्मा पर जांच ब्यूरो के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने आरोप लगाये थे ,जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सरकार ने वर्मा के साथ अस्थाना को भी सभी अधिकारों से वंचित करते हुये अवकाश पर भेज दिया था। शीर्ष अदालत के आदेश पर उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ए के पटनायक की निगरानी में केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच की और अपनी रिपोर्ट 12 नवंबर को न्यायालय को सौंप दी। इस मामले में सुनवाई के दौरान पीठ ने स्पष्ट किया कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो संस्था की शुचिता बनाये रखने और इसे बचाये रखने तथा इसके प्रति जनता के भरोसे की रक्षा के लिये केन्द्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट की गोपनीयता जरूरी है। पीठ ने केन्द्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट संलग्नकों के साथ सीलबंद लिफाफे में अटार्नी जनरल के के वेणुगोपाल और सीवीसी की ओर से पेश सालिसीटर जनरल तुषार मेहता के कार्यालय को भी सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि केन्द्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट पर सिर्फ आलोक वर्मा को ही जवाब दाखिल करना होगा। पीठ ने कहा, ''इस समय, हम केन्द्र सरकार या किसी अन्य पक्ष को केन्द्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने के लिये कहने के इच्छुक नहीं हैं और सिर्फ याचिकाकर्ता आलोक कुमार वर्मा को ही न्यायालय जवाब दाखिल करने की अनुमति दे रहा है। हालांकि, पीठ ने सीवीसी की रिपोर्ट राकेश अस्थाना को भी सौंपने के उनके वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी के अनुरोध को ठुकरा दिया। रोहतगी ने कहा कि वर्मा के खिलाफ शिकायत करने के कारण अस्थाना आपराधिक मामले का सामना कर रहे हैं और उन्हें भी रिपोर्ट मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अस्थाना ने ही सीबीआई निदेशक के खिलाफ कैबिनेट सचिव से शिकायत की थी जिसे बाद में केन्द्रीय सतर्कता आयोग के पास भेजा गया था। रोहतगी ने कहा, ''यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला नहीं है। यह रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में क्यों रखी जानी चाहिए?'' । इस पर पीठ ने शुरू में कैबिनेट सचिव के पास सीबीआई निदेशक की शिकायत करने की मंशा पर सवाल उठाया और पूछा, ''कानून के किस अधिकार के तहत आपने कैबिनेट सचिव के पास शिकायत की थी?'' । रोहतगी ने जब कहा, ''यह (शिकायत) मैं दायर कर सकता हूं तो पीठ ने टिप्पणी की, ''कोई भी शिकायत कर सकता है।''आलोक वर्मा के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता फली नरीमन ने कहा कि सीवीसी की रिपोर्ट पर वह 19 नवंबर को अपना जवाब दाखिल कर देंगे। उन्होंने कहा, ''जितनी जल्दी इसे सुलझा लिया जाये, बेहतर है।''इस पर पीठ ने कहा, ''जैसे ही हमारे पास आपका (वर्मा) जवाब होगा, हम इस पर निर्णय लेंगे।''

गैर सरकारी संगठन कॉमन काज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने पीठ से कहा कि उन्होंने पहले दावा किया था कि कार्यवाहक निदेशक एम नागेश्वर राव ने शीर्ष अदालत के आदेश के बावजूद नीतिगत निर्णय लिये हैं और फैसलों की सूची भी दाखिल नहीं की है। इस संगठन ने जांच ब्यूरो के अधिकारियों के खिलाफ विशेष जांच दल से जांच कराने के लिये अलग से याचिका दायर की है।

पीठ ने कहा, ''हम यह मानकर चलते हैं कि उन्होंने (राव) ने कोई बड़ा नीतिगत फैसला नहीं लिया है क्योंकि आपने उनके द्वारा लिये गये निर्णयों की सूची पेश नहीं की है।'' पीठ ने कहा कि राव पहले ही 23 से 26 अक्टूबर के दौरान उनके द्वारा लिये गये फैसलों की सूची दाखिल कर चुके हैं। दवे ने कहा कि वह राव द्वारा लिये गये फैसलों की सूची दाखिल करेंगे। इस पर पीठ ने कहा कि राव द्वारा दी गयी सूची के स्थान पर सूची दायर करने का काम कोई भी कर सकता है । पीठ ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और जांच ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक ए के बस्सी के आवेदनों पर भी विचार किया। बस्सी का तबादला पोर्ट ब्लेयर कर दिया गया है।

संयुक्ता भाटिया ने रानी लक्ष्मीबाई को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

लखनऊ । रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिन के अवसर पर राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में सोमवार को महापौर संयुक्ता भाटिया ने अस्पताल में लगी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों से अस्पताल में आने वाले मरीजों से मधुर संवाद कर अपनी सेवाएं देने को कहा। महापौर ने अस्पताल का जायजा लेते हुए हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अस्पताल के सीएमएस डॉ आरके चौधरी, प्रबंधक अनुपमा यादव, कर्मचारी संगठन के महामंत्री रमाकांत पांडेय ने महापौर को ज्ञापन देकर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा चिकित्सालय के पार्क मे स्थापित कराने की मांग की।

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला युवक का शव

लखनऊ । मोहनलालगंज के अतरौली रेलवे क्रासिंग के पास सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव को देखकर पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ कर शिनाख्त की कोशिश की लेकिन पहचान नहीं हो सकी। इंस्पेक्टर जीडी शुक्ला ने बताया कि मृतक की उम्र करीब तीस वर्ष है। उसके पास से टूटा हुआ एक मोबाइल मिला है। साथ ही एक कागज पर मोबाइल नम्बर व बैंक खाते की संख्या लिखी है। जिसके आधार पर पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक जिस तरह से शव क्षत–विक्षत है, उससे आशंका है कि ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हुई है।

201 क्वार्टर अवैध देशी शराब सहित व्यक्ति गिरफतार

भरथना/इटावा । थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शराब बेचने जा रहे एक व्यक्ति को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी के पास से थाना पुलिस टीम ने आमिश्रित शराब के 201 क्वार्टर बरामद किए। थाना प्रभारी निरीक्षक भोलू सिंह भाटी अपने हमराहियों के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर ने सूचना दी कि बेटियापुरी चौराहे बम्बा के पास एक व्यक्ति मिलावटी शराब के साथ खड़ा है। जानकारी पर थाना प्रभारी निरीक्षक मयफोर्स के मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस टीम ने बेटियापुर बम्बा पर पहुंचकर जब देखा तो वहां एक व्यक्ति हाथ में प्लास्टिक की बोरी लिये हुए खड़ा था। पुलिस टीम जब उसके पास पहुंची तो वह भागने लगा। बल प्रयोग कर पुलिस टीम द्वारा व्यक्ति को दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनुरूद्ध पुत्र श्री कृष्ण निवासी ग्राम टडा थाना भरथना बताया। पुलिस टीम ने तलाशी आरोपी के कब्जे से दो बोरियों में 201 देशी शराब के मिलावटी क्वार्टर बरामद किए गए। थाना पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा।

आईटीएस में एफ 1 रेसिंग प्रोमोशनल इवेंट का आयोजन

ग्रेटर नोएडा । आई.टी.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में 17 नवम्बर 2018 को बौद्ध इंटरनेशनल सर्किट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित ग्रैंड फिनेल के लिए 21 वें जे.के टायर एफ.एम.एस.सी.आई. नेशनल रेसिंग चैम्पियनशिप 2018 का एक प्रचार कार्यक्रम आई.टी. एस. इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया गया। इस इवेंट में पहेलियों को हल करना बिंगो गेम, पुश अप करना और ऐसी अन्य आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्रों ने बहुत उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में जे.के. कम्पनी की ओर से विजेताओं को मुफ्त प्रवेश पास वितरित किये गए।

आईईसी कॉलेज में कौशल विकास प्रशिक्षण

ग्रेटर नोएडा । नॉलेज पार्क स्थित आई०ई०सी० कॉलेज में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्रह्मकुमारी संस्था से जुड़े गिरीश जी, निदेशक प्रो० भानु सागर, प्रोफेसर सुनील कुमार ने फीता काटकर सत्र की शुरुआत की, गिरीश जी ने सकारात्मक विचारों को अपनाकर अपना कार्य करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया, डॉ भानु सागर ने बताया कि संस्थान को 17 विभिन्न स्किल के प्रशिक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा अनुमोदन मिल चुका है, सभी प्रशिक्षण निशुल्क दिए जाएंगे व विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गरीब एवं अप्रशिक्षित लोग अपना विकास इन कोर्स के माध्यम से कर सकते, कार्यक्रम में भारी संख्या में शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

मांग पूरी न होनें पर महिला को घर से निकाला

बकेवर/इटावा । थाना क्षेत्र के ग्राम शेरपुर कोठी निवासी सनी पत्नी राजेश कुमार ने बताया कि उसके पिता नारायण निवासी नगला पूठ इकदिल ने ग्राम शेरपुर कोठी निवासी राजेश कुमार थाना बकेबर से की थी। शादी में उसके पिता ने अपनी समार्थ्य अनुसर दहेज भी दिया था। लेकिन शादी में मिले दहेज से ससुराल वाले खुश नहीं थे और वह अतिरिक्त मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। पीडिता सनी द्वारा विरोध पर एक 1 लाख रुपये व एक भैंस की अतिरिक्त मांग पूरी न होनें पर पति व ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। अतः थाना पुलिस ने पीडिता सनी की तहरीर पर पति सहित 05 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

सरस काव्य–गोष्ठी सम्मान समारोह का आयोजन

लखनऊ । नारायणी साहित्य अकादमी (उत्तर प्रदेश इकाई) लखनऊ के तत्वावधान में सरस काव्य –गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन अलीगंज स्थित हाईडल कॉलोनी के सभागार में संपन्न हुआ, कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यभूषण डॉ. रंगनाथ मिश्र सत्य ने की,मुख्य अतिथि दिल्ली से पधारी वरिष्ठ साहित्यकार पुष्पा सिंह विसेन व विशिष्ट अतिथि सुंदरम साहित्य संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष व वरिष्ठ साहित्यकार नरेंद्र भूषण रहे. नरेंद्र भूषण की वाणी वंदना से प्रारम्भ हुए इस सारस्वत कार्यक्रम में डॉ. रंगनाथ मिश्र सत्य,डॉ. योगेश,राजेश बाजपेयी,राजा सिंह, राजेंद्र कात्यायन, देवेश द्विवेदी देवेश,मनु वाजपेई बौछार,अनूप श्रीवास्तव ,प्रतिषेध श्रीवास्तव,निशा सिंह,मंजू सक्सेना,विजय मौर्य,पुष्पा सिंह विसेन के अतिरिक्त अनेक वरिष्ठ व युवा रचनाकारों ने काव्यपाठ किया,साहित्यकारों को माल्यार्पण के साथ प्रमाण पत्र प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र शाल आदि भेंट कर सम्मानित किया गया, अतिथि साहित्यकारों का स्वागत व आभार संस्था अध्यक्ष अमिता सिंह ने किया. कार्यक्रम का कुशल संचालन व्यंग्यकार देवेश द्विवेदी देवेश ने किया।

अगर ढांचा न गिराते तो मन्दिर की बात भी नहीं होती : संजय राउत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की सियासत का केन्द्र बने राम मन्दिर मामले में शिवसेना का मानना है कि अयोध्या में 6 दिसम्बर को जो ढांचा गिराया गया था, उसमे सबसे बड़ी भूमि शिवसैनिकों की थी। अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ता या शिवसैनिक उस ढाँचे को ना गिराते तो आज मंदिर बनाने की बात तक ना हो रही होती। उपरोक्त बातें शिवसेना के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय राउत ने आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। संजय राउत ने 24 नवम्बर को उनकी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे की अयोध्या यात्रा के बारे में बताने के लिये पत्रकारों को बुलाया था। राउत ने कहा कि वीर सावरकर और बाला साहब ठाकरे हिंदुत्व के प्रखर प्रणेता थे। जब बाबरी का ढांचा गिरा तो उसमे बाल ठाकरे भी एक्यूज्ड थे। शिवसेना चाहती है कि अयोध्या में जल्द से जल्द राम मन्दिर का निर्माण हो। आज सरकार के पास केन्द्र और उत्तर प्रदेश में दोनों जगह बहुमत है। सरकार को अध्यादेश बनाकर मंदिर निर्माण करना चाहिए। राउत ने कहा कि शिवसेना की विश्व हिन्दू परिषद, आरएसएस अथवा किसी राजनीतिक पार्टी के साथ कोई प्रतियोगिता नहीं है। शिवसेना का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी सब मन्दिर बनाना चाहते हैं। हम उन्ही का साथ देने के लिए आये हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की प्रस्तावित यात्रा का विवरण देते हुए सांसद राउत ने जनपद को अयोध्या बोलने के बजाय विशेष रूप से फ़ैजाबादश शब्द का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे 24 तारीख को फ़ैजाबाद में लैण्ड करेंगे। दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से शुरू होकर उनके कई कार्यक्रम हैं। महंत नृत्य गोपालदास भी उनके साथ इन कार्यक्रमों में रहेंगे। दिन के कार्यक्रमों के बाद शाम 5 .30 बजे उद्धव सरयू आरती में शामिल होंगे दूसरे दिन 25 तारीख को शिवसेना प्रमुख कार्यकर्ताओं सहित प्रातः 9 बजे रामलला के दर्शन करेंगे। इसके बाद उनकी प्रेसवार्ता का कार्यक्रम है। प्रेसवार्ता के बाद उद्धव ठाकरे फैजाबाद की गुलाब वाडी में श्जनसंवादश करेंगे। इस श्जनसंवादश कार्यक्रम के लिए महाराष्ट्र सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में रामभक्त और मंदिर निर्माण चाहने वाले कार्यकर्ता वहां पहुंचेंगे। राउत ने कहा कि राम मन्दिर का निर्माण कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। यह आस्था एवं धर्म का कार्य है, इसमे न्यायालय कुछ नहीं कर सकता। न्यायालय एक पक्ष का निर्णय देगा जो हमें मन्जूर नहीं है। हमने सरकार से अपील की है कि आप अध्यादेश लाइये और 2019 से पहले मन्दिर निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दीजिये।

उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे की मंशा है कि राम मन्दिर देश में किसी चुनाव का मुद्दा नहीं बनना चाहिये। यदि बहुमत मिलने के बाद भी राम मन्दिर नहीं बनता है तो कहीं न कहीं अब इस विषय को विराम देने की आवश्यकता जान पड़ती है। जिसके लिए जल्द से जल्द मन्दिर का निर्माण शुरू होना चाहिए। उन्होंने एक सवाल के उत्तर में कहा कि हम वहां जाकर कोई दहशत फैलाने का काम नहीं करने जा रहे, हम आस्था के साथ मंदिर निर्माण के प्रयासों में लगे हैं। इसी के तहत उपरोक्त कार्यक्रम रखा गया है। प्रेसवार्ता में शिवसेना के सचिव मिलिंद नार्वेकर, यूपी राज्य प्रमुख अनिल सिंह और अमर नाथ मिश्रा आदि भी सांसद संजय राउत के साथ मौजूद रहे।

अटल विरासत की थीम पर लखनऊ महोत्सव का पोस्टर जारी

लखनऊ । लखनऊ महोत्सव इस बार 'अटर संस्कृति–अटल विरासत थीम पर होगा। सोमवार को डीएम ने लखनऊ महोत्सव का पोस्टर जारी किया। मंगलवार से टिकट और पास छपना शुरू हो जाएंगे। स्मृति उपवन में 25 नवम्बर की शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। इस बार भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, पंजाबी, बॉलीवुड नाइट का आयोजन किया जा रहा है। डीएम कौशल राज शर्मा ने बताया कि भारतीय संगीत को विदेशों में पहचान देने वाले विदेशी कलाकारों को महोत्सव में पहली बार आमंत्रित किया गया है। 'इंडो फॉरेन नाइट' में इन कलाकारों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इसके अलावा महोत्सव के दौरान अन्य आकर्षणों में पतंग प्रतियोगिता, नौका रैली, विंटेज कार रैली, राइफल शूटिंग, युवा महोत्सव, नाट्य समारोह, शिल्प मेला, कुश्ती, का आयोजन किया जा रहा है।

हत्या का लगाया आरोप मामला दर्ज

ऊसराहार/इटावा । थाना क्षेत्र के पुरैला के रहने वाले अरुण कुमार की पत्नी ने पति अरुण कुमार की मृत्यु हो जाने पर गांव के धर्मवीर यादव पुत्र बहा यादव व 03 अज्ञात लोगों पर पति की हत्या करने आरोप लगाया। इस सम्बन्ध में मृतक अरुण कुमार की पत्नी आरती देवी ने थाना क्षेत्र में मामला दर्ज कराया। मृतक अरुण कुमार की पत्नी आरती देवी ने बताया कि उनके पति खेतों पर भूसा लेने के लिए गए थे उसी समय धान की कटाई करवाने के लिए धर्मवीर यादव ने धान काटने वाली मशीन भिजवाने की बात कहते हुए उसके पति को अपने पास बुला लिया जहां धर्मवीर ने अपने साथियों के साथ मिलकर पति की बुरी तरह मारपीट की और जमीन पर लिटा कर उसके पति अरुण कुमार को जबरन जहरीले पदार्थ की गोलियां खिला दी। जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई जब उन्हें इलाज के लिए सैफई ले गए तो वहां उनकी मौत हो गई। पत्नी ने धर्मवीर यादव निवासी ग्राम बिजनौरा थाना ऊसराहार समेत तीन अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कराने के लिए तहरीर दी।

अपने पूरे शबाब पर चढ़ा उत्तराखण्ड महोत्सव

लखनऊ । उत्तराखण्ड महोत्सव के चौथे दिन की शाम अनेक संस्कृतियों के नाम रही, महाराष्ट्र से आये मेहमान कलाकारों का पौराणिक विधाओं पर सांस्कृतिक कार्यक्रम–लोक नृत्य 'कोली' गुजरात का प्रसिद्ध गरबा, उत्तराखण्ड गढ़वाल का फयूजन डांडिया, ग्रुप डांस, नृत्य नाटिका में नमामी गंगे एवं श्याम राधा तथा पंजाब का भागड़ा नृत्य दर्शकों का मंत्र मुग्ध कर तालिया बटोरी प0 गोविन्द बल्लभ पन्त सांस्कृतिक उपवन (गोमती तट) 16– 25 नवम्बर, 2018 तक 10 दिवसीय उत्तराखण्ड महोत्सव के मेला स्थल पर के0के0 अस्पताल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण के साथ सुगर, बी0पी0 आदि की जॉच भी करायी। पहाड़ की ज्वैलरी कुमाऊ ज्वैलरस के स्टाल पर, पिछौड़ा, ऐपण, नथ, पौंजी, गलोबन्द, दाले–गहत, भट्ट, मुन्स्यारी की राजमा, सजावटी सामान, मुरादाबाद के पीतल के विश्व प्रसिद्ध वर्तन, बनारसी साड़ी, सलवार सूट, ऊनी कपड़े, जैकेट, कारपेट,गद्दे आदि की खुब खरीददारी के साथ अलमोड़े बाल मिठाई का स्वाद दर्शकों ने लिया तथा एक स्टाल पर बिक रही तन्दूरी चाय दर्शकों को खुब भा रही है। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुरेश पंचोरी, उ0प्र0 सरकार, विशिष्ठ अतिथि मंत्री सुरेश राना एवं अध्यक्ष मोहन सिंह विष्ट, महामंत्री हरीश चन्द्र पन्त ने दीप प्रज्वलित कर चतुर्थ दिवस के रंगारंग कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया। पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का परम्परागत तरीके से माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य उद्घोषक महेन्द्र सिंह रावत ने किया। सामुहिक नृत्य प्रतियोगिता में कोमल रावत ने प्रथम, संन्ध्या रावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पंतजलि योग पीठ हरिद्वार के योग गुरु आर0डी0रावत एवं नमिता लोहनी द्वारा महोत्सव स्थल पर दर्शकों के अलावा महिलाओं व युवाओं को निरोगी होने की अदभुद कला–कपाल भॉति, अलोम विलोम, भ्रामरी, सूर्य नमस्कार, जौगिंग आदि के आसन सिखाकर यह संदेश दिया कि दवाओं का कम से कम सेवन, उनके साइड इफेक्ट है जो योग से निरोगी काया स्वतः अभ्यास करके प्राप्त की जा सकती है। वेदेही फाउण्डेशन की हरितिमा पन्त के निर्देशन में वंदना– या देवी सर्व भुतेशु..........कलाकार–प्रियंका, किर्ती, रिदिमा, अप्रिता, झलक, हर्षिते एकल गीत–अवधी अदालत में दावा करूंगी–कलाकार–प्रीती लाल–एकल नृत्य वन्दे मातरम गीत में कलाकार–गिन्नी सहगल, गायिका–हरितिमा पन्त ने मशहूर कुमाऊनी गीत– हाय ककड़ी झील मा, लुड़पिसो सील मा तथा हियुन को दिना फिर लोटी ऐंगे ना गाकर अपने मुलुक की याद ताजा कर दी। तक्षशिला, ग्रुप की सुनन्दा असवाल के निर्देशन में उत्तराखण्ड गढ़वाल का फयूजन डांडिया–चैता की चैतवाला.....चैता की चैत्वाला हा हा, शिव जी का बागवान सची फूल फुल्या छन (चैत्रमास में फूलों से सजी उत्तराखण्ड की पावन धरती की गाथा पर आधारित है) इसके कलाकार लक्ष्मी पयाल, शिवि बुटोला, शैलजा रानी, रचना मित्तल, संगीता, गरिमा, दुर्गापाल ने मनमोहक प्रस्तुति दी। महाराष्ट्र के दलनायक स्वप्निल दोत्रे के निर्देशन में कलाकारों द्वारा महाराष्ट्र का प्रसिद्ध नृत्य "कोली नृत्य" हल्दी छेड़–छाड़ डांस– ही पोरो साजुक तुपातली हीला मावर्याचा एवं आई तुझ देवुल (इस नृत्य में शादी में आनन्द मनाने एवं कुल देवी की आराधना पर प्रस्तुत करते है।) लावणी–कालजात मुकाम अपसरा आली(श्रंगार नृत्य)नाई का ने नायक को अपने रूढ़ में जागा दी कलाकार–आयुशी पाटिल, रिजुजा तेजे, वरदा थत्ते, गौरी दौड़कर, प्रदन्या घाड़ी, आदीती मोरे, शामला शिवुडकर, पूजा मोरे, अदिति कदम, वन्दना कुलकर्णी, श्रुति पाटिल, कलपिता समेल, नयना घोत्रे ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शको का मन मोहा।

खेत में पानी लगाने गए किसान बेहोशी की हालत में पड़ा मिला

आगरा । थाना मलपुरा क्षेत्र के नगला भालरा में एक किसान सोमवार दोपहर को अपने खेत पर गया था। खेत पर क्या हुआ, किसी को कुछ नहीं पता चला। जब किसान का पुत्र वहां पहुंचा, तो उसके होश उड़ गए। ग्रामीण भी मौके पर आ गए। किसान का शव देख ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। परिजन उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारी भी किसान की मौत को लेकर हैरान हैं। थाना मलपुरा के कस्बा मिढाकुर के मजरा नगला भालरा निवासी कायम सिंह 45 वर्ष पुत्र भगवान सिंह किसान है। उसके खेत पर समरसेबिल लगी हुई है। सोमवार दोपहर एक बजे कायम सिंह समरसेबिल चालू करने के लिए गया था। थोडी देर बाद उसका पुत्र योगेश खेत पर गया। लेकिन खेत पर कायम सिंह बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। उसके मुंह से झाग निकल रहा था, इसे देख योगेश दौड़ कर घर वापस गया। उसने इसकी जानकारी अपने चाचा विजेन्द्र को दी। इस पर ग्रामीणों के साथ परिवार के लोग खेत पर आ गए। विजेन्द्र ने कायम सिंह का हाथ पकड़ कर देखा तो, उसमें नब्ज बोल रही थी। इस पर परिजन तत्काल किसान को इलाज के लिए आगरा ले जा रहे थे। लेकिन कायम सिंह ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। किसान की मौत को लेकर पुलिस भी हैरान है। एसओ मलपुरा का कहना है कि किसान की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो सकेगा, फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विधायक ने कहा हवा में है सबका साथ सबका विश्वास का नारा, पार्टी में मचा हड़कंप

वाराणसी । बीजेपी विधायक ने फेसबुक पर टिप्पणी से बीजेपी में घमासान मचा हुआ है। बीजेपी विधायक ने पीएम नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विश्वास नारे को हवा बता दिया है। बीजेपी विधायक ने कहा कि यह नारा बेबुनियाद है। बीजेपी विधायक के बयान से पार्टी सकते में आ गयी है पार्टी का समझ नहीं आ रहा है कि अब क्या किया जाये। औराई से बीजेपी विधायक दीनानाथ भाष्कर ने अपने फेसबुक पर यह टिप्पणी की थी। बसपा के संस्थापक सदस्य रहे दीनानाथ भाष्कर से यूपी चुनाव से पहले भगवा दल का दामन थाम लिया था और लंबे समय से राजनीति में साइड लाइन रहने के बाद औराई से बीजेपी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता है। पीएम नरेन्द्र मोदी का नारा सबका साथ सबका विश्वास बीजेपी के लिए बहुत मायने रखता है। लोकसभा चुनाव 2014 से लेकर आने वाले चुनाव 2019 तक बीजेपी इस नारे को लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है ऐसे में पीएम नरेन्द्र मोदी के नारे को हवा बता कर बीजेपी विधायक दीनानाथ भाष्कर ने पार्टी के अंदर ही घमासान मचा दिया है। बीजेपी इस बयान से काफी नाराज है और बाइक रैली के दौरान दीनानाथ भाष्कर को मंच पर जगह नहीं दी गयी थी जिससे वह काफी आहत हो गये थे। दीनानाथ भाष्कर को कभी बसपा सुप्रीमो मायावती का खास माना जाता था। बसपा की सरकार में दीनानाथ भाष्कर को मंत्री पद भी मिला था। पूर्वांचल में दीनानाथ भाष्कर को दलितों को बड़ा नेता माना जाता था लेकिन बाद में बसपा में ही दीनानाथ भाष्कर साइडलाइन हो गये थे इसके चलते बीजेपी का दामन थामा और चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। पहले भी दीनानाथ भाष्कर सुर्खियों में रहने वाला बयान दे चुके हैं लेकिन इस बार उन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी के नारे पर ही टिप्पणी कर दी।

रियायती दर पर शारदा हॉस्पिटल ग्रेनो में हुआ हार्ट सर्जरी

ग्रेटर नोएडा । शारदा अस्पताल ग्रेटर नोएडा ने स्वास्थ्य सेवाओं में हृदय रोगियों लिए एक कदम और आगे बढ़ाया है ,अभी तक क्षेत्र वासियों को जिन सुविधाओं के लिए दिल्ली और नोएडा जाना पड़ता था उन सभी अत्याधुनिक सेवाएं अब ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में बहुत ही रियायती दरों में उपलब्ध है,45 वर्ष के मनोज तोमर 15 नवम्बर को सांस की तकलीफ के साथ शारदा अस्पताल ग्रेटर नोएडा में पहुंचे इस से पहले वो कई अन्य अस्पतालों में इनकी जांच पड़ताल हो चुकी थी जिसमे उन्हें ये बताया गया था कि उनका हृदय 19–20 प्रतिशत ही काम कर रहा है और उनको जान का खतरा है, ऐसे मरीजों में अब एक नया तीन तारों वाला पेसमेकर लगाया जा सकता है .

यह आपरेशन अभी तक दिल्ली या नोएडा में ही होता था और इसका खर्च आमतौर पर निजी अस्पतालों में 12 से 15 लाख के बीच पड़ता है जबकि उनका यही आपरेशन ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में पहली बार हृदय रोग विभाग द्वारा डॉ शुभेंदु मोहंती के नेतृत्व में किया गया जिसका खर्च साढ़े सात लाख से भी कम में हुआ. आपरेशन के बाद दो दिन में मरीज की छुट्टी भी कर दी गयी है. यह एक बहुत ही अत्याधुनिक मशीन है. शारदा अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहंती ने एक और महत्वपूर्ण बात बताई की यह मशीन सभी कमजोर हृदय रोगियों को नहीं लगायी जा सकती ,किस मरीज को इस मशीन का फायदा हो सकता है उसका चयन ठीक से करना एक अहम डॉक्टरी फैसला है.

होटल में खाया प्रेमी युगल ने जहर

आगरा । प्यार में दोनों युगल ऐसे पागल थे कि जब तक एक दूसरे का चेहरा नहीं देखते थे, उन्हें चैन नहीं मिलता था। लेकिन, समाज की बंदिशों ने उनपर सख्त पहरा लगा दिया। इसके चलते एक बार घर से भाग भी गए। जब पुलिस ने पकड़ा तो लड़के को जेल की हवा खानी पड़ी लेकिन, दोनों का प्यार कम नहीं हुआ। जेल से छूटने के बाद दोनों युगल ने ऐसा कदम उठाया कि युवक की जिन्दगी खत्म हो गई। होटल के कमरे में खाने में उन्होंने विषाक्त का सेवन कर लिया। जिसमें युवक की मौत हो गई। जब इस बात की जानकारी होटलकर्मियों को लगी तो उनके होश फाख्ता हो गए।

होटलकर्मियों ने दोनों को जगदीशपुरा के एक मोहल्ले में छोड़ दिया, युवक को तलाश कर रहे परिजन जब वहां पहुंचे तो उसकी हालत नाजुक थी। युवक को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं किशोरी को बचा लिया गया है। थाना सिकंदरा थाना क्षेत्र में पश्चिमपुरी स्थित एक होटल में प्रेमी युगल ने जहर खा लिया। बताया गया है कि किशोरपुरा का रहने वाला युवक पड़ोस में रहने वाली किशोरी से प्यार करता था। एक बार प्यार में वे दोनों घर से भी भाग गए थे। पुलिस को इसकी शिकायत की गई तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी को बरामद कर युवक को जेल भेज दिया था। युवक के पिता का कहना है कि जेल में निरुद्ध उनके बेटे से किशोरी और उसकी मां मिलने जाती थी। उसकी मां ने आश्वासन दिया था कि वे उसकी शादी करा देंगी। जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद वे दोनों एक दूसरे के फिर से नजदीक आ गए। प्रेमी युगल कल रात घर से निकल आए थे और एक होटल में रुके थे। किशोरी के मुताबिक उन्होंने होटल में कुछ खा लिया। इसबात की जानकारी उन्होंने अपने परिजनों को दे दी थी। परिजनों ने ये बात सुनीं तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

71 देशों से पधारे न्यायविदों व कानूनविदों के सम्मान में आयोजित 'साँस्कृतिक संध्या' का उद्घाटन

लखनऊ । सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहे '19वें अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन' के चौथे दिन सारगर्भित परिचर्चा के दौरान 71 देशों से पधारे न्यायविदों व कानूनविदों ने कहा कि भावी पीढ़ी को 'स्वच्छ वातावरण, शान्तिपूर्ण विश्व व्यवस्था एवं सुरक्षित भविष्य' का अधिकार अवश्य मिलेगा। हम भावी पीढ़ी के हित में सतत् प्रयत्नशील रहेंगे और एक 'नवीन विश्व व्यवस्था' बनाकर ही दम लेंगे। इससे पहले, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विधानसभा सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी, उ.प्र. के जनरल–सेक्रेटरी पंकज सिंह ने सम्मेलन के चौथे दिन का उद्घाटन किया जबकि समारोह की अध्यक्षता अफगानिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति सैद यूसुफ हलीम ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज सिंह, विधानसभा सदस्य एवं जनरल–सेक्रेटरी, भारतीय जनता पार्टी, उ.प्र., ने अपने संबोधन में कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य पूरे विश्व के बच्चों की भलाई है। एकता व शान्ति स्थापना के लिए सबसे जरूरी है कि मानव अधिकारों का पूरा सम्मान हो और हमारे संविधान खासकर अनुच्छेद 51 में यह बाकायदा सुनिश्चित किया गया है। अफगानिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सैद यूसुफ हलीम ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि 'अन्तर्राष्ट्रीय कानून व्यवस्था' लागू करना समय की मांग है क्योंकि इसी व्यवस्था के जरिए विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। ऐसे समय में जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में बच्चों की सुरक्षा, उम्मीदों व उनकी जिन्दगियों पर खतरा मंडराता दिखाई दे रहा है, यह सम्मेलन विश्व के बच्चों की उम्मीदों पर खरे उतरने को प्रेरित करता है। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अन्तिम दिन आज विभिन्न देशों से पधारे न्यायविदों, कानूनविदों व अन्य प्रख्यात हस्तियों ने अलग–अलग पैरालल सेशन्स में एक नवीन विश्व व्यवस्था पर गहन चिन्तन, मनन व मंथन किया। सम्मेलन की परिचर्चा अलग–अलग पैरालल सेशन्स में सम्पन्न हुई, जिनमें 'एजुकेशन फॉर प्रमोटिंग वर्ल्ड यूनिटी एण्ड वर्ल्ड पीस', 'इस्टेब्लिसिंग रूल ऑफ लॉ', 'ह्यूमन राइट्स', 'ग्लोबल गवर्नेन्स स्ट्रक्चर', 'टैकलिंग ग्लोबल इश्यूज' एवं 'सस्टेनबल डेवलपमेन्ट' आदि विषयों पर विचार–विमर्श का दौर चला।

'एजुकेशन फॉर प्रमोटिंग वर्ल्ड यूनिटी एण्ड वर्ल्ड पीस' थीम के अन्तर्गत 'रोल ऑफ स्कूल्स एण्ड यूनिवर्सिटीज इन प्रमोटिंग ए कल्चर ऑफ यूनिटी एण्ड पीस', 'कन्टेन्ट ऑफ एजुकेशन फॉर द ट्वेन्टी फस्ट सेन्चुरी दैट शैल डिलीवर यूनिटी एण्ड पीस', 'आर्गनाईजेशनल एण्ड मेथडोलॉजिकल प्रिन्सिपल्स फॉर एजुकेशन सिस्टम फॉर पीस', 'लॉ कोर्ट्स एण्ड रिलीजन' एवं 'लाईफलॉग लर्निंग एण्ड एजुकेशन ऑफ यूथ फॉर पीस' विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।'ग्लोबल गवर्नेन्स स्ट्रक्चर' थीम पर आयोजित पैरालल सेशन में 'यू.एन. रिफार्म', 'नीड फॉर ए न्यू वर्ल्ड आर्डर आन डेमोक्रेटिक लाइन्स', 'स्ट्रक्चर ऑफ ग्लोबल डेमोक्रेसी', 'रोल ऑफ यूथ इन सोशल ट्रान्सफार्मेशन' आदि विषयों पर व्यापक चर्चा–परिचर्चा हुई तो वहीं दूसरी ओर 'टैकलिंग ग्लोब इश्यूज' थीम के अन्तर्गत 'रीजनल एण्ड इण्टरनेशनल टेररिज्म', 'एथनिक एण्ड सिविल वार, जेनोसाइड बाई मिसगाइडेड फोर्सेज', 'न्यूक्लियर प्रोलिफिरेशन एण्ड डिसआर्मामेन्ट', 'कान्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन' एवं 'रिफ्यूजी प्राब्लम' पर चर्चा हुई। इसी प्रकार 'इस्टेब्लिसिंग रूल ऑफ लॉ', 'ह्यूमन राइट्स' एवं 'सस्टेनबल डेवलपमेन्ट' आदि थीम पर भी पैरालल सेशन्स आयोजित हुए। घाना की संसद के अध्यक्ष प्रो. एरोन माइकल ओक्वाए ने कहा कि शिक्षा का अधिकार सभी बच्चों को मिलना ही चाहिए। उन्हें सुरक्षित एवं सुखद वातावरण प्रदान करना हम वयस्क लोगों का कर्तव्य है, वो स्वयं से नहीं पा सकते। हमें अल्प सुविधाप्राप्त बच्चों की तरफ विशेष ध्यान देना होगा।

दिन में कितनी हल्दी लेना है फायदेमंद, ज्यादा खाने के कई नुकसान

भारतीय रसोई में हल्दी मसालों की रानी मानी जाती है क्योंकि यह टेस्ट के साथ डिश को अच्छी लुक देने का काम भी करती है। सिर्फ स्वाद ही नहीं ही सेहत के लिहाज से भी इसे औषधीय गुण भरपूर होते हैं। वहीं लोग हल्दी के कैप्सूल, हल्दी वाला दूध आदि के रूप में भी इसका इस्तेमाल करते हैं हालांकि भले ही एंटीआक्सीडेंट गुणों से भरपूर हल्दी शरीर के लिए फायदेमंद है लेकिन जरूरत से ज्यादा सेवन नुकसान भी पहुंचाता है।

1. मसाला, दूध या हल्दी कैप्सूल, कैसा सेवन है फायदेमंद?

एंटीऑक्सिडेंट हल्दी में कर्क्यूमिन नामक पावरफुल तत्व शामिल होता है जिसका अधिक सेवन शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकता हैं। एक दिन में सिर्फ 500 से 1,000 मिलीग्राम कर्क्यूमिन की मात्रा उचित मानी जाती है।

गांठ वाली ताजी हल्दी में 200 मिलीग्राम कर्क्यूमिन होता है हालांकि यह हल्दी की क्वालिटी पर निर्भर करता है।आप दिन भर में हल्दी बहुत रूप में ग्रहण करते हैं, जिसमें इनकी मात्रा अलग–अलग हो सकती है।

मसाला हो या स्मूदी, आप किसी भी रूप में हल्दी का सेवन कर सकते हैं लेकिन उचित मात्रा में। दिन में 500 मिलीग्राम मात्रा उचित मानी जाती है।

2. अन्य मसाले के साथ लें तो फायदा

कर्क्यूमिन की मात्रा अधिक होने पर हल्दी कई बार ठीक से पच नहीं पाती जिससे पेट संबंधी दिक्कत हो सकती है। इसका बेहतर ऑप्शन है कि आप इसे किसी अन्य मसाले जैसे काली मिर्च का साथ लें तो फायदा मिलेगा। बाजार में इसी लिए ऐसे हल्दी कैप्सूल मौजूद है, जिसमें काली मिर्च भी शामिल होती है।

3. हो जाएं सतर्क

मार्केट में मिलने वाले कैप्सूल ब्रांड भले ही इसके प्योर होने का दावा करते हैं कि लेकिन कई बार इन कैप्सूल में 20 ग्राम शुगर व अन्य कई ऐसे पदार्थ शामिल होते हैं जो सेहत के लिए नुकसानदेह माने जाते हैं इसलिए इसका सेवन करने से पहले पूर्ण जांच जरूर कर लें।

4. हल्दी के नुकसान

हल्दी की जरूरत से ज्यादा सेवन करने से सेहत संबंधी कई तरह के नुकसान भी हो सकते हैं। जानें, क्या है इसके साइड इफैक्ट।

– पेट खराब

हल्दी का जरूरत से ज्यादा और लगातार सेवन करने से पेट खराब रह सकता है। इसका पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है। इसमें डायरिया, गैस और कब्ज की समस्या आम है।

– कम हो सकता है ब्लड शुगर का स्तर

जो लोग जरूरत से ज्यादा हल्दी का सेवन करते हैं उनमें ब्लड शुगर काफी कम हो जाती है। जिससे बहुत ज्यादा नुकसान हो सकता है।

– हो सकती है खून की कमी

जो लोग पहले ही एनीमिया की समस्या से जूझ रहे हैं तो हल्दी के सेवन से दूर रहें। इससे परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है।

– दस्त की परेशानी

हल्दी की ज्यादा खुराक लेने से दस्त भी लग सकते हैं।

5. हल्दी के फायदे

– कैंसर से बचाव

हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन कैंसर से बचाव करने में सहायक है। कैंसर और ट्यूमर कोशिकाओं का विकास कम करने में यह बहुत मददगार है।

– गठिया में लाभकारी

इसके एंटी–इफ्लेमेटरी गुण जोड़ों का दर्द और गठिया के लिए भी बहुत फायदेमंद है। हल्दी शरीर से फ्री रेडिकल्स को खत्म करके सूजन से राहत दिलाने का काम करती है।

– कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल

खाने में हल्दी का सेवन करने से हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल लेवल दिल संबंधित कई तरह को रोगों का कारण बनता है।

– प्रतिरोधक क्षमता मजबूत

रोगों से बचाव करने के लिए शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। हल्दी में लाइपोपॉलीसकराइड नामक एक पदार्थ होता है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता करता है।

सर्दियों में क्यों तेजी से बढ़ता है वजन, इन टिप्स से करें कंट्रोल

गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में

वजन तेजी से बढ़ता है। अक्सर लोगों को लगता है कि सर्दी में वजन बढ़ने का कारण इस मौसम में खाए जाने वाला फूड्स है जो काफी हद तक सही भी है। दरअसल, सर्दियों में लोग ज्यादा खाते हैं और भोजन असानी से पच भी जाता है। इसके अलावा भी वजन बढ़ने के कई कारण भी हो सकते है। अगर आप भी सर्दी में अपने बढ़ते वजन को लेकर चिंता में रहते है तो इसके कारण जरूर जान लें।

कारण

– एक्सरसाइज न करना

ठंड होने के कारण लोग घर से निकलने से कतराते हैं, जिससे एक्सरसाइज नहीं हो पाती।

– ज्यादा सोना

सर्दियों में लोग ज्यादा सोते हैं, जिससे वजन बढ़ता है।

– डाइट

लोग इस मौसम में मसालेदार चीजों का अधिक खाते हैं जिससे शरीर में हाई कैलोरी इकट्ठा होती है।

– मेटाबॉलिज्म का कम होना

सर्दियों में मेटाबॉलिज्म की दर कम हो जाती है, जिससे लोग मोटापे के शिकार होते हैं।

– मीठे का सेवन

सर्दियों में ज्यादा मीठा खाने का मन करता है, जिससे वेट गेन होता है।

– विंटर बेवरेज

इस मौसम में हॉट चॉकलेट, आइसक्रीम जैसी चीजें अधिक खाई जाती है जिससे वजन बढ़ता है।

वजन कंट्रोल करने के टिप्स

– ब्रेकफास्ट में अधिक से अधिक हाई प्रोटीन डाइट लें।

– हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करते रहें।

– पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थो का सेवन करें।

– एल्कोहल, कार्बोहाईड्रेट और हाई शुगर फूड्स से दूर रहें।

– हॉट या विंटर बेवरेज की जगह ग्रीन टी पीएं।

– डाइट में फल और सब्जियों को शामिल करें।

– पर्याप्त नींद लें।

– पार्टी में खान–पान पर कंट्रोल रखें।

– अधिक से अधिक पानी पीएं।

किसान दिवस का आयोजन 22 नवम्बर को विकास भवन में

कानपुर देहात । जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में 22 नवम्बर 2018 को पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक किसान दिवस का किया जायेगा। किसान दिवस में सिंचाई, ऊर्जा एवं कृषि उत्पादन शाखा से जुडे विभाग कृषि, उद्यान, सहकारिता, मत्स्य, पशुपालन, एवं रेशम विभागों के अतिरिक्ति कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, लीड बैंक मैनेजर तथा इंश्योरेन्श कम्पनी के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी केदारनाथ सिंह ने दी है।

केन्द्रों के नियमित पर्वेक्षण,अनुश्रवण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

कानपुर देहात । न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत धान खरीद 2018 में सहकारिता विभाग में कार्यरत क्रय केन्द्रों के नियमित पर्वेक्षण,अनुश्रवण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसमें संजय कुमार तिवारी अपर जिला सहकारी अधिकारी मो0नं0 9598796274, विपिन कुमार यादव सीओ मुख्यालय मो0नं0 9695390907, विपेन्द्र कुमार सीओ मुख्यालय मो0नं0 9559756856 को नियुक्त किया गया है। इसी के साथ ही सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता ने उपरोक्त पर्वेक्षणीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक क्रय केन्द्रों से संबंधित समस्याओं का प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित करते हुए क्रय केन्द्रों के संचालन में आ रही समस्याओं का निराकरण करायेंगे एवं त्वरित गति से सूचनाओं का प्रेषण संबंधी अधिकारियों को सुनिश्चित करेंगे।

राजकीय औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थान भोगनीपुर में रोजगार मेला 30 नवम्बर को

कानपुर देहात । राजकीय औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थान भोगनीपुर, कानपुर देहात में 30 नवम्बर, 2018 दिन शुक्रवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है, जिसमें कई टेकिनकल व नान टेकिनकल कंपनियां आ रही है। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रधानाचार्या ज्योति किरन टोप्पो राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भोगनीपुर ने सभी बेरोजगार अभ्यार्थियों को अवगत कराया है कि वह अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र व उनकी छायाप्रतियों के साथ संस्थान में उपस्थित हो और रोजगार मेले में प्रतिभाग करके रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त करें। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये आई.टी.आई. पास या कक्षा 8 वीं पास, हाई स्कूल पास, इण्टरमीडिएट व स्नातक स्तर की कंपनिया आ रही है। उक्त से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु निम्न मोबाईल नम्बरों 9628374348, 7991200205, 9451426668, 7408942825 पर सम्पर्क करें।

दुराचारी अध्यापक को सात साल की सजा

लखनऊ । एससी,एसटी एक्ट की विशेष जज बबिता रानी ने कक्षा आठ की एक नाबालिग छात्रा से दुराचार करने के मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त अध्यापक को सात साल की सजा सुनाई है। उन्होंने अभियुक्त अध्यापक मुन्नु लाल द्विवेदी पर 10 हजार का जुर्माना भी ठोंका है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सत्यव्रत त्रिपाठी के मुताबिक 12 वर्षीय पीड़िता एसके पब्लिक स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा थी। मुन्नु लाल द्विवेदी इस स्कूल का प्रबंधक था और यहीं पर अध्यापक भी था। वो पीड़िता छात्रा को उसके घर पर ट्यूशन भी पढ़ाता था। पीड़ित छात्रा गरमी की टुड्डियों में अपने ननिहाल गई थी। वो पीड़िता को उसके ननिहाल में भी ट्यूशन पढाने लगा। वहां ट्यूशन पढ़ाने के दौरान वो पीड़िता से साथ दुराचार कर रहा था, जिसे पीड़िता के मामा ने देख लिया। लेकिन वो धक्का देकर मौके से भाग निकला। पीड़िता ने बताया कि अभियुक्त घर पर भी ट्यूशन के दौरान उसके साथ अश्लील हरकत करता था। लेकिन जान की धमकी की वजह से वो किसी को बताती नहीं थी। 29 जून, 2002 को इस घटना की एफआईआर पीड़िता के पिता ने थाना बंथरा में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पीड़िता की मौत हो गई।

गौ ब्राम्हण, संत के संरक्षण एवं यज्ञ आहुति की परम आवश्यकता

लखनऊ । जानकीपुरम सेक्टर एच में चल रही श्रीराम कथा में सोमवार को कथा व्यास भाईश्री दिलीप शुक्ल ने कहा कि जो ईश्वर तत्व निर्गुण है वही समाज में बढ़ती हुई कुरीतियों, अधर्म, अत्याचार को समाप्त करने के लिए अपने भक्तों को अभय प्रदान करने को सकाकार रुप धारण करता है। निर्गुण और सगुण में कोई भेद नही जैसे जल और ओला में तत्व भेद नही होता। भाई श्री ने कहा कि राम जन्म समाज में श्रेष्ठ मानव मूल्यों की स्थापनार्थ हेतु हुआ। उन्होंने कहा कि मानस यह सन्देश देती है कि समाज को उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ बनना है तो गौ ब्राम्हण, संत के संरक्षण एवं यज्ञ आहुति की परम आवश्यकता है।

हरे प्याज में है कई बीमारियों का समाधान, जानें इसके 5 फायदे

सर्दी के मौसम में हरे पत्तेदार प्याज बहुत टेस्टी लगते है। इसे

स्प्रिंग अनियन या ग्रीन अनियन भी कहा जाता है। हरे प्याज का इस्तेमाल चीन में प्राचीन समय में दवाइयों में किया जाता रहा है। इसमें कैलोरी कम और सल्फर की मात्रा अधिक होती है जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइए जानें इसके फायदे।

हरे प्याज में मौजूद पोषक तत्व

इसमें विटामिन ए, सी, बी, विटामिन बी 2 , कॉपर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, मैगनीज थाइमीन आदि भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें मौजूद पेक्टिन नामक पदार्थ कैंसर जैसे भयानक रोग से बचाव करने में भी मददगार है।

1. आंखे स्वस्थ

हरे प्याज का सेवन आंखों के लिए बहुत लाभकारी है। इससे आंखों की रोशनी बढ़नी शुरू हो जाती है।

2. स्वस्थ दिल

एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर हरे प्याज डीएनए को नुकसान पहुंचाने से बचाव करते हैं। इसके अलावा इसका विटामिन सी ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने का काम करता है। यह दिल कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करके दिल की बीमारियों से बचाव करता है।

3. डायबिटीज कंट्रोल

जिन लोगों का मधुमेह की बीमारी है, उनके लिए हरे प्याज का सेवन करना बहुत फायदेमंद है। इसमें पर्याप्त मात्रा में सल्फर होता है जो इंसुलिन के स्तर को संतुलित बनाए रखता है।

4. कैंसर की रोकथाम

हरा प्याज शरीर में कैंसर सैल को बढ़ने से रोकता है। इसे खाने से आप कैंसर होने का खतरा बहुत कम हो जाता है।

5. हड्डियां मजबूत

विटामिन सी और के जैसे तत्वों से भरपूर हरा प्याज हड्डियों का क्रियाशीलता को बनाए रखने का काम भी करता है। इससे हड्डियों की मजबूती बनी रहती है।

डॉ. दिनेश शर्मा ने सिखों के लिए की घोषणा

आगरा । उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने सिखों के लिए आज गुरुद्वारा गुरु का ताल में बड़ी घोषणा की। डिप्टी सीएम ने दिल्ली की तरह उत्तर प्रदेश के कॉलेज में भी गुरुमुखी की शिक्षा को मान्यता देने की घोषणा की, तो सिखों में हर्ष की लहर दौड़ गई। उपमुख्यमंत्री आज एतहासिक गुरुद्वारा गुरु का ताल पर विधायक योगेन्द्र उपाध्याय के साथ पहुंचे। सबसे पहले गुरुद्वारा गुरु के ताल के मौजूदा मुखी संत बाबा प्रीतम सिंह जी ने गुरुद्वारे का इतिहास बताते हुए बताया कि यह स्थान हिन्द की चादर नोवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत से जुड़ा है। जब गुरु जी हिन्दू धर्म की रक्षा की खातिर अपनी गिरफ्तारी दी, उस स्थान पर आज गुरुद्वारा मंजी साहिब है और जहां उन्हें 9 दिन तक नजर बंद रखा गया वह भोरा साहिब है। विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश धार्मिक स्थानों में स्वच्छता के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि सिक्ख समाज से उन्हें आत्मबल मिलता है। जब वे महापौर का चुनाव हार रहे थे, तब गुरुद्वारे में सिर नवाजने से संतुष्टि मिली और पूरे चुनाव में वह जो सारोपा मिला उसे पूरे चुनाव में संभाल के रखा गुरबानी (पंजाबी) भाषा के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी ही सिद्धार्थ नगर में पंजाबी भाषा शुरू की है, जो नए सत्र में लागू हो जाएगी। उसकी लोकप्रियता के बाद उत्तर प्रदेश के सभी विश्व विद्यालय में लागू कर दी जाएगी। कार्यक्रम में गुरु के ताल मीडिया प्रभारी मास्टर गुरनाम सिंह, समन्वयक बंटी ग्रोवर , प्रीटी उपाध्याय, कंवलदीप सिंह, वात्सल उपाध्याय, मनमोहन सिंह वालिया, सिमरन उपाध्याय, नरेंद्र सिंह खनूजा, पाली सेठी, उपेन्द्र लवली, अलौकिक उपाध्याय, गुरनाम सिंह अरोरा, परमिंदर सिंह ग्रोवर, रानी सिंह आदि।

भाऊराव के जन्मदिवस पर अस्पताल में बांटे फल

लखनऊ । संघ कार्य के सूत्रधार भाऊराव देवरस के जन्म दिवस के मौके पर सोमवार को महानगर स्थित भाऊराव देवरस अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम हुआ। सभी वार्डों में मरीजों को फल वितिरत किया गया। संघ के वरिष्ठ प्रचारक अक्षेश नारायण, अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरपी सिंह, पूर्व विधायक विद्या सागर गुप्ता समेत डॉक्टरों ने भाऊराव देवरस के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। पूर्व विधायक विद्या सागर गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई, पण्डित दीन दयाल उपाध्याय और रज्जू भैया जैसे श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़कर तराशने का कार्य भाऊराव देवरस ने किया था। उन्होंने कहा कि भाऊराव देवरस हर व्यक्ति से संपर्क करते थे। वह सभी कार्यकर्ताओं की चिंता करते थे। व्यक्ति को संगठन से जोड़ने की उनमें अदभ्मुत कला थी। संघ के प्रचारक अवक्षेश नारायण ने कहा कि संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने भाऊराव को लखनऊ में संघ कार्य के लिए भेजा था। उन्होंने कहा कि भाऊराव ने लखनऊ विश्वविद्यालय से एक साथ बीकॉम व एलएलबी में प्रवेश लिया। दोनों विषयों में उन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय में उनके नाम से भाऊराव देवरस द्वारा बना हुआ है। पत्रकार बृजनंदन ने कहा कि ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता के वह पक्षधर थे। भाऊराव देवरस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष शुक्ला, डॉ. कोमल शुक्ला, केजीएमयू दंत संकाय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज मिश्रा, धनवंतरि सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष ललित जोशी, डॉ. गिरधर दास, डॉ. शिशिर समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

शौचालय निर्माण में छूटे हुए व्यक्तियों की फीडिंग में न बरते लापरवाही : डीएम

कानपुर देहात । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने राष्ट्रीय वार्षिक ग्रामीण स्वच्छ सर्वेक्षण द्वितीय चरण की तैयारी तथा शौचालय निर्माण में छूटे हुए व्यक्तियों की फीडिंग के सम्बन्ध में समीक्षा की। समीक्षा में जिलाधिकारी ने सीडीओ, डीडीओ, पीडी, डीपीआरओ, खण्ड विकास अधिकारी, सभी सचिव, एडीओ पंचायत, डीसी जिला समन्वयक आदि को निर्देश दिये कि जनपद की 84 ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक भवनों में शौचालयों की स्थिति व शौचालयों के व्यक्तियों द्वारा प्रयोग तथा ठोस, तरल आदि का भी अवलोकन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने एडीओ पंचायत, सचिव, जिला समन्वयक को बैठक में अनुपस्थित पर स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी ने बैठक में निर्देश दिये कि प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत में निगरानी समिति द्वारा स्वच्छता हेतु लोगों को शौचालय बनवाने के लिए प्रेरित करेंगे तथा उपरोक्त हेतु प्रभावी किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि सर्वेक्षण में छूटे हुए कार्यो को सम्पन्न कराया जायेगा तथा उसकी फीडिंग प्रत्येक सचिव इस सप्ताह अवश्य कर ले। उन्होंने त्रुटिहीन तथा समयबद्धता के साथ फीडिंग के लिए खण्ड विकास अधिकारी तथा एडीओ पंचायत को निर्देश दिये है। जिलाधिकारी द्वारा विश्व शौचालय दिवस पर सभी सम्बन्धितों को निर्देश दिये कि शासन के निर्देशों का साक्षर पालन सुनिश्चित करें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार राय, डीडीओ अभिराम त्रिवेदी, पीडी शिव कुमार पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी वीएन पाण्डेय, सभी सचिव, खण्ड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के समस्त सांसदों के आवास घेरेंगे चतुर्थश्रेणी कर्मी

लखनऊ । चतुर्थ श्रेणी भर्ती पर लगी रोक के विरोध के में उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ ने निर्णय लिया है कि वो प्रदेश के समस्त सांसदों, राज्यसभा सदस्यों, विधायकों के आवासों का घेराव करेगा। महासंघ 21 सूत्री मांगों की पूर्ति के लिये लम्बे समय से लड़ाई लड़ रहा है। सोमवार को महासंघ की बैठक में पदाधिकारियों ने बताया कि इन मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा गया था और चतुर्थ श्रेणी की लगी भर्ती पर रोक हटाने के लिये अनुरोध किया गया था। इसके बावजूद आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रदेश उपमहामंत्री सुरेश सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने मितव्ययिता के नाम पर चतुर्थ श्रेणी की भर्ती रोके जाने का निर्णय लेकर कर्मचारी और सरकार में आमने–सामने टकराव का संकट पैदा कर दिया है।

लूट करने वाली गैंग के 04 अभियुक्त गिरफतार ट्रक, कार, असलहा बरामद

इटावा । मुखबिर की सूचना पर फ्रेण्डस कालोनी थाना पुलिस टीम, ऊसराहार पुलिस व इटावा क्राइम ब्रांच टीम ने मिलकर हाइवों पर लूटपाट करने वाले गिरोह के 04 लोगों को लूटे हुए धान से भरे ट्रक सहित पकड़ लिया गया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 02 ट्रक, डस्टर कार, अवैध असलहा आदि बरामद कर अभियुक्तों को गिरफतार कर मामला पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया। हाइवों पर हो रही लूट की घटनाओं पर अकुंश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा जिले भर के सभी थानों पर टीमें गठित की गई है। जिससे गठित टीमों द्वारा अपराधों को रोक कर अपराधियों को पकड़े के निर्देश जारी किये गये। कल दिनांक 16.11.2018 को फ्रेण्डस कालोनी थाना प्रभारी अनिल कुमार अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र के अर्न्तगत वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि कुछ लोग फ्रेण्डस कालोनी क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित नई मण्डी परिसर में धान से भरा ट्रक लेकर खड़े है साथ ही ट्रक में लदे धान को सस्ते दामों पर बेचने के लिए यहां घूम रहे है। सूचना मिलते ही फ्रेण्डस कालोनी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पुलिस ने मुखबिर द्वारा बताये ट्रक को वहां खड़ा पाया। तभी संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम द्वारा ट्रक के पास पहुंचकर ट्रक के पास खड़े 03 व्यक्तियों से ट्रक के बारे में पूछताछ की। लेकिन पुलिस के पहुंचते ही तीनों बदमाश घबरा गये। पुलिस टीम द्वारा सख्ती से पूछताछ पर बदमाशों ने बताया कि उन्होंने यह ट्रक 15.11.2018 की रात्रि को अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर थाना ऐरवाकटरा क्षेत्र के हरचन्दा पुलिया के पास से लूटा था। बदमाशों ने बताया कि उनका साथी शिवम् धान को बेचने के लिए बिचौलिया से बात करने डस्टर कार से कहीं गया है। साथ ही अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने एक ट्रक दिनांक 13/14.11.2018 को झूसी थाना ऊसराहार पुलिया के पास से लूटा है उस ट्रक को बेचने के लिए मीठेपुर हाइवे किनारे झाडियों में छिपाकर रखा है। अतरू फ्रेण्डस कालोनी थाना पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से धान से भरा ट्रक जिसमें करीब 12 लाख रुपये की धान होगी कब्जे में लिया साथ ही अभियुक्तों की निशानदेही पर दिनांक 13/14.11.2018 का लूटे हुए ट्रक को माल सहित मीठेपुर हाइवे किनारे झाड़ियों से बरामद कर लिया गया। इस सम्बन्ध में फ्रेण्डस कालोनी थाने में अभियुक्त शिवम, मोहित, विनय, आशीष चार बदमाशों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया गया। अतरू फ्रेझण्डस कालोनी थाना प्रभारी ने डस्टर कार लेकर गये अभियुक्त शिवम् की गिरफतारी को लेकर घटना के बारे में कंट्रोल रुम को अवगत कराया गया। तभी डस्टर कार को पकड़ने के लिए जिले में सघन चेकिंग अभियान जारी किया गया। चेकिंग अभियान के दौरान इटावा क्राइम ब्रांच टीम व ऊसराहार पुलिस की संयुक्त टीम ग्राम नगला भगेह के पास वाहनों की चेकिंग चल रही थी। उसी दौरान क्राइम ब्रांच टीम व ऊसराहार पुलिस टीम ने क्वेटा नहर की ओर से तेज रफतार एक डस्टर कार को आते देखा। टीमों द्वारा कार को रोकने का इशारा किया तभी कार चालक कार की स्पीड बढ़ाकर वहां से भगाने लगा। तभी पुलिस बल द्वारा कार का पीछा किया गया। अतरू पुलिस से स्वंय को घिरता देख कार चालक ने अपने पास रखे अवैध असलहो से पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। तभी आत्मरक्षा की दृष्टि से पुलिस टीम द्वारा जबाबी फायरिंग की गई। पुलिस मुठभेड़ में अभियुक्त शिवम् को ऊसराहार पुलिस टीम व इटावा क्राइम ब्रांच टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद ग्राम नगला भगेह से गिरफतार कर लिया गया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से लूटी हुई कार व अवैध असलहे बरामद कर अभियुक्त को गिरफतार कर लिया गया। लेकिन पुलिस मुठभेड़ में अभियुक्त शिवम् घायल हो गया। अतरू पुलिस टीम व बदमाश शिवम् के बीच हुई मुठभेड़ के सम्बन्ध में थाना पर मु0अ0सं0 221/18 धारा 307 भादवि व मु0अ0सं0 222/18 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया। वर्दा किया थाना फ्रेण्डस कालोनी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त विनय यादव पुत्र अज्ञाराम निवासी पुरवा महासुख मुरादगंज थाना अजीतमल जिला औरैया, मोहित यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव निवासी ग्राम रुपपुर थाना अछल्दा जिला औरैया व आशीष यादव पुत्र महेश चन्द्र यादव निवासी नन्दपुर थाना अछल्दा जिला औरैया को गिरफतार किया। अतरू ऊसराहार पुलिस टीम व इटावा क्राइम ब्रांच टीम ने मुठभेड़ में अभियुक्त शिवम् यादव पुत्र कैलाश कुमार यादव निवासी 28वीं वाहिनी पीएसी थाना फ्रेण्डस कालोनी जिला इटावा को गिरफतार किया गया।

सम्पादकीय

बेहतर रणनीति से निकलेगा हल

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में उसके नक्सलवादी हिंसा–पीड़ित क्षेत्रों के मतदाताओं ने, आम दिनों में सरकारी और नक्सली पाटों के बीच पिसते रहना जिनकी नियति बनी रहती है, अपने डर को बदलाव की आकांक्षा पर भारी नहीं पड़ने दिया। बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचने का हौसला दिखाया तो कई ''शब्दवीरों'' को नये सिरे से मुखर होने का मौका हाथ लग गया है। इतिहास गवाह है, इन ''शब्दवीरों'' का कोई ठिकाना नहीं कि कब सुरक्षा बलों के ''सफल' ऑपरेशनों' में नक्सली नेताओं के मारेध्पकड़े जाने से नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट जाने का दावा करने लगें और कब उनकी 'तिरुपति से पशुपति तक' लाल गलियारा बनाने की योजना को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताने लगें। दरअसल, वे ऐसे सवालों की हत्या कर देना चाहते हैं कि जिस चुनाव को लोकतंत्र का पर्व कहा जाता है, उसमें बंदूकों की इतनी 'भागीदारी' क्या कहती है, उसके संकेत कितने लोकतांत्रिक हैं? और क्यों वह दशक दर दशक घटने के बजाय बढ़ती जा रही है? सवाल नक्सलियों से भी पूछे जा रहे हैं, और सरकार से भी। इन सवालों का अब तक अनुत्तरित रहना साफ जताता है कि हमारी राज व्यवस्था, सरकारें किसी भी झंडे या चुनाव चिह्न की रही हों, हर नक्सली हमले के वक्त बर्बर, जघन्य और कायराना वगैरह कहकर निंदा करने के अलावा अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेती हैं। अपेक्षा करती रही हैं कि उसको समस्या के सारे अनर्थों और जिम्मेदारियों से तो बरी कर ही दिया जाए, उसकी नीतिहीनता को भी कतई प्रश्नांकित न किया जाए। आखिरकार, नक्सलियों ने कब कहा कि उनका लोकतंत्र में अगाध विस है, और वे इसकी परीक्षा देने को तैयार हैं? उन्होंने तो इस राज व्यवस्था को उखाड़ फेंकने को अपना खुला लक्ष्य घोषित कर रखा है, और दावा करते हैं कि वे उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनवरत युद्ध संचालित कर रहे हैं। उनके पास इसकी 2050 तक पूरी होने वाली एक दीर्घकालिक योजना भी बताई जाती है। उनके अपने शिविर में भी कोई इस योजना के आड़े आता है, तो वे उसे बख्शते नहीं। ''दुश्मन व्यवस्था' के किसी प्रतिनिधि को पकड़ लेते हैं, तो उस पर युद्धबंदी का टैग लगा देते हैं, और मांग करते हैं कि उनके जो प्रतिनिधि सरकारी जेलों में हैं, उनके साथ भी युद्धबंदियों जैसा ही सुलूक किया जाए। ऐसे में यह तो नीतिहीन राज व्यवस्था की समस्या है कि वह उनके युद्ध को सीमित करके लाल आतंक के रूप में देखती है, और उस रूप में भी उससे निर्णायक ढंग से नहीं निपट पाती। कभी ''ऑपरेशन ग्रीनहंट' की सोचती है यानी अपने नागरिकों के खिलाफ सेना के इस्तेमाल की और कभी ''नक्सलपीड़ित' आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने की। कभी नक्सलवाद को कानून व्यवस्था की समस्या तक सीमित कर देती है, कभी सलवाजुडूम के नाम पर आदिवासियों को आपस में भिड़ाकर कांटे से कांटा निकालने के फेर में हाथ जला बैठती है। बीच–बीच में यह भी कहती है कि नक्सलियों से वार्ता को तैयार है। लेकिन स्वामी अग्निवेश इस बात के पुराने गवाह हैं कि इसके बाद कैसे वार्ता की मेज से उठाकर नापसंदों की हत्याएं करवाने लग जाती है। फिर कहने लगती है कि जिनका भारत के संविधान व लोकतंत्र में विास नहीं है, उनसे कैसे बात करें? अलबत्ता, नक्सली किसी बड़े नेता या अधिकारी को पकड़ ले जाते हैं, तो उसे छुड़ाने के लिए उनसे बात भी करती है, और घुटने भी टेकती है। नक्सलवाद पीड़ित राज्यों में राजव्यवस्था के अजीबोगरीब दर्रे के कारण ही अहिंसक गांधीवादियों तक की सक्रियता मुश्किल हो चली है क्योंकि उनके आंदोलनों को नक्सलियों का सहयोगी बताकर ब्लैकलिस्ट कर दिया जा रहा है। कहते हैं कि इन राज्यों में सरकारी विभागों के पास दो ही काम हैं। पहला, जमीनी सच्चाई को छुपाना कि देश की आर्थिक व्यवस्था और विकास के नाम पर आदिवासियों के संसाधनों का लगातार शोषण ही नक्सलवाद का प्रमुख कारण है क्योंकि यह उनके सशस्त्र समूहों के लिए जगह बनाता है। दूसरा, सरकारी तंत्र से जवाबदेही की मांग करने और उसके शोषण, उत्पीड़न व भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का ''शिकार' करना। इन हालात में सवाल को और बड़ा करें तो लोकतंत्र और उसके मूल्यों पर बड़े हमले नक्सली कर रहे हैं, या संगठित राज व्यवस्था? नक्सलपीड़ित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की गतिविधियों से ही सरकारों के होने का पता चलता है, और राज व्यवस्था राजधानियों में मोद मनाती रहती है?

अफीम के उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति

कारोबार के लिहाज से अवैध ड्रग का व्यापार इस वक्त दुनिया का संभवतः अकेला सबसे बड़ा व्यवसाय है. इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस समय यह व्यवसाय 500 बिलियन डॉलर का है. अमेरिका नशीले पदार्थों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक देश है, जो अकेले 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा ड्रग्स पर खर्च करता है. चूंकि मादक पदार्थों का व्यापार ज्यादातर डॉलर में ही होता है. इसलिए डॉलर का साम्राज्य पूरी दुनिया में काबिज है. कोकीन पश्चिमी उच्च वर्ग तथा विकासशील देशों के उच्च वर्ग के एक छोटे तबके की पसंदीदा मादक दवा है, जबकि हेरोइन दुनिया के आम लोगों का नशा है. पहली बार साल 1879 में जर्मनी की बेयर फार्माक्यूटिकल कंपनी ने हेरोइन बनाया था और ग्रीक शब्द हेरोज के आधार पर हेरोइन नाम गढ़ा, जिसका अर्थ अर्धनारीश्वर था. यह नाम संभवतः इसलिए रखा गया कि इसका सेवन करनेवाले को शौर्य बोध का भ्रम होता था. चाहे कोकीन हो, हेरोइन हो अथवा एम्फेटेमाइंस सरीखी संश्लेषित दवाएं कोक की पत्तियों और अफीम के पोस्ते जैसे पदार्थों का रूपांतरण हैं. दुर्भाग्य से इस व्यापार से पैदा होनेवाली बड़ी दौलत का बहुत छोटा हिस्सा इसके प्रारंभिक उत्पादकों तक पहुंचता है. नारकोटिक्स व्यवसाय के हर चरण में इसका मूल्यवर्द्धन होता जाता है. ये नशीले पदार्थ ही हैं जो बर्मा, अफगानिस्तान, पेरू, कोलंबिया और पाकिस्तान आदि को वित्तीय तौर पर गतिशील बनाये हुए हैं. दुनिया के लगभग सभी बड़े कोकीन उत्पादक केंद्र दक्षिण अफ्रीका में स्थित हैं. अमेरिका की सकल सालाना खपत का तीन–चौथाई हिस्सा– लगभग 45 बिलियन डॉलर कीमत की कोकीन कोलंबिया से आती है. ब्रिटेन की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसेज के मुताबिक, एक ग्राम कोकीन की खुदरा कीमत 96 अमेरिकी डॉलर थी, जबकि हेरोइन की कीमत 100 डॉलर थी. इसे सुखद या दुखद मानना इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे किस तरह देखते हैं. समस्या यह है कि 1990 से इसकी खुदरा कीमत में गिरावट देखी जा रही है, जबकि कोकीन और हेरोइन की कीमतें मौजूदा कीमतों से 50 फीसदी अधिक थीं. यह सिर्फ यही दर्शाता है कि कहीं अधिक सक्षम और कुशल उत्पादन के जरिये इसकी अधिक उपलब्धता संभव बनायी गयी, न कि मांग में आयी किसी गिरावट के कारण. इसके उपभोग में 12 फीसद इजाफे का अनुमान किया गया है. मादक पदार्थों के सबसे बड़े उपभोक्ता के रूप में अमेरिका का दुनिया के सबसे सक्रिय ड्रग निगरानी कर्ता होने के पीछे उसका निहित स्वार्थ है. वह दक्षिण अमेरिका में एक सक्रिय निषेध कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें न सिर्फ सैन्य सहयोग

शामिल है, बल्कि कई लातीनी–अमेरिकी सरकारों को विशाल धनराशि का सहयोग भी शामिल है. अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण के लिए दी गयी सहयोग राशि 948 मिलियन डॉलर में से 762 मिलियन डॉलर दक्षिण अमेरिका के लिए निर्धारित था. इसके अतिरिक्त, पेंटागन ने 1 बिलियन डॉलर सैन्य सहयोग पर खर्च करता है. अमेरिका मादक पदार्थ नियंत्रण पर सालाना 19 बिलियन डॉलर खर्च करता है. निस्संदेह अमेरिका के प्रयासों का अधिक झुकाव कोकीन निषेध तथा इसके उत्पादन पर नियंत्रण में हैं. इसके कारण भी हैं. आठ सौ कोकीन उपभोक्ताओं के बीच सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि औसत उपभोक्ता 31 वर्षीय, श्वेत और कॉलेज से शिक्षा प्राप्त मध्यवर्गीय पुरुष था, जिसका वेतन मध्यम श्रेणी से ऊपर था. परेशान करनेवाली प्रवृत्ति किशोरों, खासकर हाइस्कूल के छात्रों के बीच उपभोग का बढ़ना थी. दूसरी ओर हेरोइन गरीबों का पसंदीदा नशा है. हेरोइन उपभोग करनेवालों के बीच स्टैनफोर्ड विवि के प्रोफेसर जॉन कपलन द्वारा किये गये एक अध्ययन में तथ्य सामने आये कि इनमें 75 फीसदी पुरुष थे, 55 फीसदी अश्वेत, 44 फीसदी हिस्पैनिक थे. इनमें 36 फीसदी 30 साल से नीचे, 61 फीसदी लोग कम शिक्षित थे तथा 81 फीसदी लोग बेरोजगार थे. आज दो सबसे बड़े उत्पादन केंद्र गोल्डेन ट्रायंगल और गोल्डेन क्रेसेंट हैं. गोल्डेन ट्रायंगल अफीम का पोस्ता और हेरोइन बनानेवाने उत्तरी बर्मा, थाईलैंड और लाओस का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि गोल्डेन क्रेसेंट पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है. भारत इन दोनों केंद्रों के बीच पिस रहा है. अचरज नहीं कि कुछ भारतीयों की इसमें भागीदारी है. इस वजह से भारत एक बड़ा एसेटिक एनहाइड्राइड केंद्र बन गया है, जो मार्फीन से शुद्ध हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होनेवाला मुख्य तत्व है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गजरौला में जाकर आप जान सकते हैं कि यह व्यापार कितना बड़ा है. एक टन हेरोइन बनाने में दस टन से ज्यादा अफीम लगती है. यूएनडीसीपी के मुताबिक एशिया में 2.65 लाख हेक्टेयर जमीन पर 4,861 टन अफीम की खेती होती है. एक हेक्टेयर की खेती से एक अफगानी को 16,000 डॉलर का मुनाफा होता है. वहीं, अब अफगानी किसान को अपनी फसल नष्ट करने के लिए 1,250 डॉलर दिये जा रहे हैं– आज अफगानी बेहतर व्यवसायी हैं! अफीम की 90 फीसदी वैश्विक उपज में अस्सी फीसदी हिस्सा अफगानिस्तान और बर्मा का होता है. अमेरिकी सरकार के मुताबिक, बर्मा विश्व के 60 फीसदी हेरोइन उत्पादन के लिए जवाबदेह है, जो अफगानिस्तान की मौजूदा उपज का दोगुना है. बड़ी विडंबना है कि साम्यवाद को रोकने के लिए सीआइए द्वारा चलाये अभियानों के परिणामस्वरूप इन दोनों क्षेत्रों में हेरोइन का उत्पादन बढ़ता रहा है. अरबों द्वारा भारत लायी गयी अफीम और इसके उपयोग की प्रवृत्ति इस तीव्रता से फैली कि धर्म प्रचारक भी इससे ईर्ष्या करेंगे. सोलहवीं सदी में पुर्तगालियों ने जावा में चीनी श्रमिकों को अफीम से परिचित कराया. पुर्तगालियों से ईस्ट इंडिया ने यह व्यापार चुरा लिया और 1838 तक बंगाल सालाना 2,400 टन अफीम चीन को निर्यात करने लगा था. बहरहाल, हेरोइन के इस व्यापार से पाकिस्तान को एक साल में 4 बिलियन डॉलर की कमाई होती है. हेरोइन ने भारत में भी पैठ बनायी है. हेरोइन के उपभोक्ता भारत में तीन लाख से अधिक हैं. हालांकि, यह संख्या बीस गुना भी हो सकती है. पंजाब और मणिपुर जैसे सीमावर्ती राज्यों में यह एक गंभीर समस्या है. और अब ऐसा लगता है कि धर्म द्वारा जनता के प्रभावित होने की बजाय अफीम ही जनता का धर्म बनती जा रही है.

अमेरिकी मीडिया और न्यायपालिका

क्या भारतीय मीडिया और न्यायपालिका को अमेरिकी मीडिया और न्यायपालिका से कुछ सीखने की जरूरत है या नहीं? वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स की 180 देशों की सूची में भारत का पहले 133वां स्थान था, अब 136वां हो गया है. गोदी मीडिया के दौर में कल यह 140वां भी हो सकता है. इस वर्ष सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार वरिष्ठतम जजों ने 12 जनवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्य न्यायाधीश पर बेंच के गठन आदि को लेकर कई सवाल खड़े किये. मुख्य न्यायाधीश से यह अपेक्षा की जाती है कि वह राजनीतिक लाभ से स्वतंत्र और निष्पक्ष होगा. राज्यसभा में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश पर महाभियोग लाया गया, जिसे राज्यसभा के सभापति ने खारिज कर दिया था. फरवरी 2018 में अपनी सेवा–निवृत्ति के अंतिम कार्य दिवस पर सुप्रीम कोर्ट के जज अमिताभ राय ने न्यायपालिका में फ्रैंकेंस्टाइन फेसरा की बात कही थी, जिससे न्यायपालिका में विश्वास घटता है. उन्होंने इस संस्था को बचाने की भी बात कही थी. आज अमेरिकी मीडिया मालिक टेड टर्नर (रोबर्ट एडवर्ड टर्नर ष्ष्) की जन्मतिथि (19 नवंबर, 1938) है. टेड टर्नर ने 1 जून, 1980 को 24 घंटे के केबल न्यूज चौनल के रूप में सीएनएन की स्थापना की थी. चौबीस घंटे समाचार कवरेज प्रदान करनेवाला यह पहला चौनल था– अमेरिका का पहला अखिल समाचार टेलीविजन चौनल. इस समय इसके पास 11 घरेलू और 31 अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो (कुल 42) हैं और संबद्ध स्थानीय स्टेशनों की संख्या 900 से कुछ अधिक है. रुपर्ट मर्डोक ने इसके विकल्प में 1996 में फॉक्स न्यूज चौनल (एफएनसी) का निर्माण किया रू यह माना जाता है कि यह टेलीविजन चौनल दक्षिणपंथी है, जिसके कई एंकर ट्रंप के खुले समर्थक हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मीडिया के प्रति रवैया ठीक नहीं रहा है. राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने मीडिया को अमेरिकी जनता का शत्रु कहा था. स्टीवेन लेवीटस्की और डेनिएल जिबलैट्ट की पुस्तक हाउ डेमोक्रेसीज डाइ (वाइकिंग, 2018) का आठवां अध्याय ट्रंप के राष्ट्रपति पद के पहले वर्ष पर है– ट्रंप्स फर्स्ट ईयर रू ऐन ऑथोरिटेरियन रिपोर्ट कार्ड़ड इसमें इसका उल्लेख है कि शोरेन्स्टीन सेंटर (मीडिया, राजनीति और लोकनीति पर हार्वर्ड विश्वविद्यालय का शोध केंद्र (जिसकी स्थापना 1986 में हुई थी) ने अपने समाचार रिपोर्ट्स में यह पाया कि ट्रंप के आरंभिक सौ दिनों की न्यूज रिपोर्ट अस्सी

प्रतिशत नकारात्मक थी, जबकि क्लिंटन की 60 प्रतिशत, जॉर्ज डब्ल्यू बुश की 57 प्रतिशत और बराक ओबामा की 45 प्रतिशत नकारात्मक थी. प्रत्येक सप्ताह ट्रंप के प्रेस कवरेज की रिपोर्ट 70 प्रतिशत नकारात्मक थी. बीते सात नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीएनएन के व्हाइट हाउस के मुख्य संवाददाता जिम एकोस्टा के बीच कुछ सवालों को लेकर बहस हुई थी. सोशल मीडिया पर इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो वायरल हो चुका है. जिम एकोस्टा (एबिलिओ जेम्स एकोस्टा) 47 वर्षीय (17 अप्रैल, 1971) अमेरिकी पत्रकार हैं. सीएनएन ने फरवरी 2012 में उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संवाददाता के पद पर प्रोन्नत किया और 9 जनवरी, 2018 को वे व्हाइट हाउस के प्रमुख संवाददाता बने. वे ट्रंप से मेक्सिको के शरणार्थियों और अमेरिका की ओर आनेवाले प्रवासियों के संबद्ध में प्रश्न करना चाहते थे, पर उन्हें सवाल पूछने से रोका गया. किसी भी लोकतंत्र में पत्रकारों को सवाल पूछने से रोकना पत्रकार और सवाल का ही नहीं, लोकतंत्र का भी अपमान है. एकोस्टा के हाथ से माइक लेने की कोशिश की गयी. ट्रंप ने माइक लेनेवाली महिला को न रोककर जिम एकोस्टा को रोका– श्ब्हुत हुआ, बस करियेश कहा. एकोस्टा को माइक नीचे रखने को कहा. ट्रंप ने सीएनएन को स्वयं पर शर्मिंदा होने को कहा. एकोस्टा की उंगलियों की भाषा और ट्रंप की उंगलियों की भाषा में जमीन–आसमान का फर्क था. ट्रंप ने सारा सैंडर्स की टीम की मेंबर के साथ एकोस्टा के व्यवहार को निंदनीय कहा. अगले दिन 8 नवंबर को एकोस्टा का व्हाइट हाउस का पास रद्द कर दिया गया. पास रद्द किये जाने के खिलाफ सीएनएन ने मुकदमा दायर किया. इस मुकदमे को अमेरिका के प्रमुख समाचार संस्थानों ने समर्थन किया. उसके बाद 13 नवंबर को राष्ट्रपति ट्रंप के विरुद्ध दायर किये गये मुकदमे का दक्षिणपंथी टेलीविजन नेटवर्क फॉक्स न्यूज ने भी समर्थन किया.

इस मुकदमे में पहले और पांचवें एमेंडमेंड अधिकार के उल्लंघन की बात कही गयी थी. फेडरल जज टीमोथी जे केली ने अगले ही दिन 14 नवंबर को सुनवायी की. टीमोथी जेम्स केली 49 वर्षीय (21 मार्च, 1969) कोलंबिया जिला के लिए संयुक्त राज्य जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैं.बीते 16 नवंबर को, जो भारत का राष्ट्रीय प्रेस दिवस है, इस मुकदमे का फैसला आया और एकोस्टा के हार्ड पास को अस्थायी रूप से बहाल किया गया. यहां यह उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस के संवाददाता एसोसिएशन ने भी सरकार की मुद्रा को गलत और खतरनाक कहा था.भारतीय मीडिया का सिर कितना ऊंचा और गिरा हुआ है, यह कहने की आवश्यकता नहीं है. गांधी की 150वीं वर्षगांठ पर उनका कथन याद रखना चाहिए– स्वार्थी सिरों के लिए पत्रकारिता को कभी भी वेश्यावृत्ति नहीं दी जानी चाहिए या केवल धन–कमाई के लिए आजीविका कमाने या बदतर के लिए कभी भी बुरा नहीं होना चाहिए.

बिल गेट्स का नया बाजार

कभी सॉफ्टवेयर इंडस्ट्रीज के बेताज बादशाह रहे बिल गेट्स इन दिनों अपने लिए एक नये बाजार की तलाश में हैं। उनके मन मुताबिक सब कुछ चलता रहा तो जल्द ही गेट्स टॉयलेट के बाजार में कदम रखेंगे। बीते दिनों चीन के बीजिंग के टॉयलेट एक्सपो में जब मानव मल भरे एक जार को लेकर बिल गेट्स ने कदम रखा था तो शायद किसी को यह इलहाम नहीं रहा होगा कि उनका यह स्टैंड किसी नये मिशन की तलाश की जगह नये बाजार के वजूद के लिए है। स्वच्छता मिशन के लिए भारत ने विश्व बैंक से 1.5 बिलियन डॉलर बतौर कर्ज लिया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष का बजट 33 करोड़ रुपये का है। भारत ने विश्व बैंक से 0.50 बिलियन डॉलर कर्ज के मद में और मांगा है। गेट्स ने नये किस्म का एक टॉयलेट तैयार किया है, जिसमें मल और पानी के लिए गड्ढे की जरूरत नहीं होगी। प्रति व्यक्ति रोजाना इस्तेमाल पर 3.62 रुपये का खर्च आएगा। एक टॉयलेट की कीमत 6.80 लाख रुपये होगी। अगर इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया गया तो यह कीमत 35 हजार रुपये के आस पास आएगी। बदबू मिटाने के लिए गेट्स फाउंडेशन और स्विटजरलैंड की परफ्यूम कंपनी फर्मेनिश ने टॉयलेट में स्मेल ब्लाकर लगा रखा है। अकेले भारत में हर साल स्वच्छता के मद में 32 बिलियन डॉलर खर्च होते हैं, जबकि 2021 तक यह आंकड़ा 62 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इस टॉयलेट का मॉडल भी बिल गेट्स के हाथ में बीजिंग एक्सपो में था। टॉयलेट के इस डिजाइन पर गेट्स फाउंडेशन ने दो सौ मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। इतनी ही धनराशि और खर्च करने का इरादा है।

बिल गेट्स दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी हैं। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी चल–अचल संपत्तियों का मूल्य 95.7 बिलियन डॉलर है। इस साल माइक्रोसॉफ्ट की सकल आय 16.57 बिलियन डॉलर रही। वैश्विक स्तर पर गेट्स को इस साल 110.36 बिलियन डॉलर अपने सॉफ्टवेयर कारोबार से मिले। वैश्विक स्तर पर उनके साफ्टवेयर विंडोज का ही मार्केट शेयर 82.88 फीसदी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हर साल एक लाख बच्चे डायरिया की बीमारी के चलते मर जाते हैं। इनमें से 90

फीसदी बच्चों को सुरक्षित और साफ पानी नहीं मिल पाता है। भारत में एक हजार पर 43 बच्चे जिंदगी के पहले साल ही दम तोड़ देते हैं। दुनिया भर में टॉयलेट न होने और प्रदूषित पानी की वजह से बीमारी तथा अन्य अनावश्यक मदों पर 223 बिलियन डॉलर का सालाना खर्च होता है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूरे देश को 2 अक्टूबर, 2019 तक खुले में शौच मुक्त होना है।

गेट्स प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान से प्रभावित हैं। इसमें योगदान करना चाहते हैं। भारत में 2019 तक सात करोड़ पचास लाख टॉयलेट बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जबकि स्वच्छ भारत मिशन के तहत बीते चार सालों में 85 मिलियन टॉयलेट बनाए जा चुके हैं। 2014 में खुले में शौच से मुक्त केवल 39 फीसदी आबादी थी जो अब 95 फीसदी हो गई है। देश के चार लाख पचास हजार गांव, 573 जिले खुले में शौच से मुक्त हो गए हैं। जबकि कुल छह लाख गांव और 699 जिले हैं। अगस्त 2018 तक 82 फीसदी गांव ओडीएफ हो चुके हैं। गेट्स फाउंडेशन ने 2011 में वाटर, सैनीटेशन हंड हाइजीन प्रोग्राम शुरू किया था। विश्व भर के 16 शोधकर्ताओं को गेट्स फाउंडेशन ने री इन्वेंट दि टॉयलेट चौलेंज ग्रांट दी। री इन्वेंट दि टॉयलेट चौलेंज का लक्ष्य ऐसे टॉयलेट बनाना था, जिससे मानव मल से कीटाणु हटाकर बिजली, साफ पानी व पोषक तत्व बनाए जा सकें। ये टॉयलेट बिना बिजली, पानी या सीवर लाइन के काम कर सकें। टॉयलेट में इस्तेमाल किये गये पानी को नये डिजाइन वाला टॉयलेट इस कदर शुद्ध करेगा कि इससे सिंचाई हो सकेगी। आदमी भी स्नान करे तो कोई दिक्कत नहीं। मानव मल राख में तब्दील हो जाएगा, इसका खेतों में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे बिजली भी पैदा की जाएगी। चीन में 2020 तक 64 हजार पब्लिक टॉयलेट को गेट्स अपने नये टॉयलेट से रिप्लेस करेंगे। 2013 में डिपार्टमेंट ऑफ बायो टेक्नालॉजी, मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन एवं बायोटेक्नालॉजी इंडस्ट्रीज रिसर्च काउंसिल ने मिलकर इस नयी तकनीक वाले टॉयलेट पर भारत में काम शुरू किया। मार्च, 2014 में रि इनवेंट द टॉयलेट प्रदर्शनी भी लगाई।

भारत में हर साल छह लाख लोग स्वच्छता न होने के कारण उत्पन्न होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं। प्रतिवर्ष जीडीपी के छह फीसदी की क्षति उठानी पड़ती है। टॉयलेट की कमी की वजह से 25 फीसदी लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं। स्वच्छता की कमी के कारण होने वाली बीमारियों, मानव श्रम की क्षति आदि के चलते देश को सालाना 106 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। पांच साल से कम आयु के आधे बच्चों पर सालाना दो सौ बिलियन डॉलर दवाओं के मद में खर्च करना पड़ता है। भारत में दस में से तीन लोग ऐसे हैं जिनके पास टॉयलेट नहीं है। विश्व में मात्र 27 फीसदी लोग ऐसे हैं जिनके पास घरों में शौचालय व सीवर है। दुनिया में नौ फीसदी बीमारियां प्रदूषित पानी और स्वच्छता की कमी के नाते होती हैं। 2.3 बिलियन लोग वैश्विक स्तर पर स्वच्छता मानदंडों को पूरा नहीं कर पाते। दुनिया में 61 फीसदी लोग सुरक्षित सेनिटेशन सुविधाएं नहीं पाते। दुनिया में 892 मिलियन लोग खुले में शौच के लिए अभिशप्त हैं। जबकि भारत में 522 मिलियन लोग खुले में शौच करते हैं।

टॉयलेट एक बिग बिजनेस है। तीन साल पूर्व विश्व की बड़ी कंपनियों, सोशल इन्वेस्टर्स, सैनीटेशन एक्सपर्ट्स और नॉन प्रॉफिट संगठनों ने मिलकर टॉयलेट बोर्ड कोलिशन (टीबीसी) बनाया था। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक विश्व को खुले में शौच से मुक्त कराना और पर्याप्त व समान स्वच्छता उपलब्ध कराना है। टॉयलेट इकोनॉमी में बेशुमार अवसर हैं। यह बिजनेस सिर्फ बिल्डिंग बनाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें टॉयलेट फिटिंग्स, वेस्ट मैनेजमेंट, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और डेटा कलेक्शन का काम भी शामिल है। टीबीसी के कार्यकारी निदेशक शेरिल हिक्स के अनुसार स्वच्छता सिस्टम को स्मार्ट इकोनॉमी में परिवर्तित करने का यह सदी का सबसे बड़ा अवसर है। प्रति वर्ष विश्व में टॉयलेटों से 3.8 ट्रिलियन लीटर मल व पानी निकलता है। इसका ट्रीटमेंट करके साफ पानी, नवीनीकृत ऊर्जा, आर्गेनिक उर्वरक व प्रोटीन प्रोडक्ट बनाए जा सकते हैं। स्वच्छता इकोनॉमी में कैसे–कैसे अवसर हैं, इसका एक उदाहरण फर्मेनिश कंपनी है जो परफ्यूम व फ्लेवर के कारोबार में है। फर्मेनिश इंडिया के चेयरमैन सतीश राव के अनुसार टायलेट्स की दुर्गंध विकासशील देशों में बड़ी समस्या है। कंपनी इसमें बड़ा अवसर देख रही है। इसी तरह भारत में श्स्वद्यश नामक कंपनी ग्रामीण क्षेत्रों में टॉयलेट निर्माण का कारोबार कर रही है। माइक्रो साफ्ट की तरह गेट्स का इस बाजार पर भी एकाधिकार होगा। इसकी कोशिश जारी है।

रात चोरी की घटनायें हुयी

रायबरेली । कोतवाली लालगंज क्षेत्र के दो स्थानो पर शनिवार की रात चोरी की घटनायें हुयी है। चोरी की घटना से पीडितो ने लालगंज पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज किये जाने की मांग की है। पहली चोरी की घटना मदुरी मुबारकपुर गांव मे हुयी है। चोरी की घटना मदुरी निवासी श्रीकृष्ण पुत्र राम अवतार की मोबाइल शाप मे हुयी है। चोरी की घटना मे 50 मोबाइल,दो बैटरा,एक इनवर्टर, कुछ नगद व अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण चोरी गये है। श्रीकृष्ण ने बताया कि करीब दो लाख रूपये की चोरी हुयी है। वहीं दूसरी चोरी की घटना बेहटा कला गांव के सगीर पुत्र फकीर मोहम्मद की दुकान मे हुयी है। करीब 23 हजार रूपये कीमत के रजाई गद्दे चोरी चले गये है। सगीर रजाई गद्दे बनने का काम करता है। दोनो पीडितो ने लालगंज पुलिस से मामले की सिकायत की है।

रेलकोच मे चोरी करते हुये युवक को पकडा

रायबरेली । रेलकोच मे चोरी करते हुये रंगे हाथों एक युवक को पकडकर रेलवे सुरक्षा बल ने कार्यवाही की है। जानकारी के अनुसार डकौली निवासी विमलेस पुत्र जागेस्वर रेलकोच मे चोरी करते हुये पकडा गया है।रेलकोच प्रभारी निरीक्षक ने विमलेस का चालान संबंधित धाराओ मे किया है। उल्लेखनीय है कि रेलकोच मे स्थापित आरपीएफ थाने के सिपाहियो की मिली भगत के चलते आधुनिक रेलकोच कारखाने मे आये दिन चोरी की घटनायें होती है। आरपीएफ के उच्च अधिकारियों के द्वारा संदिग्ध सिपाहियो के खिलाफ कोई कार्यवाही न किये जाने के चलते चोरी की घटनायें आम बात हो गयी है।

मारपीट की घटना मे चार घायल

रायबरेली । कोतवाली लालगंज क्षेत्र के खजूरगांव मे मारपीट की घटना हुयी है। मारपीट की घटना मे चांदाटोकर निवासी गणेश शंकर व खजूरगांव निवासी गुरूदीन,सुन्दारा व ज्ञानवती घायल हुये है। लालगंज पुलिस ने दोनो पक्षो की ओर से मामला दर्ज कर लिया है। गुरूदीन पुत्र नन्हू की तहरीर पर विनेस के खिलाफ और गणेस की तहरीर पर गुरूदीन व सुन्दारा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। मारपीट की घटना पारिवारिक कलह को लेकर हुयी बतायी जाती है।

चोरी के माल के साथ चार गिरफ्तार

लखनऊ । सरोजनी नगर और चिनहट में पुलिस ने शनिवार रात चोरी के माल के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के मोबाइल और नकदी बरामद की। आरोपियों ने पूछताछ में चोरी की कई घटनाओं को कबूला। सरोजनी नगर इंस्पेक्टर रामसूरत सोनकर के मुताबिक शहीद पथ स्थित एक कार के शोरूम के पास से कृष्णानगर निवासी दीपक रावत उर्फ गोटा व लखीमपुर निवासी सुरेंद्र शर्मा को पकड़ा गया है। इनके पास 14 मोबाइल और 25 हजार रुपए बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक छह नवंबर को स्टेडियम के पास इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों में चोरी घटनाओं को इन्हीं आरोपियों ने अंजाम दिया था। उधर तड़के करीब तीन बजे चिनहट पुलिस ने ईदगाह के पास से इलाकाई निवासी शिवा शिल्पकार और अफाक उर्फ टिंकू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी के चार मोबाइल और एक लैपटाप बरामद किया है।

मातादीन भंगी की जयंती मनाई

लखनऊ । भारतीय स्वच्छकार समाज मुक्ति मिशन की ओर से रविवार झूलेलाल पार्क में एकत्रित होकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के महानायक अमर शहीद मातादीन भंगी की जयंती मनाई गई। समारोह मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसी वाल्मीकि ने शिरकत की। उन्होंने मौके पर अमर शहीद मातादीन भंगी की जीवनगाथा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिशन के राष्ट्रीय महासचिव पीएफ निन्नान्दे ने की। आरसी वाल्मीकि ने कहा कि आजादी के बाद से समाज को लेकर केवल राजनीति होती रही है। जरूरत है एकजुटता की। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए सभी को प्रेरित किया। इस मौके पर गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष नाथालाल ढकेचा, बिहार अध्यक्ष भंगी दीनबंधु, राष्ट्रीय सचिव विजय कुमार, अशोक कुमार झाड़िया, महासचिव करनदास, श्याम सुंदर आदि मौजूद थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

लखनऊ । गोसाईगंज के खुर्दही बाजार स्थित साईं डेंटल क्लीनिक पर कांस्टीट्यूशनल कॉउंसिल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 140 मरीजों परीक्षण कर उन्हें दवा दी गईं। शिविर में मरीजों के आंख, शुगर सहित कई प्रकार जांचें हुईं। शिविर में चिकित्सक डॉ. हारून , डॉ. सुनील, डॉ ताविश, डॉ. फारुख, डॉ. लुबना व डॉ. आर एल जायसवाल मौजूद थी। कैम्प आयोजक डॉ राजपाल सिंह ने बताया कि 19 नवम्बर को चिकित्सा शिविर में आयोजित होगा।

सभी जर्जर सड़कों का होगा निर्माण– शरद वाजपेयी

इटावा । वरिष्ठ भाजपा नेता एंव सभासद शरद वाजपेयी द्वारा जर्जर सडकों के नव निर्माण के लिए वैरुन पंसारी टोला व अकालगंज की सड़कों की नाप कराई गई। शरद वाजपेयी ने कहा कि क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों का जल्द ही निर्माण कराया जायेगा। जिसमें अभी केवल वैरुन पंसारी टोला व अकालगंज की सड़कों की ही नाप ली गई है। इन क्षेत्रों के बाद शाहगंज, चौखर कुआं, आदि सड़कों की नाप लेकर निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की हर गड्ढे वाली सड़कों की दशा बदल दी जायेगी एंव कोई सड़क टूटी फूटी नज़र नहीं रहेगी। इस दौरान नगर पालिका परिषद के कर्मचारी कासिम के साथ क्षेत्र की जनता आदि लोग मौजूद रहे।

मांग पूरी न होने पर मिट्टी का तेल डालकर लगाई आग

इटावा । जिले के चौबिया थाना क्षेत्र के अर्न्तगत ग्राम अड्डपुरा में ससुराल वालों ने दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर विवाहिता पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। जिससे महिला गम्भीर रुप से चलकर घायल हो गई। इस सम्बन्ध में पीडिता के पिता ने थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न कर पुत्री की हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाना क्षेत्र में पुत्री के पति व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। चौबिया थाने में मामला दर्ज कराते हुए थाना भरथना क्षेत्र के ग्राम मेंहदीपुर निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह चौबिया क्षेत्र के ग्राम अड्डपुरा निवासी सहवीर सिंह पुत्र रामरतन सिंह के साथ किया था और शादी में अपनी सामर्थ्य अनुसार दहेज भी दिया था। लेकिन उसके बाद भी उसकी पुत्री का पति व ससुराल वाले शादी के बाद से ही पुत्री से अतिरिक्त दहेज के रुप में गाड़ी व रुपयों की मांग करने लगे।

50 हजार के इनामी डकैत को एसटीएफ और पुलिस ने दबोचा

❑ डकैत के खिलाफ विभिन्न थानों में एक दर्जन दर्ज हैं मुकदमें
❑ प्रेस वार्ता के दौरान डीआईजी और एसपी ने किया खुलासा

बांदा । बबली कोल गैंग के सक्रिय सदस्य और 50 हजार के इनामी रजोला चौधरी को एसटीएफ और नगर कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार की शाम को नवाब टैंक इलाके के पास से गिरफ्तार कर लिया। डकैत के खिलाफ लूट, डकैती और हत्या के तमाम मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। एसटीएफ और पुलिस टीम का दावा है कि डकैत किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। डीआईजी और एसपी ने पुलिस लाइन सभागार में मीडिया से रूबरू होते हुए जानकारी दी। मीडिया से बात करते हुए पुलिस लाइन में डीआईजी मनोज तिवारी और एसपी एस. आनंद ने बताया कि एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रजोला चौधरी जनपद चित्रकूट के बहिलपुरवा रुकमा बुजुर्ग निवासी जो बबली कोल गैंग का सक्रिय सदस्य है, नवाब टैंक के पास किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस पर एसटीएफ टीम ने पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। एसटीएफ टीम में उप निरीक्षक दीपक सिंह, रिजवान, शशिभूषण, प्रेमसागर व आरक्षी उमाशंकर, कमांडो भूपेंद्र सिंह, सर्वेश भदौरिया शामिल हैं।

नगर कोतवाली प्रभारी आनंद सिंह के साथ आरक्षी देवर्षि यादव व रोहित आदि ने नवाब टैंक के पास घेराबंदी करके रजोला को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया से बात करते हुए डीआईजी मनोज तिवारी और एसपी एस आनंद ने बताया कि रजोला बबली कोल गैंग का सक्रिय सदस्य है। रजोला के पास से 32 बोर का असलहा व जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक श्री तिवारी ने बताया कि रजोला के ऊपर चित्रकूट जनपद के थाना मारकुंडी मानिकपुर में एक दर्जन से अधिक मुकदमे संगीन धाराओं में दर्ज हैं। यह दो वर्ष से लगातार बबली कोल गैंग के साथ रहकर गैंग द्वारा संचालित अपराधों में बराबर का गुनहगार था। इस पर 50 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित है। डीआईजी ने एसटीएफ और नगर कोतवाली पुलिस टीम की प्रशंसा की है।

मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान की बैठक की

रायबरेली । जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बचत भवन सभागार में 26 नवम्बर से चलने वाले मिजिल्स रूबेला टीकाकरण अभियान की बैठक की। डीएम ने बैठक में कहा कि टीकाकरण अभियान में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, स्टाफ आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिका, आशा, ग्राम प्रधान जनपदवासी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेकर अभियान को सफल बनाये और स्वास्थ्य विभाग को पूरा अपना सहयोग दें।

उन्होंने कहा कि रूबेला एक संक्रामक रोग है जो वायरस द्वारा फैलता है इसके लक्षण खसरा रोग जैसे होते है। उन्होंने बताया कि खसरा और रूबेला से जुड़े जानलेवा परिणामों जैसे निमोनिया, दस्त, दिमागी बुखार, हल्के नेत्र शोथ, कान के पीछे और गर्दन में सूजी हुयी ग्रान्थिया आदि विशेष लक्षणों से बचाव के लिए ही टीकाकरण एक मात्र बचाव है। खसरा रूबेला का टीकाकरण सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर 26 नवम्बर से मुफ्त लगाया जायेगा। इसका अभियान 05 सप्ताह का है इसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक देश से मिजिल्स रूबेला जैसी घातक बिमारियों को पूरी तरह से समाप्त कर देना है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के शुरूआती चरण में इससे सक्रमित हो जाये तो कांजेनिटल रूबेला सिण्ड्रोम (सी0आर0एस0) हो सकता है जो कि उसे भ्रूण तथा नवजात शिशु के लिए घातक हो सकता है।

दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने में सॉल्वर धराया

जौनपुर । उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी–2018) में रविवार को नेहरू बालोद्यान इंटर मीडिएट कालेज कन्हईपुर में एक परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा में सम्मिलित सॉल्वर आंतरिक दस्ते की सतर्कता से धर लिया गया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। केंद्र व्यवस्थापक की तहरीर पर लाइन बाजार थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपित का चालान कर दिया। उक्त परीक्षा केंद्र में प्रथम पाली में प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में पंजीकृत शाहगंज के जौकाबाद निवासी पंकज कुमार के स्थान पर अजय कुमार नामक सॉल्वर गेट पर की जा रही चेकिंग से चूक के कारण बच गया। परीक्षा कक्ष में फोटो मिलान के समय कक्ष निरीक्षक और आंतरिक सचल दस्त ने उसे पकड़ लिया। उसे केंद्र व्यवस्थापक व प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह के पास ले गए। केंद्र व्यवस्थापक ने तुरंत लाइन बाजार थाने पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया।

तुलसीदास नाट्य मंचन ने लोगों का मन मोहा

○ दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा मेडिकल कालेज प्रेक्षागृह में किया गया आयोजन

बांदा । दिव्य प्रेम सेवा मिशन (हरिद्वार) इकाई के तत्वाधान में मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में पद्मश्री शेखर सेन की एकल अभिनय प्रस्तुति 'तुलसीदास' संगीतमय नाट्यमंचन ने उपस्थित जनमानस को सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन, रामभक्ति में अगाध प्रेम, रामचरितमानस लेखन की प्रेरणा तथा लोक मंगल की कामना का दर्शन कराते हुए अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष गौतम एवं इसके उपाध्यक्ष महेश चतुर्वेदी ने मिशन के क्रियाकलापों व उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रिका प्रसाद दीक्षित ललित ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं महर्षि अरविंद घोष की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण से हुआ। मुख्य वक्ता व मिशन के संस्थापक आशीष गौतम, मिशन के उपाध्यक्ष महेश चतुर्वेदी महाधिवक्ता प्रयागराज हाईकोर्ट, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ललित, अभय महाजन प्रधान सचिव दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट, उमेश निगम क्षेत्रीय मंत्री कानपुर, डॉ. मुकेश यादव प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा एवं बांदा इकाई संयोजक दिनेश दीक्षित महाप्रबंधक बांदा अर्बन कोआपरेटिव बैंक लि. मंच पर विराजमान रहे। कार्यक्रम में जनपद के स्वयंसेवी संगठनों सहित समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में लावारिस लाशों के अन्तिम संस्कार हेतु अमित सेठ भोलू, अखंड हिंद फौज के गठन हेतु दीनदयाल सोनी एवं विपिन जी, नारी सशक्तिकरण हेतु अभ्युदय सेवा संस्थान की ममता पांडे, शूटिंग प्रशिक्षण हेतु रामेंद्र शर्मा, ग्रामीण संरक्षण हेतु सबीना मुमताज, चिकित्सा सेवाओं हेतु डॉ. के. एल. पांडे एवं डॉ. एस. एन. सिंह, इंजीनियरिंग शिक्षा की अलख जगाने हेतु अरुण निगम, तिरंगा वितरण एवं पशु पक्षियों के जल प्रबंध हेतु शोभाराम कश्यप, जल संरक्षण एवं नदी संरक्षण हेतु अभिमन्यु भाई, पांडुलिपि शोध हेतु डॉ. चंद्रिका प्रसाद दीक्षित ललित, साहित्य लेखन हेतु बृजेश गुप्ता मेवादेव, युवा नाट्य कलाकार चंद्रभाष सिंह को सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता आशीष गौतम ने कहा कि मानव सेवा ही मानवीयता का परिचायक है, इसी उद्देश्य को लेकर उन्होंने कुष्ठ रोगियों व उनके बच्चों की सामाजिक उपेक्षा से द्रवित होकर उन्हें पारिवारिक परिजन के रूप में स्वीकारोक्ति दिलाने तथा उन्हें संरक्षण, संवर्धन व सम्मानजनक जीवन जीने की कला सिखाने का एक प्रयास किया है दिव्य प्रेम सेवा मिशन ने। और इसके अन्तर्गत वह 21 वर्षों से लगातार इस हेतु सेवारत हैं। मिशन के उपाध्यक्ष व प्रयागराज हाईकोर्ट में महाधिवक्ता महेश चतुर्वेदी ने अभी तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन कुष्ठ रोगियों एवं उनके स्वस्थ बच्चों को समर्पित राष्ट्रभक्त, संवेदनशील नवयुवकों द्वारा संचालित एक अध्यात्म प्रेरित स्वैच्छिक सेवा न्यास है। जो कुष्ठ रोगियों की चिकित्सा सेवा के साथ उनके स्वस्थ बच्चों के पालन–पोषण, शिक्षा एवं संस्कार हेतु उनके सेवा प्रकल्पों को संचालित करते हुए पर्यावरण के प्रति भी सजग व सक्रिय है। यह सेवा प्रकल्प सक्षम व्यवस्थित स्वावलम्बी एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का केन्द्र बने, इसी निमित्त प्रख्यात नाटककार पद्मश्री शेखर सेन जी द्वारा 'तुलसीदास' का आयोजन किया जा रहा है, ताकि बांदा के लोग भी इस मिशन से जुड़ सकें। कार्यक्रम में अभय महाजन, उमेश निगम एवं चंद्रिका प्रसाद दीक्षित ललित ने भी सामाजिक मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन में दिव्य प्रेम सेवा मिशन का अनूठा व अमूल्य सेवा कार्य से प्रेरित होकर ऐसे पवित्र संगठन से जुड़ने हेतु सभी जनमानस का आवाहन किया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि समय समय पर ऐसे कार्यक्रम समाज में मानवीय संवेदना का प्रसार करते हैं। कार्यक्रम संयोजक दिनेश दीक्षित ने कहा कि आज अपना शहर जोकि गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म भूमि के रूप में विश्वविख्यात है, ऐसी पवित्र भूमि पद्मश्री शेखर सेन जी की प्रस्तुति से धन्य हुई है। दिनेश दीक्षित ने आये हुए सभी अतिथियों का आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सौम्या श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर महेंद्र देव पुरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष लवलेश सिंह, हमीरपुर सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, बांदा सांसद भैरो मिश्रा, बार संघ अध्यक्ष अशोक त्रिपाठी जीतू, रमेश अवस्थी, राजू शुक्ला, श्याम निगम, सचिन चतुर्वेदी, संजय निगम अकेला, अरुण निगम, रामकिशन बासु, अभिषेक सिंह, निखिल सक्सेना, शमीम बानो, अभिलाष निगम, पंकज गुप्ता, सुजीत दीक्षित, प्रोफेसर एमपी सिंह, शांतनु चतुर्वेदी, नंदलाल शुक्ला, मनोज जैन, राज कुमार राज, भगवानदीन गर्ग आदि सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एयर कंप्रेशर फटने से किसान की मौत

पपरेंदा गांव में शनिवार की शाम को हुई घटना

बांदा । पपरेंदा गांव में एयर कंप्रेशर फट जाने के कारण दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल लाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। अस्पताल में चिकित्सकों ने भी दुकानदार को मृत घोषित कर दिया। मृतक अपनी पांच बीघा जमीन में खेती–किसानी भी करता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। परिवारीजनों ने बताया कि मृतक पर डेढ़ लाख रुपया कर्ज था। मिली जानकारी के अनुसार चिल्ला थाना क्षेत्र के पपरेंदा गांव निवासी हरीराम (35) पपरेंदा गांव में ही पंचर बनाने की दुकान करता था। चार पहिया और दो पहिया वाहनों के टायरों का पंचर बनाता था। शनिवार की शाम को हरीराम अपनी दुकान में था। टैंक में हवा कम होने के कारण इंजन चलाकर उसने टैंक में हवा भरी। बंद करने के बाद जैसे ही वह एक कदम ही आगे बढ़ा था, वैसे ही कम्प्रेशर टैंक प्लास्ट कर गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। खबर पाकर मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने तत्काल उसे वाहन में लादा और जिला अस्पताल ला रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने भी हरीराम को मृत घोषित कर दिया। रविवार को मर्चरी हाउस में मृतक के बड़े भाई रामभरोसा विश्वकर्मा ने बताया कि मृतक हरीराम के नाम पांच बीघा जमीन है। पांच बीघा खेती में ही वह खेती किसानी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के एक पांच वर्ष का पुत्र कल्लू है और ढाई वर्ष की पुत्री कल्ली है। किसान की मौत से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। रामभरोसा ने यह भी बताया कि 25 हजार रुपया सहकारी समिति पपरेंदा से और एक लाख 20 हजार रुपए का कर्ज इलाहाबाद यूपी ग्रामीण बैंक पपरेंदा से था। अचानक हुई इस घटना से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा में अनुपस्थित रहे 3817 अभ्यर्थी

जौनपुर । प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार को संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान प्रशासनिक अमला पूरी तरह से चाक–चौबंद रहा। दो पालियों में परीक्षा में 3817 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। रात को कड़ी सुरक्षा के बीच कापियां इलाहाबाद भेजी गई। प्राथमिक स्तर की प्रथम पाली में हुई परीक्षा में पंजीकृत 35420 अभ्यर्थियों में 2267 गैरहाजिर रहे। परीक्षा के लिए 52 केंद्र बनाए गए थे, वहीं द्वितीय पाली उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा अपराह्न तीन से शाम 5. 30 बजे तक 18 केंद्रों पर हुई। परीक्षा में 14764 परीक्षार्थियों में 1550 अनुपस्थित रहे। प्रशासनिक अमला परीक्षा को चुनौती के रूप में लेते हुए चौकन्ना रहा।

नेऊधा जंगल का अस्तित्व ही समाप्त होने के कगार पर

जंगल के नाम पर दिखाई पड़ रहे केवल खजूर के पेड़

सीतापुर । जिले के कुछ जंगल ऐसे भी है जहां पर जंगली जानवरों के खाने पीने से लेकर हर जरूरज जंगल से पूरी होती है इस कारण जावरों इन जंगलों को अपना ठिकाना बना लिया था। लेकिन वन विभाग की लापरवाही से जंगलों का अस्तित्व किस तरीके से खतरे में है यह बखूबी देखा जा रहा है और उनकी देखरेख और रखरखाव किस तरीके का है इस पर भी अब उंगलियां उठने लगी है और चर्चाएं होने का धंधारी जंगल से सटा हुआ जंगल नऊधा जंगल इसी तरह की देखरेख का शिकार होकर धीरे धीरे समाप्त हो रहा है और यह सारा कुछ विभागीय अनदेखी के चलते ऐसा चल रहा है इस जंगल में चोरी छिपे काफी सारे पेड़ और विलुप्त हो चुके हैं नीम आम जैसे और औषधीय पेड़ जिसका इन जंगलों में अस्तित्व समाप्त हो रहा है जो चर्चा में खासा बना हुआ बताते चलें कि इन वनों की सीमा रेखा भी काफी लंबी और सैकड़ों एकड़ में यह फैले हुए थे और इसमें काफी सारे जीव जंतु रहा करते थे जैसे लोमड़ी खरगोश तोता इत्यादि जानवर रहा करते थे इसमें तोते की 5 प्रजातियां पाई जाती थी जो इन जंगलों में काफी जगहों पर निवास करती थी लेकिन अब मात्र टुइया तोता की प्रजाति ही यहां पर सिमट कर रह गई जो कि एक खेद का विषय है जबकि इस जंगल में काफी प्रजातियां पाई जाती थी जो जंगली जानवरों की लेकिन उसके बाद इसका अस्तित्व विहीन हो चुका है जिस का अर्थ सीधा समझा जाता है कि लगभग खत्म हो चुका है चर्चाओं में आ रहा है कि यहां पर पेड़ों को भी गुपचुप तरीके से काटा जा रहा है हालांकि इसके प्रमाणित साक्ष्य नहीं है लेकिन वन विभाग को जिसकी 24 घंटे की निगरानी इन जंगलों पर होनी चाहिए जो देश की धरोहर के साथ साथ पर्यावरण के लिए भी सदुपयोग है उसके बावजूद इनका अस्तित्व विलीन हो रहा है जो किसी दुर्घटना से कम नहीं है जंगली जानवरों का जो आशियाना था वह धीरे धीरे समाप्ति की ओर आगे जा रहा है और लगभग पूरा का पूरा जंगल नष्ट होने के कगार पर नेऊधा जंगल जिस तरह से लोगों के बीच में अपनी पहचान बनाए हुए था आज उस पहचान को मिटाने वाले भी वही है अतिशीघ्र अगर इसका अस्तित्व रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो यह जंगल बिल्कुल धराशायी हो जाएगा जो काफी हद तक हो भी चुका है... जारी।

आरोपी पूर्ति निरीक्षक बदेश्वर दबंगई पर उतारू

लहरपुर –सीतापुर । दलालों के भरोसे कार्य करने वाले पूर्तिधिकारी हट रहे हैं दिन पर दिन नए–नए कारनामे कर रहे हैं इस बार उन्होंने में इतना चर्चित है कि भदेश्वर कार्यशैली में इतना चर्चित है कि पूर्ति निरीक्षक भदेश्वर ने एक पात्र महिला का राशन नहीं बनाया और उससे कह दिया कि कोटा पूरा है लेकिन उसके बाद दलाल के कहने पर उन्होंने एक ही कोटे पर काफी राशन कार्ड बना दिए जिसके चलते महिला ने मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए उनकी पोल पट्टी खोल दी है दलाली प्रथा जिक्र करते हुए कहा गया है कि जो उनकी दलाली व अवैध वसूली में साथ देते है केवल उन पर मेहरबान है जो लोग उनके भ्रष्टाचार व अवैध वसूली में उनका साथ देते हैं कई बार आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत करने पर जिलाधिकारी द्वारा पूर्ति निरीक्षक सीतापुर को निर्देशित किया गया कि जांच कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ति निरीक्षक लहरपुर के पर कर्रे फिर भी पूर्ति निरीक्षक सीतापुर पर नहीं जिलाधिकारी के आदेश का कोई फर्क नहीं पड़ता है और न ही पूर्ति निरीक्षक लहरपुर पर पूर्ति अधिकारी सीतापुर का असर पड़ता है पूर्ति अधिकारी लहरपुर ने 30 मार्च को 29 तथा 5 अप्रैल को 18 कार्ड में मिसबाउद्दीन कोटेदार के राशन कार्ड बढ़ा दिए है उल्लेखनीय है कि अधिकारी के संरक्षण में दलालों का बोलबाला है पात्र के कार्ड नहीं बनाए जा रहे हैं राशन कार्ड एक मामला सामने आया है राशन कार्ड बना है और इसके कार्ड में दो यूनिट दर्ज है जबकि इसके एक भी संतान नहीं है और जब शाहीन का कार्ड संख्या 11540015673 के घर में दो चार पहिया वाहन लेकिन उसको में दो बनके हैं फिर भी पुत्र के भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के चलते यह सब काम होते है पात्र को कुछ नहीं दिया जाता और आपात्र को पैसे लेकर सब कुछ दिया जाता है

> **पूर्ति निरीक्षक का आखिर क्यों है लाडला कोटेदार**
>
> **लहरपुर देहात–सीतापुर। मोहल्ला भूलन पुर में निवासी करने वाला कोटेदार आखिरलर पूर्ति निरीक्षक का लाड़ला क्यों है। इस बारे में सूत्र बताते है कि भूत निरीक्षक भदेश्वर लगभग दूसरे तीसरे दिन बिरयानी खाने मुद्दीन के यहां आते हैं 13–11–2018 को 4 राशन कार्ड बढ़ाये मिसबहुद्दीन के कोटे पर बनाए गए 14–11– 2018 को 9 राशन कार्ड बनाए गए 15–11–2018 को 7 राशन कार्ड बढ़ाए गए और कोटे की दुकानों पर राशन कार्ड क्यों नहीं बढ़ाया जाते हैं अगर सूत्रों की माने तो 15 सो रुपए एक राशन कार्ड बनाने के मिस्बाह उद्दीन कोटेदार लेता है इसमें 1000 रूपये पूर्ति निरीक्षक भदेश्वर का 500 रुपयमें बहुत दिन के होते हैं अगर समय रहते उच्च अधिकारियों द्वारा कोटेदार मिस्बाह उद्दीन व पूर्ति निरीक्षक भदेश्वर की जांच नहीं की गई तो तो मामला यूं ही चलता रहेगा पात्र भूखे मरेंगे अपात्र कि वाह वाह होगी।**

लहरपुर भदेश्वर एक दूसरा सनसनीखेज मामला प्रकाश में आ रहा है इस मामले में जिला पूर्ति अधिकारी को कथित झूठी आख्या देने की कोशिश में लगे हैं आपको बता दें कि पूर्ति निरीक्षक लहरपुर राशन कार्ड में हेराफेरी करने में पीछे नहीं एक पात्र लाभार्थी के दो यूनिट बढ़ा दिए और उसे अनाज देने का काम कर रहे हैं आपको बता दें कि काफी दिनों से राशन कार्ड बनाने में अवैध वसूली करना और दलालों का काम करने से भदेश्वर की दिनचर्या में शुमार है पूर्ति निरीक्षक भ्रष्ट कार्य शैली

भव्य निशान शोभायात्रा के साथ श्याम जयंती उत्सव शुरू

गोंडा । गोंडा जिले में रविवार से त्रिदिवसीय श्री श्याम जयंती की शुरुआत श्री राम जानकी धर्मशाला से श्याम प्रभु की 101 ध्वजा शोभा यात्रा के साथ हुआ। पुरुषों और महिला भक्तों के साथ साथ छोटे छोटे बच्चे भी हाथ में श्री श्याम नाम का पताका अपने हाथों में लेकर शोभा यात्रा में शामिल हुए। श्री श्याम प्रभु की दिव्य शीश की झांकी के सम्मुख श्री श्याम ज्योति प्रज्जवलित हो रही थी। जिसके दर्शन करने को भक्त लालायित दिखाई पड़े। नगर भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर भक्तों ने अपने घरों से बाहर निकल कर दिव्य झांकी की आरती की।, झूम के गाओ भक्तों जन्मदिन श्याम प्रभु का आया... आयो रे आयो रे जन्मदिन श्याम को... लो फिर से आया जन्मदिन बाबा का.. एक दो तीन चार श्याम प्रभु की जय जय कार... आदि भजनों पर श्याम भक्तों को ठुमके लगाने पर मजबूर कर दिया। यात्रा श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला से निकल कर बडगांव पुलिस चौकी होते हुए वापस श्री श्याम मंदिर पहुंची। जहां भक्तों ने निशान जो बाबा श्याम को अर्पित किये।

मोरिंगा पाउडर से बूस्ट होगा स्टेनिमा, कैंसर से भी करेगा बचाव

मोरिंगा या सहजन की सब्जी तो आपने भी खाई होगी। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इस सब्जी का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन आज हम आपको इसकी पत्तियों से बनने वाले पाउडर के बारे में बताने जा रहे हैं। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन्स और बी–काम्प्लेक्स से भरपूर होने के कारण इस पाउडर को रोजाना लेने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर रहती है। चलिए जानते हैं मोरिंगा पाउडर से आपको क्या–क्या फायदे मिलते हैं।

मोरिंगा पाउडर में मौजूद जरूरी तत्व

मोरिंगा पाउडर में 42: प्रोटीन,125: कौल्शियम, 61: मैग्नीशियम, 41: पोटेशियम, 71: आयरन, 310: विटामिन ए और 22: विटामिन सी होता है। इसके अलावा इसमें 46: एंटीऑक्सीडेंट और 36: एंटी–इंफ्लामेट्री और 90: अन्य न्यूट्रिशन पाए जाते हैं, जिससे आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं।

मोरिंगा पाउडर के फायदे

1. मजबूत इम्यून सिस्टम

मोरिंगा पाउडर का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के साथ–साथ मेटॉबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है। इससे आप मोटापे के साथ पेट, लीवर, ब्रेन और आंखों की समस्याओं से भी बचे रहते हैं।

2. बूस्ट स्टेमिना

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण इसका सेवन स्टेनिमा को भी बूस्ट करता है। इतना ही नहीं, यह शरीर में ऊर्जा बढ़ाकर वजन घटाने में भी मदद करता है।

3. कैंसर से बचाव

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल नामक तत्व होता है, जोकि शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है। अगर आप भी कैंसर से बचे रहना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन करें।

4. डायबिटीज को करें कंट्रोल

डायबिटीज मरीजों के लिए इसका सेवन बहुत फायदेमंद हैं क्योंकि मोरिंगा कैप्सूल या इसके पाउडर से बनी चीजों का सेवन करने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है।

5. कोलेस्ट्रॉल को करें कम

इसका सेवन स्क्त कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करता है और शरीर में रक्त के थक्के बनने से रोकता है। इससे दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

6. हाई ब्लड प्रेशर

मोरिंगा पाउडर में मौजूद न सिर्फ ब्लड प्रेशर की समस्या को दूर करता है बल्कि इससे नींद भी अच्छी आती है। हाई ब्लड प्रेशर और अनिद्रा की समस्या को दूर करने के लिए सबसे बेहतरीन उपाय है।

7. बॉडी को करें डिटॉक्स

स्वस्थ रहने के लिए शरीर को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। ऐसे में इस पाउडर को पानी में मिलाकर पीने से शरीर के अंदर के मौजूद विषैले पदार्थ यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाएंगे।

8. डिप्रेशन को रखें दूर

मोरिंगा पाउडर डिप्रेशन और चिंता को दूर करने में भी मददगार होता है। इसे अपनी डाइट में शामिल करें और कुछ दिनों में ही आपको इसका असर दिखने लग जाएगा।

9. स्किन के लिए भी है फायदेमंद

मोरिंगा पाउडर का फेस पैक चेहरे पर लगाने से मुहांसे, दाग–धब्बे और पिंपल्स जैसी समस्याएं दूर हो जाती है। इसके अलावा इससे त्वचा को भरपूर पोषण भी मिलता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

10. सर्दी खांसी को भी रखें दूर

इस मौसम में सर्दी–खांसी, जुकाम, वायरल इंफैक्शन जैसी समस्याएं आम देखने को मिलती है। मगर इस पाउडर का सेवन इन प्रॉब्लम को भी दूर करता है।

सहजन की सब्जी खाने से भी मिलते हैं कई फायदे

–डायबिटीज का काल

सहजन से बनी सब्जी खाने से शरीर में रक्त संचार बेहतर तरीके से होता है, जिससे बल्ड शुगर कंट्रोल में रहती है। इसके अलावा इस सब्जी का सेवन प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

–विटामिन–सी से भरपूर

संतरे के मुकाबले, सहजन की सब्जी में 7 गुणा ज्यादा विटामिन सी होता है। इससे आप सर्दी–खांसी के साथ बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी बचे रहते हैं। इसके अलावा तेज जुकाम या नाक बंद होने पर सहजन को उबालकर उसकी भाप लेने से आराम मिलता है।

–गर्भावस्था में फायदेमंद

कैल्शियम, कैरोटीन फॉस्फोरस और विटामिन्स होने के कारण प्रैग्नेंसी में इसका सेवन बहुत फायदेमंद है। अगर आप इसकी सब्जी नहीं खाना चाहते तो आप इसका पानी भी उबालकर पी सकते हैं।

–हड्डियां को करें मजबूत

कैल्शियम से भरपूर होने के कारण इसका सेवन हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसके अलावा इसके नियमित सेवन से गठिया व जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है।

मेटाबॉलिक रेट घटाते हैं ये 5 फूड्स तभी बेकाबू होता है मोटापा

शरीर को सुचारू रूप से चलाने और तेजी से वजन कम करने के लिए मेटाबॉलिज्म रेट का ठीक होना बहुत जरूरी है। यह शरीर को एनर्जी देने व नए सेल्स बनाने में भी मदद करता है लेकिन 30 की उम्र में मेटाबॉल्जिम का

स्तर कम होने लगता है। अगर स्तर ज्यादा कम होने लगे तो मोटापा, थकावट, डायबीटीज, हाई बीपी की संभावना अधिक बढ़ जाती है। मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए आप बहुत–सी चीजों का सेवन करते होंगे लेकिन कुछ ऐसे फूड्स भी हैं, जो चयापचय को नुकसान पहुंचाते हैं या इसे धीमा करते हैं? अगर आप भी इन चीजों का सेवन करते हैं तो जरा संभल जाएं।

क्या है मेटाबॉलिजम प्रक्रिया?

यह वो प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत शरीर खाए गए भोजन को उर्जा में बदलता है। शरीर को ऊर्जा की जरूरत आराम के समय होती है जिसे रेस्टिंग मेटाबॉलिक रेट कहा जाता है।

मेटाबॉलिज्म होगा सुस्त तो मोटापा होगा बेकाबू

मेटाबॉलिज्म के घटने व बढ़ने से ही हमारा वजन कम और ज्यादा होता है। मेटाबॉलिक की धीमी गति ही वजन को तेजी से बढ़ाती है। सही खान–पान व एक्सरसाइज के जरिए मेटाबॉलिज्म के स्तर को बढ़ाया जा सकता है जिससे वजन अपने आप कंट्रोल में आएगा।

दरअसल, एक दिन में शरीर द्वारा ग्रहण की हुई कुल कैलोरी का लगभग 75 फीसदी शरीर द्वारा आर.एम.आर. क्रिया में खर्च किया जाता है। आर.एम.आर के लिए महिला को प्रतिदिन 1200 और पुरुष को 1300 कैलोरी की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा 1400 से 1600 कैलोरी शरीर की बाकी गतिविधियों पर खर्च होती है। यह हर व्यक्ति की शारीरिक गतिविधियों पर निर्भर करता है अगर यह कैलोरी बर्न न हो तो पेट के आस–पास और जांघ के हिस्से पर चर्बी जमा होने लगती है।

मेटाबॉलिज्म को कम करने वाले फूड्स

1. प्रोसेस्ड फूड्स

पास्ता, ब्रेड या पिज्जा जैसी चीजों में ग्लूकन, स्टार्च और फाइटिक एसिड अधिक मात्रा में होता है, जोकि मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है। इसके अलावा इसमें कैलोरी की भी मात्रा भी ज्यादा होती है जो मोटापे को तेजी से बढ़ाता है।

2. प्रोसेस्ड सोया प्रोडक्ट्स

सोया प्रोडक्ट्स का ज्यादा सेवन थायराइड ग्रंथि को नुकसान पहुंचाने के साथ मेटाबॉलिज्म को स्तर कम कर देता है। अगर आप सोया प्रोडक्ट्स लेना ही चाहते हैं तो यह ध्यान में रखें कि वह ऑर्गेनिक हो ना कि प्रोसेस्ड।

3. चीनी

चीनी का सेवन तो वैसे भी सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। ज्यादा मात्रा में चीनी लेने से आप सुस्त महसूस करते हैं और इससे मेटाबॉलिज्म रेट भी कम होने अगर आपको मीठा खाना बहुत पसंद है तो चीनी बजाए गुड़ या मीठे फलों का सेवन करें। फाइबर से भरपूर फल मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के साथ–साथ आपको स्वस्थ भी रखते हैं।

4. डीप फ्राइड फूड

ज्यादा तले और डीप फ्राइड चीजों का सेवन किसी भी प्रकार से आपकी हैल्थ के लिए बढ़िया नहीं है। यह मेटाबॉलिज्म को भी कम कर देता है। हफ्ते में सिर्फ एक बार इसका सेवन करें तो अच्छा है।

5. अल्कोहल

शराब, सेहत के लिए कितनी हानिकारक है ये तो सब जानते हैं। मगर क्या आपको पता है कि इसका सेवन मेटाबॉलिज्म को भी धीमा कर देता है, जिससे आप मोटापे के साथ–साथ कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के लिए क्या खाएं

1. मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दूध, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों, अंडे, चिकन, टर्की, मछली, समुद्री भोजन को शामिल करें।

2. फाइबर, विटामिन, खनिजों का भंडार पालक को एनर्जी बूस्टर भी माना जाता है। यह खून बढ़ाने के साथ मेटाबॉलिज्म रेट को हाई भी करता है।

3. संतरा, अंगूर, नींबू जैसे खट्टे फलों में शविटामिन सीश की भरपूर मात्रा होती है। ये फैट को बर्न करके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

4. कोको यानी कॉफी के बीज का सेवन भी मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में मददगार है।

5. ग्रीन टी का सेवन भी मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ाकर वजन कम करने में काफी सहायक होती है।

6. सेब का सिरके से मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर आसानी से वेट लॉस किया जा सकता है। अपनी डाइट में 1 या 2 चम्मच एप्पल साइड विनेगर जोड़े और मन चाही फिगर पाएं।

दवा नही, सर्दियों में उंगलियों की सूजन दूर करेगी ये घरेलू चीजें

सर्दी का मौसम आते ही स्किन से संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। वहीं इस मौसम में कुछ लोगों के हाथ–पैर की उंगलिया भी सूज जाती है। उंगलियां सूजने पर काफी दर्द होता है और कई बार इसके कारण स्किन भी उतरने लगती है। सूजी हुई उंगलियों के कारण काम में भी दिक्कत होती है इसलिए लोग इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए दवाओं का सेवन करने लगते हैं लेकिन रसोई में रखी कुछ चीजें ही इसके लिए काफी हैं।

सर्दियों में क्यों सूज जाती है उंगलियां?

ठंड के प्रत्यक्ष संपर्क में आने से शरीर की कुछ नसें सिकुड़ जाती है। इसका सीधा असर ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है, जिससे हाथों–पैरों की उंगलियों में सूजन आ जाती है। कई बार सूजन के साथ–साथ उंगुलियों लालगी, जलन और खुजली भी होने लगती है

और कई बार उनमें दर्द भी होता है।

सर्दियों में उंगुलियों की सूजन दूर करने के उपाय

1. सरसों में होते हैं औषधीय गुण

4 चम्मच सरसों के तेल और 1 चम्मच सेंधा नमक को मिलाकर गर्म करें। अब इसे सोने से पहले हाथों–पैरों की उंगलियों पर लगाएं और मोजे पहनकर सो जाएं। इससे कुछ समय में ही उंगलियों की सजून दूर हो जाएगी। आप चाहे तो जैतून के तेल को गर्म करके उससे मालिश भी कर सकते हैं।

2. प्याज भी हैं कारगर

एंटी–बायोटिक और एंटी–सेप्टिक गुण होने के कारण प्याज भी उंगलियों में होनी वाली सूजन को दूर करता है। प्याज के रस को सूजन वाली जगह पर लगाकर कुछ देर छोड़ दें। इससे आपको जल्दी आराम मिलेगा।

3. नींबू का रस भी है फायदेमंद

नींबू का रस भी सूजन को कम करने के लिए किसी रामबाण औषधि से कम नहीं है। हाथ या पैरों की उंगलियों में सूजन होने पर नींबू का रस लगाएं। इससे आपको राहत मिलेगी।

4. आलू से दूर करें सूजन

आलू काटकर उसमें नमक मिलाएं और फिर इसे सूजी हुई उंगुलियों पर लगाएं। इससे आपको कुछ समय में ही असर दिखाई देगा लेकिन इस दौरान भोजन में नमक कम इस्ध्तेमाल करें।

5. मटर का प्रयोग

मटर को पानी में अच्छी तरह उबाल लें और फिर उससे हाथों–पैरों को धोएं। दिन में जब भी हाथ–पैर धोएं तो मटर के पानी का ही इस्तेमाल करें। इससे सूजन की समस्या दूर हो जाएगी।

6. हल्दी भी है रामबाण इलाज

जैतून के तेल में 1/2 चम्मच हल्दी मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे सूजन के साथ–साथ खुलजी, दर्द और जलन से भी राहत मिलेगी।

मानव संसाधन सम्मेलन का आयोजन

आजमगढ़ । स्थानीय विकास खंड के नाउपुर में स्थित राजकीय इंजिनियरिंगकालेज परिसर में मानव संसाधन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेट्रो रेल कारपोरेशन नोएडा के महाप्रबंधक रजनीश पांडेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सत्यप्रकाश पांडेय ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रतिभा, तकनीक, विश्वास व शिक्षण के माध्यम से तकनीकी व विज्ञान द्वारा समाज कल्याण किया जा सकता है। मानव संसाधन सम्मेलन के द्वारा छात्र अपने कैरियर की बुलंदी को पकड़ सकते हैं। इस अवसर पर विभूति नारायण मिश्रा, अनीश कुमार, अमित कुमार, चौतन्य निधि, अमित भास्कर, स्तुति मौर्य, डा. विनीत श्रीवास्तव, संजय कुमार आदि रहे।

डीएम के निरीक्षण में क्रय केंद्र पर मिला ताला

आजमगढ़ । डीएम शिवाकांत द्विवेदी ने ताला लटक रहे धान क्रय केंद्र रैसिंहपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारी को कड़ी हिदायत देते हुए केंद्र पर धान खरीद शुरू करने का निर्देश दिया। शनिवार को दैनिक जागरण अखबार में पेज नंबर तीन पर धान क्रय केंद्र पर लटका ताला शीर्षक से खबर प्रकाशित हुई थी। खबर को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने लाव लश्कर के साथ शाम लगभग चार बजे केंद्र पर पहुंच गए। डीएम ने देखा कि अभी तक केंद्र पर धान की कोई खरीद नहीं हुई है। उन्होंने धान खरीद शीघ्र शुरू करने का फरमान जारी किया। ताकि किसानों को धान बेचने में असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर डीएम के साथ पुलिस कप्तान रविशंकर छवि, खाद्य रसद विभाग के अधिकारी व संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कंटेनर से चॉकलेट के 40 कार्टून चोरी

जसवंतनगर/इटावा । थाना क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित दुर्गा होटल पर खड़े कन्टेनर से शातिर चोर मौका पाकर चॉकलेट के 40 कार्टून निकाल कर चोरी कर ले गये। अतः जानकारी होनें पर वाहन स्वामी ने अज्ञात चोर के खिलाफ जसवंतनगर थाना में अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना क्षेत्र के ग्राम मलाजनी निवासी सुरेश चन्द्र पुत्र गजाधार ने बताया कि उसका कंटेनर एमपी 07 बी 5716 का चालक कंटेनर में चॉकलेट लादकर इटावा से होते हुए जसवंतनगर की ओर आ रहा था। तभी कंटेनर चालक जसंवतनगर पहुंचा और उसने कंटेनर क्षेत्र के दुर्गा होटल पर खड़ा कर दिया। तभी मौका पाकर वहां खड़े कंटेनर से शातिर चोर मौका पाकर 40 कार्ट्न चॉकलेट के निकालकर ले गये। अतः थाना पुलिस ने वादी सुरेश चन्द्र की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

लखीमपुर के बदमाशों ने सर्राफ से लूटे थे जेवर

❑ लुटेरे का रिश्तेदार जेवर लेकर फरार, तलाश जारी

लखनऊ । लखीमपुर में छात्र नेता की हत्या करने वाले पंकज वर्मा ने मड़ियांव के नौबस्ता खुर्द में सर्राफ अनिल सोनी से लूट की वारदात की थी। पुलिस ने पंकज को उसके साथी संग गिरफ्तार कर लूटे गए कुछ जेवर व नकदी बरामद की है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि 14 नवम्बर की रात दीप ज्वैलर्स के मालिक अनिल सोनी से 70 ग्राम सोना व दो किलो चांदी लूटी गई थी। उन्होंने बताया कि जांच में लगी मड़ियांव पुलिस व एएसपी ट्रांसगोमती की टीम ने लगी थी। इस बीच सर्विलांस से पुलिस को लखीमपुर के बदमाशों के घटना में शामिल होने की जानकारी मिली। साथ ही कुछ सीसी कैमरों की फुटेज मिली थी। एसएसपी ने बताया कि लूट की वारदात में पलिया निवासी पंकज वर्मा व मछरेहटा निवासी बृजेन्द्र द्विवेदी उर्फ विजय पण्डित शामिल थे। जिन्हें मड़ियांव इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह की टीम ने घैला पुल के पास से गिरफ्तार किया। उनके पास से पायल, चांदी की तीन अंगूठी व 11 हजार रुपए बरामद हुए हैं। सीओ अलीगंज दीपक कुमार सिंह ने बताया कि लूट की वारदात करने के बाद पंकज गहने लेकर लखीमपुर चला गया था। उन्होंने बताया कि पंकज ने कुछ जेवर गोला गोकरननाथ निवासी प्रिन्स राजपूत को देने की बात कबूल की है। सीओ के अनुसार प्रिन्स की गिरफ्तारी के लिए टीमें लखीमपुर रवाना की गई है। उन्होंने बताया कि पंकज वर्मा ने वर्ष 2007 में गुरु गोविन्द सिंह डिग्री कॉलेज के छात्र नेता अभय प्रताप सिंह की हत्या की थी। जिसमें उसके खिलाफ रासुका की कार्रवाई हुई थी। वहीं, बृजेन्द्र द्विवेदी विकासनगर व इन्दिरानगर में हुई लूट की कई वारदातों में शामिल रहा है। बुधवार की रात अनिल सोनी दुकान बन्द कर चौक सर्राफा मार्केट गए थे। उन्होंने कारीगरों से कुछ जेवर सही कराए। वहीं, नए जेवर खरीदे थे। लूट की वारदात के बाद मड़ियांव पुलिस को सूचना देते हुए भी अनिल ने यही बात कही थी। मगर, पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही थी। पंकज वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह बृजेन्द्र के साथ मड़ियांव में मौजूद था। उसी दौरान अनिल सोनी स्कूटी से जाते नजर आए। उनके पास एक थैला था। जिस पर वह लगातार निगाह बनाए हुए थे। पंकज के अनुसार सर्राफ की हड़बड़ाहट के कारण ही उन्हें टॉरगेट करने की योजना बनाई थी।

डॉ. निधीश को योग गौरव सम्मान

लखनऊ । योग एक जीवन दर्शन है जिसके बीज मूलरूप से वेदो में विद्यमान है जो उपनिषदों श्रीमदभगवतगीता, स्मृतियों, आगमों आदि से विकसित होते हुए आधुनिक विज्ञान में भी एक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित हो चुका है यह बातें गुरु कांगडी विवि हरिद्वार के डीन प्रो. ईश्वर भारद्वाज ने कही। रविवार को योगामृतम् सेवा संस्थान और अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक संगठन की ओर से प्रतिभा सम्मान एंव प्रथम प्राकृतिक चिकित्सा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी के सभागार में हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राज कुमार सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा डॉ. सत्येंद्र कुमार, डॉ. राम किशोर, डॉ. अमरजीत यादव, डॉ. नंदलाल जिज्ञासु आदि मौजूद रहे। योग गौरव सम्मान योगामृतम् सेवा संस्थान की ओर से प्रतिवर्ष दिए जाना वाला योग गौरव सम्मान इस वर्ष पतंजलि विवि के प्राचार्य डॉ. निधीश कुमार यादव को दिया गया। इसके अलावा संस्थान की ओर से योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें करीब पंद्रह प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग विषय के यूजीसी नेट पाठ्यक्रम पर आधारित प्रतियोगिता दो चरणों लिखित व मौखिक चरणों में हुई। इसके बाद प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को नकद राशि व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

परीक्षा देने से वंचित रह गए दर्जनों परीक्षार्थी

आजमगढ़ ।शिक्षक पात्रता प्रवेश परीक्षा (टीईटी) की पहली पाली में कई दर्जन छात्र प्रमाण पत्र नहीं लाने की वजह से परीक्षा देने से वंचित रह गए। शिब्ली कालेज व निसवां इंटर कालेज में आक्रोशित परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन भी किया लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे किसी की एक नहीं चली। अंततरू परीक्षा से तमाम परीक्षार्थी वंचित हो गए। टीईटी प्रवेश परीक्षा सुबह दस बजे से शुरू होनी थी। कुल 71 केंद्रों पर परीक्षा होनी थी। ऐसे में तमाम परीक्षार्थियों का रेला सभी परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुका था। परीक्षा केंद्र पर आधा घंटा पहले से ही प्रवेश दिया जा रहा था। शिब्ली नेशनल कालेज व निसवां इंटर कालेज को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था। प्रवेश के लिए बीएड, बीटीसी की कम्प्यूटराइज्ड निकला प्रमाण पत्र और आइडी प्रूफ जरूर लाना था। इसमें तमाम छात्र प्रमाण पत्र तो लाए थे लेकिन उसे प्रमाणित नहीं करवा पाए थे। उनका आरोप था कि कहीं से भी आनलाइन यह निर्देश नहीं दिया गया था कि प्रमाणित कर लाना है। कई परीक्षार्थी अपने प्रमाण पत्र को घर पर भूल गए थे। ऐसे में कुछ परीक्षार्थी घर जाकर ले भी आए लेकिन देर होने का हवाला देते हुए उन्हें अंदर घुसने से मना कर दिया गया। इसी प्रकार निसवां इंटर कालेज में भी कई परीक्षार्थियों को अंदर नहीं घुसने दिया गया। इससे आक्रोशित परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। ड्यूटी के दौरान तैनात एसडीएम अरुण कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने छात्रों को समझाया बुझाया।

नगर कीर्तन का भव्य आयोजन

लखनऊ । सतगुरू नानक पर गटया मिट्टी धुंध जग चानण हुवा, कल तारण गुरू नानक आया... इन शबद कीर्तन की गूंज रविवार को नाका हिण्डोला स्थित गुरूद्वारे में सुनाई दी। साहिब श्री गुरूनानक देव जी महाराज के 549 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर श्री गुरू सिंह सभा की ओर से नगर कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। फूलों से सजी पालकी में गुरू साहिब जी के दर्शन पाने के लिए भक्तों में उत्साह नजर आया। भव्य नगर कीर्तन की अगुवाई परंपरागत वेशभूषा पहने पांच प्यारों ने की। ज्ञानी दरविंदर सिंह जी ने श्री गुरूग्रन्थ साहिब जी को चांवर किया। अमीनाबाद से नाका तक पूरा रास्ता झालरों की रोशनी से डूबा नजर आया। भक्तों ने आतिशबाजी और फूलों से नगर कीर्तन में पालकी का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर कीर्तन में शामिल हुए भक्तों के लिए सेवकों ने जगह–जगह पर खाने पीने के स्टॉल लगाए गए। –स्कूली छात्र–छात्राओं में दिखा जोश नगर कीर्तन में गुरूनानक गर्ल्स इंटर कालेज, गुरूनानक डिग्री कालेज, एनसीसी के 100 केडेट संग अन्य स्कूल के बच्चों ने नगर कीर्तन में हिस्सा लिया। बाबा दीप सिंह गतका ग्रुप और उनके साथियों ने करतब दिखा कर युद्ध कला का बेहतरीन प्रदर्शन दिया। वहीं कलाकारों ने गुरबाणी की धुनों और फौजी अंदाज में प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया।

इस अवसर पर गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बग्गा ने प्रकाश पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर जसबीर सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में भक्त उमड़े। नगर कीर्तन् भ्रमण गुरूद्वारा नाका हिण्डोला से आरंभ होते हुए पान दरीबा, गुरूनानक मार्केट, चारबाग लालकुआ, हुसैनगंज, हीवेट रोड लाटूश रोड श्रीराम रोड होते हुए अमीनाबाद पहुचां जहां रास्ते में नगर भ्रमण यात्रा का भव्य स्वागत भक्तों ने किया। अमीनाबाद के हनुमान मंदिर के वरिष्ठ पुजारियों ने नगर कीर्तन और शाही सवारी का स्वागत शंख घंटे बजाकर स्वरलहरियों संग किया। गणेशगंज नाका हिण्डोला होते हुए यह विशाल यात्रा गुरूद्वारा पहुचा जहां गुरूग्रंथ साहिब जी की शाही सवारी को गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया। इस अवसर पर निष्काम जत्थे बंदियों सिख यंग मैन्स एसोसिएशन दशमेष साहिब सेवा सोसाइटी, सिख सेवक जत्था यूथ खालसा एसोसिएशन संग अन्य सभा के सेवकों ने उत्साह संग यात्रा में हिस्सा लिया।

नशीले पदार्थ सहित दो गिरफतार

ऊसराहार/इटावा । थाना ऊसराहार पुलिस टीम क्षेत्र के अर्न्तगत वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरा पुलिस ने क्षेत्र के अर्न्तगत संदिग्ध हालत में घूम रहे दो लोगों को देखा। पुलिस द्वारा संदेह पर दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। तलाशी पर पुलिस ने दोनों व्यक्यिों के कब्जे से नशीला 240 ग्राम पाउडर बरामद कर उन्हें गिरफतार कर लिया। पूछताछ पर आरोपियों ने अपना नाम करन पुत्र रामदास निवासी कोकपुरा थाना फ्रेण्डस कालोनी इटावा व छोटू पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गिहार बस्ती आगरा बताया। साथ ही अभियुक्तों ने बताया कि वह नशीले पदार्थ की तस्करी करने का कार्य काफी समय से करते आ रहे है।

इतिहास रचने वाले सिनेमा की उम्मीद क्या छोड़नी होगी

बड़ा घराना, बड़े सितारे, पानी की तरह पैसा बहाने वाला बजट

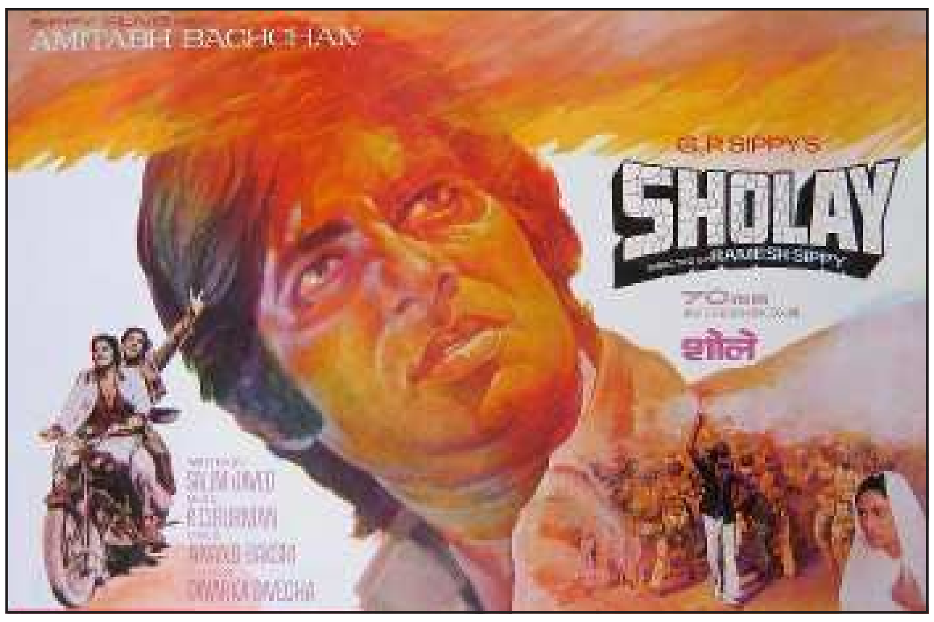

और महंगे से महंगे भारतीय तथा विदेशी तकनीशियन मिलकर इतिहास रचने वाली कोई फिल्म बना सकते हैं? यह प्रश्न अचानक ही न जाने क्यों मौजूं हो गया है। देखा जा रहा है कि किस तरह यशराज बैनर की बहुप्रचारक, बहुचर्चित और अनेकानेक कारणों से इतिहास रचने वाली बताई जा रही फिल्म का जैसा नाम है, उसी तरह दर्शकों के साथ सुलूक हो गया है। .

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। जब ऐतिहासिक सुपरहिट फिल्म शोले के बाद रमेश सिप्पी शान पर काम कर रहे थे, तो अपेक्षा थी कि वह शोले के आगे की फिल्म बनाएंगे। शोले पांच साल चली, तो शान और आगे जाएगी। शोले की सफलता ने सिप्पी के मन में आत्मविश्वास का ऐसा अतिरेक पैदा किया कि उनका सबसे बड़ा प्रयोग, जो कि खलनायक को लेकर था, एक नया चेहरा, एक भयावह आदमी, एक डरा देने वाला चरित्र, हास्यास्पद बनकर रह गया। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ शशि कपूर को लिया, शशि कपूर की मार्केट को बैलेंस करने के लिए सुनील दत्त को लिया, एक एंटी एंगल शत्रुघ्न सिन्हा का रचने की कोशिश की, फिर अभिनेत्रियों में राखी, परवीन बॉबी और बिंदिया गोस्वामी। लेखक तो सलीम–जावेद थे ही। फिर क्या हुआ कि फिल्म फ्लॉप होकर रह गई? जानकारों का मानना था कि अमेरिकी एक्शन फिल्मों से प्रेरित शान एक अलग किस्म का प्रयोग थी, जो विफल साबित हुई। करण जौहर ने कुछ कुछ होता है बनाकर जो कमाया था, वह कभी खुशी कभी गम में सब का सब दांव पर लग गया। फिल्म को मानवीय और मर्मस्पर्शी बनाने पर इतना परिश्रम किया गया कि फिल्म आंसुओं के सरोवर में ही डूबकर रह गई।

अब जरा दर्शकों के बारे में भी सोच लीजिए। उसके उस नुकसान का क्या, जो एक निरर्थक फिल्म देखकर होता है। सिनेमा देखना एक महंगा सामूहिक पारिवारिक मनोरंजन का कर्म हो गया है, उस पर दस गुना भाव के खाद्य पदार्थ खाने और शीतल पेय पीने का शगल भी कुछ कम नहीं। ऐसे में, इस अनुभव के साथ लौटना वाकई में आर्थिक रूप से बड़े नुकसान का सबब है। अमिताभ उम्र के इस पड़ाव में भरपूर समझौतावादी और समरस होने के लिए उपलब्ध हैं। उनके साथ चयन और मापदंड की वह बात अब नहीं रही, जिसके लिए वह कभी ख्यात थे और किसी वक्त में अमजद खान, कादर खान और किशोर कुमार द्वारा उनको नायक लेकर फिल्म बनाने के आग्रहों से भी उन्होंने अपने आपको एक सफल और बड़े महानायक के प्रोफेशनलिज्म के परिचय के साथ बचा लिया था। इस दौर के अमिताभ तत्पर हैं, वह कहते हैं कि मैं अब भी सीख रहा हूं। नई पीढ़ी के साथ अनुभव ले रहा हूं। इधर आमिर खान इस महाबोध से नितांत दूर अपनी छवि, अपने चरित्र और अपनी फिल्म को लेकर घोर सुचिंतित और लगभग निर्मम रहते हैं। इसका परिचय धूम–3 के वक्त भी मिला, जब उन्होंने अभिषेक बच्चन की भूमिका गौण बना दी। संयोग यह कि उस फिल्म के निर्देशक विजय कृष्ण आचार्य थे और इस बार भी निर्देशक वही हैं। लेकिन बात फिर भी नहीं बनी। इतिहास आया, इतिहास गया, लेकिन फिल्म ऐतिहासिक नहीं बन सकी। .

स्वाभाविक है कि दर्शक इस गणित से बेखबर है। वह यह सब भेद समझ तभी पाएगा, जब परदे पर फिल्म से रूबरू होगा। यह सब तभी जानेगा, जब अमिताभ को बावजूद बेहद सुरक्षात्मक ढंग से एक्शन करा लिए जाने के बाद बढ़ती उम्र और घटती ऊर्जा में क्लोज शॉट में बहुत थका–थका सा देखेगा। जिस कैटरीना के ख्वाब लिए वह सिनेमाघर गया है, वह कैटरीना दो बार नाचने भर के लिए आएगी और फिर मेहमान कलाकार हो जाएगी। ऐसे भ्रम से बना हुआ सिनेमा निश्चित तौर पर निराश ही करेगा। ऐसा हर बार होता है। हर बार हम शोले की उम्मीद बांधते हैं, लेकिन सबसे अंत में हमारे हाथ शान भी नहीं आती है। हम कह सकते हैं कि सिनेमा का कारोबार बदल गया है और मल्टीप्लैक्स के जमाने में शोले जैसी उम्मीद नहीं बांधनी चाहिए। मगर सच है कि इसी दौर में बाहुबली जैसी फिल्में भी बनी हैं।

रणवीर-दीपिका के वेडिंग फोटोज हुए वायरल, देखते ही आलिया के मुंह से निकला...

मुंबई। इटली के लेक कोमो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की शादी का दो दिवसीय समारोह 15 नवंबर को सम्पन्न हो गया। कोंकणी और सिंधी रीति–रिवाज से हुई शादी में दोनों परिवारों के सदस्य और चंद खचस दोस्त ही शामिल हुए थे। सूत्रों के अनुसार, शादी में शामिल होने वाले मेहमानों की तादाद 40 के आस–पास बतायी जाती है। शादी की तस्वीरें शेयर होने के साथ ही इंटरनेट पर वायरल हो चुकी हैं। गौर करने वाली बात यह है कि लाइक्स के मामले में बाजीराव अपनी मस्तानी से हार गये हैं। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज और बाकी लोगों के लिए बेंगलुरु और मुंबई में रिसेप्शंस रखे गये हैं। बहरहाल, कई घंटे तक इंतजार करवाने के बाद दीपिका और रणवीर ने अपनी शादी की दो तस्वीरें 15 नवंबर की रात 8 बजे के आस–पास अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स से शेयर कीं। एक तस्वीर कोंकणी रस्म की है, जबकि दूसरी तस्वीर सिंधी रीति–रिवाज की है। शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गयीं। पोस्ट होने के 15 घंटों में दीपिका के एकाउंट से शेयर की गयी तस्वीरों को 50 लाख से ज़्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जबकि रणवीर के एकाउंट से शेयर की गयी तस्वीरों को 34 लाख से अधिक लोगों ने पसंद किया है। दीपिका यहां आगे निकल गयी हैं, लेकिन अगर दोनों के लाइक्स अगर मिला दिये जाएं तो यह संख्या 85 लाख को पार कर जाएगी। ट्विटर पर रणवीर के एकाउंट पर पोस्ट तस्वीरों को सिर्फ 4 घंटे में 1.60 लाख से ज़्यादा लोगों ने पसंद किया है, जबकि दीपिका के एकाउंट पर शेयर तस्वीरों को इसी अवधि में 2.

30 लाख से अधिक लाइक्स मिले। बताते चलें कि रणवीर और दीपिका ने अपना वेडिंग फोटो लीक होने से बचाने के लिए भरपूर इंतजाम किये थे। शादी के लिए चुनिंदा मेहमानों को ही न्यौते भेजे गये थे। जो बात सबसे अहम है, वो ये कि मेहमानों के लिए क्या करें–क्या ना करें की लिस्ट भी तैयार की गयी थी, जिससे जोड़े की निजता में कोई खलल ना पड़े। यही वजह है कि शादी के वेन्यू और कुछ मेहमानों की तस्वीरें तो 14 नवंबर को ही इंटरनेट पर आ गयी थीं, लेकिन दूल्हा–दुल्हन बने रणवीर और दीपिका की तस्वीरें नहीं आ सकी थीं। उधर, तस्वीरें सार्वजनिक होने के बाद अब इस स्टार कपल को बधाइयां मिलने का सिलसिला जारी है, मगर इनमें प्रियंका चोपड़ा का अंदाज सबसे जुदा है। दीपिका और रणवीर के साथ बाजीराव मस्तानी में काम कर चुकीं प्रियंका ने शादी के फोटो पर लिखा है– ध्देंदमसल ठमंनजपनिस. .. यानि दीवाना कर देने वाली खूबसूरती इस तस्वीर में दीपिका और रणवीर कोंकणी रस्म के हिसाब से दूल्हा–दुल्हन बने हुए हैं। प्रियंका ने रणवीर के साथ गुंडे में भी काम किया था, जिसमें अर्जुन कपूर पैरेलल लीड रोल में थे। आलिया भट्ट ने भी फोटो कैप्शन में सिर्फ उफ लिखा है और हार्ट के सिम्बल बनाये हैं। आलिया, रणवीर के साथ जोया अख्तर की गली बॉयज में काम कर रही हैं। खबस बात यह है कि आलिया का नाम इन दिनों दीपिका के एक्स बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर के साथ पूरी शिद्दत से जोड़ा जा रहा है, जो अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में उनके हीरो भी हैं। दीपिका और रणबीर के बीच दूरी की वजह कटरीना कैफ बनी थीं, जिनके साथ रणबीर बाद में लिव–इन रिलेशनशिप में भी रहे थे और दीपिका डिप्रेशन का शिकार हो गयी थीं। बहरहाल, वो सब अब गुजरे वक्त की बातें हैं। फिलहाल तो मौकग है दीपिका और रणवीर को बधाई देने का। रणवीर–दीपिका के बाद अब सबकी निगाहें प्रियंका और निक जोनस की शादी पर टिकी हैं, जो 2 दिसम्बर को बतायी जा रही है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। खबरें हैं कि प्रियंका और निक जोधपुर के उम्मेद पैलेस भवन में अपनी जिंदगी के सबसे हसीन पल का स्वागत करेंगे।

राम का कौन स्वरूप किसके लाभ वाला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह कहना कि जो 'राम का नहीं, वह हमारे काम का नहीं', याद दिलाता है कि कई और लोग भी जाके हिय न राम वैदेही, तजिये ताहि कोटि वैरी सम जद्यपि परम सनेही जैसी पंक्तियों को ही राम के प्रति पूर्ण आस्था, विश्वास और समर्पण वाली मानते हैं। लेकिन इस बात का क्या किया जाये कि गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस में श्सियाराम मय सब जग जानी, करहुं प्रनाम जोरि युग पानी जैसी पंक्ति भी है और वही उन्हें व्यापक व विश्वस्तरीय बनाती है। कहते हैं कि यही हमारी दृष्टि में ऐसा परिवर्तन का भाव भरती है, जिससे आप्लावित होने पर सारा संसार राममय दिखायी देता है। जहां तक राम की मान्यता और विश्वास का प्रश्न है, माना जाता है कि वे किसी एक देश या धर्म तक सीमित नहीं हैं। शोधकर्ता डॉ. भगवती सिंह के अनुसार रामकथाएं 64 देशों में विद्यमान हैं। अलबत्ता, अलग–अलग रूपों में। किसी देश की रामकथा में राम को अपना पैगम्बर बताया जाता है, तो किसी में मानव हितकारी तथा सारी समस्याओं का समाहर्ता। इन सारे रूपों से राम की ग्राह्यता घटती नहीं, कुल मिलाकर बढ़ती ही है। इसे इस रूप में भी देख सकते हैं कि जिन 29 देशों में रामकथाओं का मंचन होता है, वे सब के सब हिन्दू देश नहीं हैं। दुनिया का सबसे बड़ी मुस्लिम जनसंख्या वाला देश इण्डोनेशिया तो राम को अपना प्रतीक मानता है। उसका कहना है कि वैसे तो धर्म की दृष्टि से उसका अकीदा इस्लाम पर है, लेकिन राम उसके पूर्वज हैं। इस्लाम का प्रादुर्भाव तो 1400 वर्ष पूर्व ही हुआ और राम उस से पूर्व भी विभिन्न क्षेत्रों में विद्यमान थे। आज की दुनिया में सबसे बड़ी संख्या ईसाई धर्मानुयायियों की है और मुस्लिम दूसरे नम्बर पर आते हैं लेकिन रामकथा उनसे भी पहले विद्यमान थी। भाषा और लिपि का काल जो भी निर्धारित हो, आज भी दुनिया के सबसे पुराने ग्रन्थों में श्वेदश ही आते हैं। माना जाता है कि वे छरू हजार साल से भी अधिक पुराने हैं। योगी के कथन पर लौटें तो सवाल उठता है कि राम को ही निर्णायक मानना हो तो यह आदर्शों के लिहाज से उन्हें संकीर्ण व सीमित बनाकर होगा या दीर्घ व व्यापक बनाकर? उनके नाम पर तजिए ताहि बैरी सम जद्यपि परम सनेही का भाव हमें कहां ले जाकर खड़ा करेगा? राम की धार्मिक ग्राह्यता की दृष्टि से भी संकोचन को गुण नहीं माना जा सकता और उनकी व्यापकता का निर्धारण इस तरह करना होगा कि

उनकी सर्वोपयोगिता का आधार बढ़े। इसीलिए वाल्मीकि से लेकर तुलसीदास तक कोई भी उन्हें संकुचित बनाने के प्रयासों में शामिल नहीं होता। इसी तरह, धर्म कोई भी हो और उसका निर्धारण किसी भी भांति किया जाये, ग्राह्यता और स्वीकार्यता जैसे गुणों को मानना ही पड़ेगा। और माना जायेगा तो पूछना ही होगा कि राम को संकीर्ण व सीमित ढांचे में खड़ा करना उनका महत्व व वर्चस्व बढ़ाने वाला होगा या घटाने वाला? अतीत में रामकथाओं का विस्तार जिन कारणों से हुआ, उनके दो प्रमुख तत्व हैं–गुण एवं मूल्य। इनमें गुणों को स्थायी नहीं कहा जा सकता क्योंकि संसार में परिवर्तनशीलता विद्यमान है, जिसका मान्यताओं पर भी प्रभाव पड़ता ही है और कई बार यह प्रभाव बहुत व्यापक होता है। यही कारण है कि प्राचीन धर्मों में तो परिवर्तन होते ही रहे हैं, इस्लाम या सिख जैसे नये धर्म भी तेजी से बदले हैं। आज की दुनिया में इस्लाम 72 खेमों में बंटा हुआ है तो सिख धर्म भी अलग–अलग मान्यताओं व स्वरूपों में उभर रहा है। ईसाई या उससे पुराने धर्म भी इस बदलाव प्रक्रिया से मुक्त नहीं हो पाये हैं। बौद्ध धर्म हीनयान और महायान तक ही बंटकर नहीं रह गया है बल्कि उसके कई स्वरूप स्थानीय और भौतिक कारणों से भी बने हैं। यहां ध्यान रखना चाहिए कि गुणों को आधार धर्म की पहचान और श्रेष्ठता के मानक बनाने में भारत अग्रणी रहा है। यहां धर्म की पहचान के जो दस लक्षण गिनाये गये, उनमें ईश्वर और पूजापद्धति को शामिल ही नहीं किया गया। मनुस्मृति में कहा गया है–धृतिरू क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहरू। धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम। इन लक्षणों में श्रेष्ठता और गुणों के आधार पर धर्म के परीक्षण में संकीर्णता नहीं प्रदर्शित की गई है। इन पर किसी खाप या खेमे का प्रभाव भी नगण्य ही कहा जा सकता है। ऐसे में आप किसी भी धर्म के मानने वाले या समर्थक हो सकते हैं, लेकिन धर्म के गुणों के विरोधी नहीं। दूसरे पहलू पर जायें तो सवाल है कि राम को संकुचित व सीमित बनाने की आवश्यकता किन्हें, कब और क्यों पड़ती है? जवाब यह कि संकुचित स्वार्थों के पैरोकारों को, तभी जब वे राम को अपने स्वार्थों के पहरेदार रूप में प्रयुक्त करना चाहते हैं। यकीनन, हमारे देश की समकालीन राजनीति में ऐसे संकुचित स्वार्थों का बोलबाला है। हम जानते हैं कि जब तक राज्य नाम की संस्था की आवश्यकता रहेगी, तब तक उस पर कब्जे का संघर्ष भी रहेगा ही। इसीलिए राजनीति हर युग में संघर्ष का कारण रही है और मानव को सबसे अधिक धड़ों में बांटने वाले स्वार्थ भी हैं। इन्हीं स्वार्थों के कारण वर्ग भी पनपते हैं। राजनीति का प्रवाह किस दिशा में होगा, यह भी वर्गों और स्वार्थों की अवस्थिति पर आधारित होता है। दरअसल, वे भी स्वार्थ ही हैं जो हमें संकुचित बनाते और अपने अनुकूल मान्यताएं गढ़ने पर विवश करते हैं। देश का धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय स्वरूप भी इस विवशता को बढ़ाता है। इसीलिए देश में लोकतंत्र की स्थापना के बाद भी राजनीतिक दलों की संख्या घटने के बजाय बढ़ ही रही है। हमने राज्य की जो नीतियां बनाई हैं, उनका लाभ पाने के लिए बनने वाले संगठन भी बढ़ते ही जा रहे हैं। इसीलिए राजनीतिक दलों में भी कोई टूटन की प्रक्रिया से मुक्त नहीं हो पाया है और दृष्टिकोणों की व्यापकता व स्वीकार्यता भी प्रभावित होने लगी है। विभाजन इस कदर बढ़ रहा है कि राज्य और राम को भी मुक्त नहीं कर रहा। लेकिन राम ईश्वर हैं तो कोई भी स्थल और क्षेत्र उनसे परे या मुक्त नहीं माना जा सकता। चूंकि उनकी यह व्यापकता सीमित स्वार्थों की सिद्धि में बाधक बनती है, इसलिए क्षुद्र राजनीति के अलमबरदार सत्ताधीशों का उद्देश्य उनको एक क्षेत्र, भाषा और स्वार्थ तक सीमित करना हो गया है। सवाल है कि इनको राम के संकुचित स्वरूप की आवश्यकता क्यों पड़ रही है और क्या उन्हें अपने स्वार्थों के आधार पर राम का स्वरूप निर्धारित करने की छूट होगी? खासकर तब, जब लोकतंत्र में जो भी सरकार चलाता है, उसे संकुचित धार्मिक व साम्प्रदायिक स्वार्थों के बजाय लोकहित की सर्वोच्चता की ही शपथ लेनी होती है।

क्या 2019 में 1996 दोहराया जाएगा

पांच राज्यों के विधानसभाई चुनाव की पूर्व–संध्या में हुए कर्नाटक के उपचुनावों ने पिछले करीब एक साल में बढ़ती स्पष्टता के सामने आयी इस सचाई की जोरदार तरीके से पुष्टि की है कि मोदी–शाह की भाजपा का ग्राफ गिरावट पर है और उसके साढ़े चार साल के राज से निराश जनता, विकल्प खोज रही है। इसी साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में, अकेली सबसे बड़ी पार्टी बनकर निकलने के बावजूद, भाजपा को सरकार तक पहुंचने से, कांग्रेस–जनता दल सेकुलर के गठबंधन ने रोक दिया था। भाजपा को सत्ता पर काबिज होने से रोकने के लिए कांग्रेस ने, बड़ी दूरंदेशी तथा तत्परता का परिचय देते हुए, जनता दल सेकुलर के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार बनाने की पेशकश कर, भाजपा की खरीद–फरोख्त के जरिए बहुमत जुगाड़ने की तमाम कोशिशों को विफल कर दिया। अचरज की बात नहीं है कि इस पृष्ठभूमि में, जब कुमारस्वामी के नेतृत्व में कांग्रेस–जनता दल सेकुलर सरकार ने शपथ ली, उससे शपथ ग्रहण का मंच, भाजपा के खिलाफ व्यापक विपक्षी एकता के प्रदर्शन का ही मंच बन गया। इसी पृष्ठभूमि में, यह सवाल बार–बार पूछा जा रहा था कि क्या यह विपक्षी एकता, चुनाव में भी काम करेगी? क्या जनता इस तरह के गठबंधन को स्वीकार करेगी? उपचुनाव के नतीजों ने इन सारी शंकाओं को दूर कर दिया है। लोकसभा की तीन और विधानसभा की दो सीटों के लिए एक साथ हुए उपचुनाव में, कांग्रेस–जनता दल सेकुलर गठबंधन ने, चार सीटों पर जीत दर्ज करायी है, जबकि भाजपा को एक शिमोगा की लोकसभाई सीट की जीत पर ही संतोष करना पड़ा है। याद रहे कि कर्नाटक में भाजपा के स्ट्रांगमैन कहलाने वाले येदियुरप्पा के बेटे ने इस सीट पर जीत दर्ज जरूर करायी है, लेकिन पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा उम्मीदवार की जीत के अंतर में उल्लेखनीय कमी हो गयी है। दूसरी ओर, मीडिया के हिसाब से इन चुनावों की मुख्य स्टोरी, खनन माफिया के रूप में कुख्यात रेड्डी बंधुओं के गढ़, बेल्लारी की लोकसभाई सीट, करीब ढ़ाई लाख

वोट के अंतर से भाजपा से कांग्रेस का छीन लेना है। यह जीत गठबंधन के काम कर रहे होने का सबसे धमाकेदार सबूत है। जनता दल सेकुलर के गढ़ मांड्या की लोकसभाई सीट पर उसका कब्जा बनाए रखना और दो विधानसभाई सीटें कांग्रेस और जनता दल सेकुलर के बीच बंट जाना, इस उपचुनाव की अन्य खबरें हैं। जाहिर है कि कर्नाटक के उपचुनाव के नतीजों का असर, सिर्फ कर्नाटक तक ही सीमित नहीं रहेगा। विपक्ष के लिए आयी इस अच्छी खबर से, पांच राज्यों के विधानसभाई चुनाव में मुख्य भाजपा–विरोधी पार्टी के रूप में कांग्रेस के उत्साह में कुछ न कुछ बढ़ोतरी ही होगी। लेकिन, कर्नाटक उपचुनाव के नतीजों का वृहत्तर प्रभाव, इस तात्कालिक असर तक ही सीमित नहीं रहेगा। जैसे इसके भाजपा के खिलाफ विपक्ष की एकता की एक वृहत्तर प्रक्रिया का हिस्सा होने को ही रेखांकित करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, चंद्रबाबू नायडू ने झटपट कर्नाटक की जनता दल सेकुलर–कांग्रेस गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री, कुमारस्वामी और उनके पिता तथा जनता दल सेकुलर के राष्ट्रीय अध्यक्ष, एच डी देवगौड़ा से, लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता का हिस्सा बनने के लिए बात कर ली है। मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए तथा उसकी सरकार से अलग होने के बाद से तेलुगू देशम पार्टी, उनकी मुखर विरोधी ही नहीं होती गयी है बल्कि उसके नेता, चंद्रबाबू नायडू नब्बे के दशक के 1998 के चुनाव तक के दौर की, अपनी विपक्ष को एकजुट करने में सक्रिय भूमिका पर लौट गए हैं। इसीलिए, यह संयोग ही नहीं है कि चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात के बाद, मीडिया से बात करते हुए एच डी कुमारस्वामी ने 2019 में 1996 दोहराने की उम्मीद जतायी। 1996 में भाजपा को सत्ता से दूर रखने के केंद्रीय लक्ष्य के आधार पर ही, कांग्रेस–इतर भाजपाविरोधी पार्टियों ने एकजुट होकर सरकार बनायी थी, जिसे कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया था। बहरहाल, कर्नाटक के गठबंधन के अनुभव का संकेत स्पष्ट है कि 1996 को अगर दोहराया जाता है, तब भी कम से कम एक भिन्नता के साथ दोहराया जाएगा। इस बार कांग्रेस को इस एकता का महत्वपूर्ण हिस्सा होना होगा। रहा नेतृत्व का सवाल तो कर्नाटक में, विधानसभा में अपने से छोटी पार्टी को गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने का मौका देकर, कांग्रेस ने कम से कम इतना तो साबित कर ही दिया है कि वह भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए, सत्ता के अपने लालच को अंकुश में रख सकती है। बहरहाल, आम तौर पर कर्नाटक की भाजपाविरोधी गठबंधन सरकार के अनुभव ने और खासतौर पर पांच सीटों के उपचुनाव के नतीजों ने, अगले आम चुनाव के लिए महत्व रखने वाली दो प्रमुख सचाइयों को गाढ़ी स्याही से रेखांकित कर दिया है। पहला तो यही कि राज्य के स्तर पर व्यावहारिक रूप से भाजपाविरोधी गठबंधन बन सकते हैं और प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों पर केंद्रित इस तरह के गठबंधन, राज्य–राज्य के स्तर पर भाजपा तथा उसके सहयोगियों की हार और विपक्षी ताकतों की जीत का रास्ता बना सकते हैं। इसका अर्थ यह है कि भाजपाविरोधी एकता का रूप, किसी देशव्यापी श्श्महागठबंधनश्श का न होकर, राज्यों के स्तर पर बनने वाले व्यावहारिक गठबंधनों की फैडरेशन का ही होगा। और इन अलग–अलग गठबंधनों या कतारबंदियों को आपस में बांधने वाली डोर होगी, भाजपा के विरोध की एकता। देश के स्तर पर मौजूदा संघ–भाजपा शासन के खिलाफ वातावरण बनाने में योग देते हुए भी, यह एकता राज्यों के स्तर पर ही चुनावी कतारबंदी का व्यावहारिक रूप लेगी। अचरज नहीं कि उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित सपा–बसपा गठबंधन या बिहार के राजद–केंद्रित गठबंधन या तमिलनाडु के द्रमुक केंद्रित गठबंधन की तरह, कर्नाटक में कांग्रेस–जनता दल सेकुलर गठबंधन के अगले लोकसभा चुनाव में भी काम करने की पहले ही घोषणाएं भी की जा चुकी हैं।

चुनाव आयोग की चेतावनी

चुनाव आयोग यह चेतावनी थोड़ा और पहले जारी करता तो बेहतर होता कि अपने आपराधिक रिकॉर्ड की सूचना विज्ञापन की शक्ल में अखबारों और टीवी चौनलों में न देने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है, क्योंकि कई जगह चुनाव प्रचार थम चुका है। इसके चलते अपने आपराधिक रिकॉर्ड को विज्ञापित न करने वाले प्रत्याशी इस बहाने की आड़ ले सकते हैं कि उन्हें समय पर सही जानकारी नहीं मिल सकी अथवा वे इस आशय के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से अवगत नहीं थे। चुनाव आयोग ने यह तो स्पष्ट कर दिया कि अपने आपराधिक मामलों को सार्वजनिक न करने वाले प्रत्याशियों को अदालत की अवमानना का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन यह साफ नहीं कि इसके तहत उन्हें किस तरह का दंड भुगतना पड़ सकता है और यह किसी से छिपा नहीं कि नेताओं को अदालती कार्यवाही की तब तक परवाह नहीं करते, जब तक उनकी विधायकी अथवा सांसदी के लिए कोई खतरा न हो।

कुल मिलाकर इसमें संदेह है कि सुप्रीम कोर्ट की इस व्यवस्था से राजनीति के अपराधीकरण पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगेगा कि आपराधिक मामलों का सामना कर रहे प्रत्याशियों को अपने ऐसे मामलों को मीडिया के जरिए सार्वजनिक करना पड़ेगा। इस संदेह का एक वजह यह है कि उम्मीदवारों की ओर से नामांकन पत्रों में अपने आपराधिक मामलों का विवरण देने की व्यवस्था के बाद से ऐसे कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आए हैं कि दागी लोगों के विधानमंडलों में पहुंचने का सिलसिला थमा है। एक बड़ी संख्या में आपराधिक अतीत वाले लोग संसद और विधानसभाओं में पहुंचने में समर्थ हैं। इसका एक बड़ा कारण ऐसे तत्वों की जाति, संप्रदाय, क्षेत्र आदि के बहाने चुनाव जीतने की क्षमता है। राजनीतिक दल शुचिता और मूल्य–मर्यादा की चाहे जितनी बात करेंसच यह है कि वे दागी नेताओं की चुनाव जीतने की क्षमता के कायल हैं। उनके पास यह भी एक बहाना होता है कि दोषी सिद्ध न होने तक हर व्यक्ति निर्दोष है। इसी आड़ में वे कुख्यात से कुख्यात लोगों को अपना उम्मीदवार बनाते हैं और यह तर्क भी देते हैं कि वे उन्हें सुधरने का अवसर दे रहे हैं।

इंटीमेट सीन को लेकर एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने दिया बयान

फिल्म अभिनेत्री कल्कि कोचलिन का कहना है कि अभिनेताओं के लिए अंतरंग सीन की शूटिंग से पहले एक दूसरे पर भरोसा करना बेहद जरूरी है और वह मानती हैं कि इस चलन को फिल्म उद्योग में अनिवार्य किया जाना चाहिए। कल्कि ने कहा कि उन्होंने कुछ अभिनेताओं से मिले बिना ही उनके साथ अंतरंग सीन किये हैं, जो कि नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, "जब हम फिल्म के सेट पर होते हैं, तो कोई भी व्यक्ति वास्तव में कोरियोग्राफ किए गए एक्शन सीन को भी करने से घबराता है। कोई भी व्यक्ति 'गलती से' भी अभिनेता के चेहरे पर पंच नहीं करता, तो हम अंतरंग सीन के लिए ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं?"उन्होंने कहा, "ऐसे कई सीन हैं जहां मैंने चुंबन सीन से पहले अभिनेता से मुलाकात नहीं की। यह समझ में नहीं आता। अभिनेताओं के बीच विश्वास होना चाहिए।" अभिनेत्री ने 'टाटा लिटरेचर लाइव' के 9वें संस्करण में कार्यस्थल पर आचार संहिता के विषय पर एक पैनल चर्चा में हिस्सा लिया।

8 से ज्यादा लड़कों को डेट करने के बावजूद भी कुंवारी हैं सुष्मिता सेन, कुछ ऐसी रही है लव लाइफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन आज अपना 43वां बर्थडे सैलिब्रेट कर रही है। 19 नवंबर 1975 हैदराबाद में जन्मी सुष्मिता ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी है। जितनी सुष्मिता अपने फिल्मी करियर को लेकर सुर्खियों में रही है उतनी ही वह अपने अफेयर्स को लेकर भी चर्चा में रही है। वैसे इन दिनों सुष्मिता 15 साल छोटे मॉडल रोमन शॉल को डेट कर रही है। रोमन से पहले भी सुष्मिता के एक–दो नहीं 10 बॉयफ्रेंड रह चुके हैं। उनकी छवि हमेशा से एक ऐसी अभिनेत्री की रही है, जिसने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी है। सुष्मिता ने कई नाइट क्लबों के मालिक रितिक भसीन को दो साल तक डेट किया। बिल्डर इम्तियाज खत्री भी कुछ समय के लिए सुष्मिता के प्रेमी रह चुके हैं और एक टैलेंट कंपनी चलाने वाले बंटी सचदेवा का भी कुछ ऐसा ही सीन रहा था। सुष ने एक्टर रणदीप हुड्डा के साथ भी प्यार की कसीदें पढ़ी हैं। रणदीप से ब्रेकअप के बाद सुष्मिता ऐडमैन मानव मेनन के साथ रिलेशन में आ गई थीं। एक ऐड की शूटिंग के दौरान सुष्मिता मानव से मिली थीं। रिलेशन में आने के बाद मानव की फिल्म रानी लक्ष्मीबाई को सुष्मिता ने प्रोड्यूस किया था। होटल मालिक संजय नारंग भी एक वक्त पर सुष्मिता के बॉयफ्रेंड रहे हैं। ये भी कहा जा रहा था कि सुष्मिता और संजय ने सगाई कर ली है। लेकिन बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। सुष्मिता फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट के साथ भी रिलेशन में रहीं। अपनी फिल्म दूल्हा मिल गया के निर्देशक मुदस्सर अजीज के साथ भी सुष्मिता का अफेयर था। सुष्मिता की पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर वसीम अकरम के साथ एक शो होस्ट करने के दौरान साथ होने की खबरें आई थीं। इतना ही नहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुष्मिता अनिल अंबानी को भी डेट कर चुकी हैं। ये भी खबरें आई थीं कि सुष्मिता की बड़ी बेटी रेने अनिल और सुष की है जिसे सुष्मिता ने अडॉप्ट कर लिया था। हालांकि ये खबरें अफवाह ही साबित हुई।

बिग बी को शाहरुख के पिता समझते हैं अबराम, बोले– दादा आप हमारे घर पर क्यों...?

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शएयर की है। इस तस्वीर में अमिताभ शाहरुख खान के छोटे बेटे अबराम खान से हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि अबराम उन्हें अपने पिता के पिता यानि असली दादा समझते हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा– "ये हैं शाहरुख के छोटे बेटे अबराम, जो समझते हैं, यकीन करते हैं और बिना किसी शक के मान चुके हैं कि मैं इनके पिता का पिता हूं .. और इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर क्यों शाहरुख के पिता उनके साथ नहीं रहते हैं।" बता दें कि यह तस्वीर ऐश्वर्या और अभिषेक की लाडली बेटी आराध्या के बर्थडे के दौरान की है। पार्टी में शिल्पा शेट्टी से लेकर ईशा देओल सभी अपने बच्चों के साथ पहुंचे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ इन दिनों फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म में अमिताभ के अलावा आलिया भट्ट और रणबीर कपूर हैं। बीते दिनों फिल्म की रिलीज डेट को बदल दिया गया है। पहले यह फिल्म अगले साल अगस्त में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अक्षय कुमार की फिल्म 'मिशन मंगल' के चलते इसकी रिलीज डेट को अब आगे बढ़ा दिया गया है।

बॉयफ्रेंड हर्षवर्धन का हाथ थामें बांद्रा में स्पॉट हुईं किम शर्मा

बॉलीवुड फिल्म मोहब्बतें फेम एक्ट्रेस किम शर्मा इन दिनों एक्टर हर्षवर्धन राणे के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। आए दिन दोनों उनकी तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल होती रहती हैं। हाल ही में किम में एक बार फिर हर्षवर्धन के साथ बांद्रा में स्पॉट हुईं। इस दौरान की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। तस्वीरों में किम टॉप के साथ शॉर्ट्स पहने हॉट लग रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने जैकेट पहवा है जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है। वहीं हर्षवर्धन व्हाइट टी–शर्ट के साथ ब्लू जींस पहने हुए काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। इन लेटेस्ट तस्वीरों में कपल कैमरा को देख स्टाइलिश और मुस्कुराते हुए पोज देता नजर आया। तस्वीरों में दोनों एक–दूसरे का हाथ थामे दिखे। पर्सनल लाइफ की बात करें तो शादी के बाद किम ने बॉलीवुड को अलविदा कह दिया था। इसके बाद वह पति के साथ केन्या में चली गई थीं लेकिन इन दोनों की शादी भी बहुत दिनों तक नहीं चल और तलाक हो गया। किम ने युवराज सिंह के साथ चल रहे अफेअर को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म मोहब्बतें से किम शर्मा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म हिट साबित हुई और किम नाम बनाने में कामयाब रहीं इस फिल्म का अलावा किम ने टॉम डिक और हैरी, मनी है तो हनी है और नहले पे दहला जैसी कई फिल्मों में नजर आईं लेकिन ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं। वहीं हर्षवर्धन की फिल्म पलटन कुछ समय पहले ही रिलीज हुई थी।

ब्रेकअप की खबरों के बीच लंच डेट पर पहुंचे टाइगर–दिशा, बहन कृष्णा श्रॉफ भी आईं नजर

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ और दिशा पटानी इन दिनों अपने रिश्ते को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। कुछ दिन पहले खबरें आईं थीं कि काफी लंबे वक्त तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद टाइगर और दिशा ने ब्रेक–अप करने का फैसला किया। वहीं हाल में दिशा टाइगर के साथ लंच डेट पर गईं। इश दौरान उमके साथ टाइगर की बहन कृष्णा भी मौजूद थीं। तस्वीरों में दिशा व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ हाई वेस्ट जींस पहने स्टाइलिश अदाज में नजर आईं। वहीं कृष्णा ग्रे कलर की स्पोर्ट ब्रा के साथ ब्लैक जिम पैंट पहने बोल्ड लुक में दिखीं। इस दौरान कृष्णा और दिशा हाथों में हाथ डाले नजर आ रही हैं और इनके चेहरों पर बड़ी मुस्कुराहट है। दोनों की बॉन्डिंग देखकर ऐसा साफ कहा जा सकता है कि ये काफी अच्छी दोस्त हैं। वहीं टाइगर व्हाइट टी–शर्ट और ब्लू जींस पहने हैंडसम लग रहे हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही दोनों के ब्रेकअप की खबरें आईं थीं। सूत्रों के मुताबिक बीते कुछ ही दिनों में दोनों के बीच कई बार लड़ाई हुई है। दोनों ने मिलकर कई बार अपने रिश्ते को एक नई शुरूआत देने की कोशिश की है। लेकिन ये सभी प्रयास फेल रहे हैं। बता दें कि टाइगर और दिशा ने कभी अपने रिश्ते को मीडिया के सामने नहीं स्वीकारा। दोनों ने फिल्म बागी 2 में साथ काम किया था और ये मूवी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। किसी ने नहीं सोचा था कि इनका रिश्ता इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर इन दिनों धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ दि ईयर 2' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म का निर्देशन पुनीत मल्होत्रा कर रहे हैं। इसके अलावा टाइगर जल्द ऋतिक रोशन के साथ यशराज फिल्म्स के लिए सिद्धार्थ आनंद की अनाम फिल्म की शूटिंग भी शुरू करने जा रहे हैं। खबरें आ रही हैं कि टाइगर हॉलीवुड फिल्म रेम्बो के हिन्दी रीमेक में नजर आ सकते हैं। वहीं दिशा सलमान खान और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म भारत में नजर आएंगी।

यैलो साड़ी पहन करिश्मा ने करवाया फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने हाल ही में फोटोशूट करवाया है। इस फोटोशूट में वह पीले रंग की साड़ी में दिख रही है। इस समय वह अपने खूबसूरत अंदाज में कहर ढा रही है। इसकी तस्वीरें करिश्मा ने अपने इंस्टा पर शेयर भी की है। तस्वीरों में उनके लुक को चार चांद उनके गॉगल्स लगा रहे है। तस्वीरों में वे कहीं पाउट करती दिख रही हैं तो कहीं फैंस को आंख दिखा रही हैं। करिश्मा के इंस्टाग्राम के 2.3 मिलियन फैंस को उनकी ये तस्वीरें बेहद पसंद आ रही हैं। फैंस करिश्मा की ये तस्वीरें काफी लाइक कर रहे है।

बेटी आराध्या के बर्थडे पर अभिषेक–ऐश ने बच्चों संग की मस्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या ने बीते दिनों अपना 7वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बच्चन परिवार ने पार्टी रखी। हाल ही में अब पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। इस दौरान आराध्या क्रीम कलर की ड्रेस पहने हुए बेहद क्यूट अंदाज में नजर आईं। आराध्या ने स्पेशल 7 टायर्ड यूनीकॉर्न केक काटा, जिसमें उनका नाम भी लिखा हुआ था। पार्टी में शिल्पा शेट्टी से लेकर ईशा देओल सभी अपने बच्चों के साथ पहुंचे ऐसे में सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिषेक और ऐश्वर्या पार्टी में आए सभी बच्चों के साथ म्यूजिकल चेयर खेल रहे हैं। हालांकि अभिषेक इस गेम में जरा चीटिंग भी करते दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक कुर्सियों के चारों ओर घूमने के बजाय सिर्फ एक ही जगह कुर्सी के पास खड़े रहते हैं और म्यूजिक रुकते वहां मौजूद चेयर पर बैठ जाते हैं। बता दें कि बर्थडे के मौके पर अमिताभ ने पोती आराध्या को बर्थडे विश करते हुए लिखा–घर वालों का आशीर्वाद पोती के साथ हमेशा है, आपकी लंबी उम्र हो, खुश रहिए, और फक्र से रहिए।

अमिताभ बच्चन के साथ इस शो से टीवी पर वापसी कर रहे हैं कपिल शर्मा

टीवी के फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्द ही टीवी पर वापसी करने वाले है। उनका कॉमेडी शो को ऑनएयर होने में कुछ दिन बाकी है। इसके अलावा वह रियलिटी शो स्कौन बनेगा करोड़पतिश में भी दिखेंगे। यहां वह हॉट सीट पर बैठेंगे। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद फेसबुक पर वीडियो शेयर कर दी। ऐसे में कपिल शर्मा के साथ द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन के फाउंडर रवि कालरा भी होंगे। इसके साथ ही उनके दोस्त और कॉमेडियन चंदन प्रभाकर भी नजर आएंगे। यह केबीसी 10 का स्पेशल कर्मवीर एपिसोड है। सूत्रों की मानें तो बिग बी का शो स्कौन बनेगा करोड़पतिश 26 नवंबर को ऑफ एयर हो रहा है, जिस वजह से इस एपिसोड को ग्रैंड फिनाले की तरह शूट किया गया है। कौन बनेगा करोड़पति शो के दौरान कपिल के साथ आए रवि कालरा ने कपिल शर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कपिल ऐसे बुजुर्गों को सहारा देते हैं, जिनके अमीर बेटे उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़कर चले जाते हैं। बता दें कि कपिल 12 दिसंबर को गर्लफ्रेंड गिन्नी से शादी करने जा रहे हैं। मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक कपिल की शादी हिंदू रीति–रिवाज से संपन्न होगी। शादी में उनके खास मेहमान और दोस्त ही शामिल होंगे। शादी की सेरेमनी 10 दिसंबर से ही शुरू हो जाएगी। 10 तारीख की रात को कपिल के घर मातारानी का जागरण होगा। इसके अगले दिन यानी 11 दिसंबर को गिन्नी के घर जालंधर में संगीत और मेहंदी सेरेमनी होगी। रिसेप्शन पार्टी 14 दिसंबर को अमृतसर में होगी। इन सबसे निपटने के बाद कपिल बॉलीवुड स्टार्स के लिए एक पार्टी रखेंगे। यह पार्टी मुंबई में होगी।

कभी प्रभुदेवा के साथ प्यार की सारी हदें पार करने को तैयार थी नयनतारा मगर आज भी है कुवारी

साउथ एक्ट्रेस नयनतारा आज अपना 34वां बर्थडे सैलिब्रेट कर रही है। 18 नवंबर 1984 को बेंगलुरू में जन्मी नयनतारा वेलइक्करन, इमइक्का नोडिगल, कोलाइथुर कालम, जय सिम्हा, कोको जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है। नयनतारा की गिनती हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में होती है। नयनतारा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2003 में आई मलयालम फिल्म मनासीनाकाड़े से की थी। नयनतारा का असली नाम श्डायना मरियम कुरियन है। नयनतारा का फिल्मी सफर तो काफी अच्छा रहा लेकिन प्यार के मामले में वो चूक गई। एक समय ऐसा था जब नयनतारा और प्रभुदेवा के अफेयर की चर्चा खबरों की हेडलाइन बना करती थी लेकिन बाद में दोनों की राहें जुदा हो गईं। दरअसल नयनतारा ने जिस समय कोरियोग्राफर प्रभुदेवा को डेट करना शुरू किया उस वक्त को शादी शुदा थे और 3 बेटों के पिता थे लेकिन प्यार के आगे दोनों की न चली और जल्द ही दोनों एक दूसरे के प्यार की गिरफ्त में आ गए। दोनों ने लिवइन में रहना शुरू कर दिया। जैसे ही दोनों के प्यार की खबर प्रभुदेवा की पत्नी को चली उनकी पत्नी लता ने साल 2010 में फैमिली कोर्ट में पिटीशन लगाई कि प्रभुदेवा नयनतारा के साथ लिव–इन में रह रहे हैं। इतना ही नहीं लता ने धमकी भी दी थी कि अगर उन्होंने नयनतारा से शादी की तो वो भूख हड़ताल करेंगी। उस वक्त नयनतारा के खिलाफ काफी प्रोटेस्ट किया गया उनके पुतले भी फूंके गए। लेकिन प्रभुदेवा अब भी नयनतारा से प्यार करते थे उन्होंने इस प्यार के लिए 16 साल की शादी तक तोड़ दी और साल 2011 में अपनी पत्नी लता को तलाक दे दिया। प्रभुदेवा को पत्नी लता से हुए तलाक ने उन्हें दिवालिया होने की कगार पर ला दिया था। उन्हें अपनी पत्नी को 10 लाख रुपए का गुजारा भत्ता देने के अलावा प्रॉपर्टी भी देनी पड़ी थी। लेकिन बाद में नयनतारा ने कहा कि वो अब प्रभुदेवा से अपने सारे रिश्ते खत्म कर चुकी हैं। लेकिन एक समय ऐसा था जब प्रभुदेवा के प्यार में नयनतारा ने धर्म परिवर्तन भी कर लिया था।

परिवार समेत ऋषि से मिलने पहुंचे शाहरुख खान, ट्वीट कर दी जानकारी

बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर डेढ़ महीने से न्यूयॉर्क में मेडिकल ट्रीटमेंट करवा रहे हैं। न्यूयॉर्क में उनके साथ नीतू सिंह भी मौजूद हैं। ऋषि से मिलने वहां बॉलीवुड स्टार्स अनुपम खेर, जावेद अख्तर, प्रियंका चोपड़ा, सोनाली बेंद्रे, आलिया भट्ट पहुंचे थे। अब हाल ही शाहरुख खान भी ऋषि से मिले। इस दौरान शाहरुख की पत्नी गौरी और बेटी सुहाना भी मौजूद रहीं। इस मुलाकात की जानकारी खुद ऋषि ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट करते हुए दी। ऋषि ने ट्वीट करते हुए लिखा– शाहरुख इस समय मेरे पास हैं और इस दौरान वह एनवायरू स्टर्न स्कूल भी गए जहां वे बच्चों से मिले। वहीं इससे पहले रिद्धिमा ने बताया था फिलहाल वह बिल्कुल ठीक हैं, ऐसे में चिंता की कोई बात नहीं है, मैं आपको बता दूं कि मैं उनके स्वास्थ्य को लेकर कभी चिंतित नहीं थी, पापा अपना रुटीन टेस्ट करवा रहे है, जैसा कि वह ट्विटर पर बता चुके हैं, दरअसल, वे कई सालों बाद पूरे शरीर का रुटीन चेकअप करवा रहे हैं और हमे उम्मीद है कि सब ठीक ही होगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउण्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।
इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी भी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222